रांची, मंगलवार
24.02.2026
वर्ष : 11, अंक : 85 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अंजदीप' 27 को नौसेना के समुद्री बेड़े का हिस्सा बनेगा

नई दिल्ली। एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट प्रोजेक्ट का तीसरा वेसल 'अंजदीप' 27 फरवरी को भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े का हिस्सा बन जाएगा। चेन्नई बंदरगाह पर कमीशनिंग समारोह के बाद नौसेना अपनी एंटी-सबमरीन वारफेयर क्षमता बढ़ाने के लिए तैयार है। स्वदेशी पनडुब्बी रोधी रॉकेट, माइन बिछाने की क्षमता और उन्नत सोनार सिस्टम से लैस इस पोत के नौसेना में शामिल होने के बाद भारत के बड़े समुद्री हितों और तमिलनाडु और पुडुचेरी क्षेत्र सहित तटीय इलाकों की सुरक्षा होगी। भारतीय नौसेना के लिए गार्डन रीच शिपबिल्डर्स और इंजीनियर्स एएसडब्ल्यू शैलो वॉटर क्राफ्ट (एसडब्ल्यूसी) प्रोजेक्ट के तहत आठ जहाजों का निर्माण कर रहा है। एंटी सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (एसडब्ल्यूसी) प्रोजेक्ट के तहत निर्मित 'अग्रे' और 'अक्षय' शैलो वॉटर क्राफ्ट 13 मार्च 2024 को कोलकाता में लॉन्च किया गये थे। लॉन्च किये गए यह जहाज 5वें और छठे थे, जिनका नामकरण भारतीय नौसेना के पूर्ववर्ती अभय क्लास कार्वेट एग्रे और अक्षय के नाम पर किया गया है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने 22 दिसंबर 2025 को 'अंजदीप' पोत भारतीय नौसेना को सौंप दिया था।

भारत-गुयाना संबंधों को बहुआयामी क्षेत्रों में विस्तार देने पर सहमति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से सोमवार को यहां उपराष्ट्रपति भवन में गुयाना के उपराष्ट्रपति डॉ. भारत जगदेव ने शिष्टाचार भेंट की। बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-गुयाना संबंधों को विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में और मजबूत बनाने के उपायों पर व्यापक चर्चा की। डॉ. जगदेव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निर्णायक लीडरशिप और यूपीआई के जरिए डिजिटल गवर्नेंस और फाइनेंशियल इनक्लूजन में भारत की तेजी से हो रही प्रगति की सराहना की। दोनों पक्षों ने गुयाना में भी ऐसे ही डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना मॉडल को बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

झारखंड में निकाय चुनाव में 62 प्रतिशत मतदान

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के सभी 48 नगर निकायों के लिए मतदान सोमवार को छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण रहा। सुबह सात बजे से ही विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं।

राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी ने जानकारी दी कि राज्य के 48 शहरी स्थानीय निकायों में शाम पांच बजे तक कुल 62 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि सबसे कम रांची में मतदान का प्रतिशत रहा।

उन्होंने कहा कि राज्य के शहरी स्थानीय निकायों में सबसे कम मतदान रांची में हुआ है। रांची में सिर्फ 43.35 प्रतिशत मतदान हुआ है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में मेयर और अध्यक्ष पद के लिए कुल 562 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। 5562 प्रत्याशी वार्ड पार्षद पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।

वहीं सभी 6124 प्रत्याशियों का राजनीतिक भविष्य शाम पांच बजे 8608 मतपेटियों में कैद हो गया। इस बार राज्य के नौ नगर निगम, 20 नगर परिषद और 19 नगर पंचायतों में चुनाव कराए गए हैं। इसमें मेयर और अध्यक्ष के 48 पद और वार्ड पार्षदों के 1042 पदों के लिए वोट डाले गये हैं। वहीं इनमें 41 वार्ड पार्षद निर्विरोध चुने जा चुके हैं। पुरुष मतदाताओं की संख्या 22 लाख 11 हजार 781, महिला मतदाताओं की संख्या 21 लाख 31 हजार 370 और थर्ड जेंडर वर्ग से 144 मतदाता हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार पलामू जिले के मेदनीनगर नगर निगम में 57.41 प्रतिशत मतदान हुआ। इसी प्रकार विश्रामपुर नगर परिषद में 66.67, हुसैनाबाद नगर पंचायत में 59.86, हरिहरगंज नगर पंचायत में 64.99 प्रतिशत और छत्तरपुर नगर पंचायत में 65.81 प्रतिशत मतदान हुआ।

वहीं गढ़वा जिले के गढ़वा नगर परिषद में 63.32, श्रीबंशीधरनगर नगर पंचायत में 63.07, मझिआंव नगर पंचायत 62.80, लातेहार जिले के लातेहार नगर पंचयात में 66.12, चतरा जिले के चतरा नगर परिषद में 68.88 प्रतिशत मतदान हुआ।

इसी प्रकार हजारीबाग जिले के हजारीबाग नगर निगम में 49.95, झुमरीतिलैया नगर परिषद में 58.82 प्रतिशत वोटिंग हुई। कोडरमा जिले के कोडरमा नगर पंचायत में 56.89, डोमचांच नगर पंचायत में 54.16, गिरिडीह जिले के गिरिडीह नगर निगम में 59.29, बड़कीसरैया नगर पंचायत में 63.74 और धनवार नगर पंचायत 65.22 प्रतिशत मतदान हुआ।

देवघर जिले के देवघर नगर निगम में 52.92, मधुपुर नगर परिषद में 67.50, गोड्डा जिले के गोड्डा नगर परिषद में 64.13 और महागामा पंचायत में 70.45 प्रतिशत वोटिंग हुई।

साहेबगंज जिले के साहेबगंज नगर परिषद में 57.58, ताजमहल नगर पंचयात में 67.85, बरहरवा नगर पंचायत में 73.58 , पाकुड़ जिले के पाकुड़ नगर परिषद में 66.30 प्रतिशत मतदान हुआ।

दुमका जिले के दुमका नगर परिषद में 60.47, बासुकीनाथ नगर पंचयात में 74.10, जामताड़ा जिले के मिहिजाम नगर परिषद में 60.41 और जामताड़ा नगर पंचायत में 64.78 प्रतिशत वोटिंग हुई। वहीं धनबाद जिले के धनबाद नगर निगम में 46.98, चिरकुंडा नगर परिषद में 60.09, बोकारो जिले के चास नगर निगम में 49.76, फुसरो नगर परिषद में 58.37 प्रतिशत मतदान हुआ।

रामगढ़ जिले के रामगढ़ नगर परिषद में 65.63, लोहरदगा जिले के लोहरदगा नगर परिषद में 69.01, गुमला जिले के गुमला नगर परिषद में 59.79 और खूंटी जिले के खूंटी नगर पंचायत में 64.02 प्रतिशत मतदान हुआ।

रांची जिले के रांची नगर निगम 43.35 और बुंडू नगर पंचायत में 74.10 प्रतिशत वोटिंग हुई।

सिमडेगा जिले के सिमडेगा नगर परिषद में 67.83, पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर नगर परिषद में 57.95, चाईबासा नगर परिषद में 61.72, सरायकेला-खरसांवा जिले के आदित्यपुर नगर निगम में 54.96, कपाली नगर परिषद में 57.29, सरायकेला नगर पंचायत में 74.86 प्रतिशत मतदान हुआ।

इसी प्रकार पूर्वी सिंहभूम जिले के मानगो नगर निगम में 50.70, जुगसलाई नगर परिषद में 59.60 और चाकुलिया नगर पंचायत में 72.90 प्रतिशत वोटिंग हुई।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में किया मतदान

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को नगर निकाय चुनाव के अंतर्गत श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, राँची स्थित मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि मतदान लोकतंत्र का एक अनिवार्य एवं सशक्त अंग है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने नागरिकों से स्वेच्छा एवं निष्पक्ष रूप से मतदान कर ऐसे जनप्रतिनिधियों का चयन करने का आग्रह किया, जो क्षेत्र, शहर एवं प्रदेश के समग्र विकास के प्रति संवेदनशील तथा प्रतिबद्ध हों।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना सोरेन संग डाला वोट

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को अपनी पत्नी एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ मतदान किया। मुख्यमंत्री रांची के हरमू स्थित संत कुलदीप स्कूल में बने मतदान केंद्र पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्र पर मुख्यमंत्री के पहुंचते ही समर्थकों और आम लोगों में उत्साह का माहौल देखा गया। कई लोग उनसे मिलने और कल्पना सोरेन के साथ तस्वीर लेने को उत्सुक दिखे। हालांकि, मुख्यमंत्री दंपति ने आम मतदाता की तरह कतार में खड़े होकर शांतिपूर्वक मतदान किया।

वोट डालने के बाद मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन ने अपनी उंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए फोटो खिंचवाई। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में घरों से निकलकर मतदान करें। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि हर एक वोट कीमती है और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

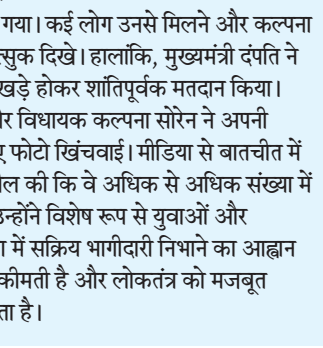

नेपाल यात्रियों से भरी बस त्रिशूली नदी में गिरी, 19 की मौत, कई घायल

एजेंसी

काठमांडूः नेपाल के धाडिंग जिले में गजुरी के पास रविवार देर रात एक यात्री बस के त्रिशूली नदी में गिर जाने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई है। नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल के प्रवक्ता बिष्णु प्रसाद भट्ट के अनुसार, पोखरा से काठमांडू आ रही बस रविवार देर रात डेढ़ बजे काठमांडू से करीब 90 किलोमीटर पश्चिम में पृथ्वी राजमार्ग पर त्रिशूली नदी में जा गिरी, जिससे कई यात्री हताहत हो गए। भट्ट ने बताया कि दुर्घटनास्थल से 19 शव बरामद किए गए हैं और बस से 28 घायल यात्रियों को निकाला गया। मारे गए लोगों में एक ब्रिटिश और एक न्यूजीलैंड का नागरिक शामिल हैं।

भट्ट ने बताया कि घायल यात्रियों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बचाव कार्य में नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस के कर्मियों को लगाया गया है। हादसे में मारे गए लोगों में एक पुरुष यात्री न्यूजीलैंड का था। घटना में घायल लोगों में जापान और नीदरलैंड की एक-एक महिला शामिल है। पुलिस ने कहा कि हादसे का सटीक कारण अभी पता नहीं चल पाया है लेकिन संभवतः अत्यधिक तेज गति से वाहन चलाए जाने के कारण यह हादसा हुआ।

पुलिस ने बताया है कि अब तक मारे गए 9 लोगों की पहचान हो गई है। घायलों में एक चीनी नागरिक भी शामिल है। उसका काठमांडू में इलाज चल रहा है। वहीं न्यूजीलैंड की एक 27 साल की महिला भी घायल हो गई है। चीनी की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि एक चीनी नागरिक अभी लापता है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है ताकि घटना के कारणों का पता लगाया जा सके। बता दें कि नेपाल में बसों के दुर्घटनाग्रस्त होने का मामला आम है। इसके पीछे बड़ी वजह घटिया सड़क और वाहनों का सही रखरखाव नहीं होना है। नेपाल में सड़कें बहुत ही संकरी हैं जिससे यातायात में काफी दिक्कत होती है। साल 2024 में भी दो बसें इसी नदी में गिर गई थीं जिससे 65 लोग या तो मारे गए थे या लापता हो गए थे। उनमें से अधिकांश का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

रांची से दिल्ली आ रही एयर एंबुलेंस क्रैश, विमान में सात लोग थे सवार

बिभा संवाददाता

चतरा/रांची। झारखंड के चतरा जिले से एक विमान हादसे की खबर सामने आई है। रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुआ एक एयर एंबुलेंस विमान सिमरिया थाना क्षेत्र के घने जंगलों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विमान में सवार सात लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि आपात स्थिति में एक गंभीर मरीज को दिल्ली ले जाया जा रहा था। विमान में मरीज के साथ एक परिजन, एक डॉक्टर, एक मेल नर्स और चालक दल के सदस्य सवार थे।

इनमें पायलट विवेक विकास भगत, स्वराजदीप सिंह, मरीज संजय कुमार, अर्चनादेवी, ध्रुव, डॉ विकास कुमार गुप्ता, सचिन कुमार मिश्रा शामिल है।

उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान का संपर्क एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से टूट गया और वह रडार से गायब हो गया। इसके बाद सिमरिया क्षेत्र के खासियातू करम टांड़ के जंगलों से तेज धमाके की आवाज सुनाई देने की सूचना स्थानीय ग्रामीणों ने दी।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि विमान को आसमान में असंतुलित हालत में उड़ते देखा गया, जिसके कुछ ही देर बाद वह जंगल में जा गिरा। दुर्घटना स्थल दुर्गम और घने जंगलों से घिरा होने के कारण राहत और बचाव कार्य में कठिनाई आ रही है। सूचना मिलते ही सिमरिया थाना पुलिस और जिला प्रशासन की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है और मलबे तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

प्रशासन का प्राथमिक फोकस शवों को बाहर निकालने और घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच प्रक्रिया शुरू करने पर है। अभी तक विमान में सवार लोगों की आधिकारिक पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। हादसे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है, लेकिन तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। मामले की जांच के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को सूचित किए जाने की जानकारी मिली है। प्रशासन ने विस्तृत रिपोर्ट आने तक किसी भी तरह की अटकलों से बचने की अपील की है। पुलिस के एक वरीय अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।

'वायु शक्ति' में बारह हजार किलो बारूद से गूंजेगा बॉर्डर इलाका, फुल ड्रेस रिहर्सल आज

भारत-पाक बॉर्डर पर पहली बार सी-295 की होगी नाइट लैंडिंग, राफेल-तेजस का प्रहार

एजेंसी

जोधपुर। भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर पर राजस्थान में पोकरण का आसमान 24 व 27 फरवरी को भारतीय वायु सेना के शौर्य का गवाह बनेगा। वायु शक्ति-2026 अभ्यास में सी-295 एयरक्राफ्ट की पहली बार नाइट असॉल्ट लैंडिंग होगी। यह पहला मौका है जब यह आधुनिक परिवहन विमान रात के अंधेरे में दुश्मन की सीमा के करीब लैंडिंग कर अपनी ताकत दिखाएगा।

भारत इस युद्धाभ्यास से दुनिया को वायु सेना की ताकत का मैसेज देगा कि अंधेरे में भी सटीक प्रहार करने में सक्षम है। इसके साथ ही सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान भी इस अभ्यास में हिस्सा लेंगे। ये विमान भारतीय वायु सेना के विशेष दस्ते गरुड़ कमांडो को सीधे वॉर-जोन में उतारेंगे। भारतीय वायु सेना के पास अभी 12 से अधिक सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान हैं। 24 फरवरी को इस कार्यक्रम की फुल ड्रेस रिहर्सल होगी। मुख्य कार्यक्रम 27 फरवरी को होगा।

एयर मार्शल नागेश कपूर के मुताबिक इस बड़े सैन्य अभ्यास के दौरान करीब 12 हजार किलो गोला-बारूद इस्तेमाल किया जाएगा। यह आंकड़ा ही बताता है कि अभ्यास कितने बड़े पैमाने पर होगा। गोलाबारी और ऑपरेशन के लिए 77 फाइटर जेट और 43 हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। इतनी बड़ी संख्या में लड़ाकू विमान एक साथ उड़ान भरेंगे, जिससे साफ है कि भारतीय वायु सेना कई मोर्चों पर एक साथ प्रभावी कार्रवाई करने की क्षमता का प्रदर्शन करेगी।

इस बार रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट यानी मानवरहित विमानों को पहली बार इतने बड़े सार्वजनिक मंच पर प्रदर्शित किया जाएगा। भविष्य के युद्धों में ड्रोन और आरपीए की भूमिका बेहद अहम मानी जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए ह्यवायु शक्ति-2026ह्ल में आधुनिक हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन होगा। यह अभ्यास केवल हमलावर क्षमता दिखाने तक सीमित नहीं है। इसमें कठिन परिस्थितियों में एयरलिफ्ट, आपदा प्रबंधन और बचाव अभियानों में वायु सेना की भूमिका को भी परखा जाएगा। युद्ध जैसी स्थिति में जमीनी सेनाओं तक जल्दी मदद पहुंचाना, दूर-दराज और दुर्गम इलाकों में एयर ऑपरेशन चलाना और उन्हें रणनीतिक सफलता में बदलना, इसी क्षमता का प्रदर्शन इस अभ्यास में किया जाएगा।

भारतीय वायु सेना अपनी मारक क्षमता को परखने के लिए इस बार 120 से अधिक आधुनिक एयरक्राफ्ट को एक साथ आसमान में उतारेगी। इनमें देश के सबसे ताकतवर फाइटर जेट राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस, मिराज-2000 और जगुआर शामिल होंगे। हेलीकॉप्टर बेड़े में स्वदेशी अटैक हेलीकॉप्टर प्रचंड और भारी वजन उठाने में सक्षम चिनूक भी शामिल रहेंगे। कुल मिलाकर इस अभ्यास में 77 फाइटर जेट, 43 हेलीकॉप्टर और 8 ट्रांसपोर्ट विमान हिस्सा लेंगे। इतनी बड़ी संख्या में विमानों की एक साथ तैनाती वायुसेना की समन्वित और बहुस्तरीय युद्ध क्षमता को दशार्ती है।

दरभंगा जा रही रही डबल डेकर बस लखनऊ में पलटी, पांच यात्रियों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में सोमवार शाम को एकडबल डेकर बस सड़क पर पलटने से पांच यात्रियों की मौत हो गई है। हादसे में करीब 10 से 12 लोग घायल भी हुए हैं। बस बिहार के दरभंगा जा रही थी। घटना की जानकारी पर पुलिस के तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत बचाव शुरू किया। पुलिस मृतकों की संख्या की अभी पुष्टि नहीं है। मृतकों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि डबल डेकर बस यात्रियों को लेकर लुधियाना से दरभंगा जा रही थी। जिले के गोसाईगंज थाना क्षेत्र स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के खेमा खेड़ा गांव के पास बस अचानक अनियंत्रित होकरसड़क पर पलट गई। दुर्घटना होते ही सवारियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिसको सूचना दी। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि हादसे में चार से पांच लोगों की मौत की आशंका है।इसके अलावा हादसे में 10 से 12 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राष्ट्रपति आज से महाराष्ट्र, झारखंड, राजस्थान के दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 24 से 27 फरवरी तक महाराष्ट्र, झारखंड और राजस्थान के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह विभिन्न स्वास्थ्य, आध्यात्मिक और सैन्य कार्यक्रमों में भाग लेंगी।

राष्ट्रपति भवन के अनुसार 24 फरवरी को राष्ट्रपति मुंबई स्थित लोकभवन में पीडी हिंदुजा अस्पताल द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी अभियान ह्यसेविंग लाइव्स एंड बिल्डिंग अ हेल्दीयर भारतह्ल का उद्घाटन करेंगी। इस अभियान का उद्देश्य देशभर में स्वास्थ्य जागरूकता और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ावा देना है।

25 फरवरी को राष्ट्रपति बुलढाणा जिले के शेगांव में आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित ह्यराष्ट्रीय आरोग्य मेला 2026ह्ल में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इसके बाद उसी दिन वह नागपुर में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित ह्यएकता और विश्वास के माध्यम से महाराष्ट्र का स्वर्णिम युगह्ल कार्यक्रम के राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह में भी भाग लेंगी।

26 फरवरी को राष्ट्रपति झारखंड के जमशेदपुर में श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चैरिटेबल सेंटर ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्री जगन्नाथ मंदिर के भूमि पूजन समारोह में सम्मिलित होंगी। इसके अतिरिक्त वह जमशेदपुर के मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज का भी दौरा करेंगी और वहां के विद्यार्थियों से बातचीत करेंगी।

दौरे के अंतिम दिन 27 फरवरी को राष्ट्रपति राजस्थान के पोखरण में आयोजित एक्स वायुशक्ति सैन्य अभ्यास का अवलोकन करेंगी। यह अभ्यास भारतीय वायु सेना की मारक क्षमता और परिचालन कौशल का प्रदर्शन करता है।

खूंटी के 19 वार्ड पर 30 बुथ में हुआ 64.02 प्रतिशत शांतिपूर्ण मतदान

बिभा संवाददाता

खूंटी : खूँटी नगर पंचायत क्षेत्र के नगर निकाय चुनाव में आज शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हो गया। खूंटी नगर पंचायत के 19 वार्ड के लिए 30 मतदान केंद्र बनाए गए थे जो विभिन्न वार्ड के 20 भवनों में जिला प्रशासन ने नगर निकाय का चुनाव संपन्न कराया। वही नगर पंचायत क्षेत्र के 28719 मतदाताओं में कल 64.02 प्रतिशत लोग ही मतदान कर पाए। जिसमें सुबह सात बजे से शाम पाँच बजे तक मतदान हुआ। वहीं बैलेट पेपर द्वारा मतदान होने के कारण लोगों को मतदान कराने में समय ज्यादा लगा। जहाँ ईवीएम से मतदान होने पर समय की बचत होती जो इसमें मतदाताओं को मतदान करने में जो समय लगा जिसके कारण लोगों की पंक्ति दिनभर देखने को मिला। हालांकि लोकतंत्र के महापर्व पर नगर की सरकार बनाने में अपनी भूमिका सुनिश्चित कराने में भी लोग पीछे नहीं रहे। वहीं दिव्यांग जन हो या शरीर से लाचार व्यक्ति सभी लोगों ने मतदान किया। हालांकि कुछ लोगों का दूसरे दूसरे वार्ड में मतदाता पहचान पत्र होने के कारण और बुथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा मतदान परिचय पर्ची घर-घर तक नहीं मिलने के कारण भी लोगों को जानकारी का अभाव रहा और लोगों को समस्या उत्पन्न हुई। लेकिन पांच बजे 64.02 प्रतिशत मतदान के साथ शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया।

खूँटी नगर पंचायत क्षेत्र में सोमवार को 19 वार्डों के लिए 30 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। ये मतदान केंद्र 20 भवनों में बनाए गए थे। कुल 28,719 मतदाताओं में से 64.02 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक चला।

इस बार मतदान बैलेट पेपर से कराया गया, जिससे प्रक्रिया में अपेक्षाकृत अधिक समय लगा। यदि ईवीएम से मतदान होता तो समय की बचत संभव थी। धीमी प्रक्रिया के कारण दिनभर कई केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं।

लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। दिव्यांग एवं शारीरिक रूप से असहाय मतदाता भी मतदान केंद्रों तक पहुंचे। एक दिव्यांग मतदाता ने कहा कि शहर की सरकार बनाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए मतदान जरूरी है।

महिला मतदाताओं में भी खासा उत्साह दिखा। कई महिलाओं ने सुबह से कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार किया।

तबीयत खराब होने के बावजूद मतदान करने पहुंचे एक मतदाता ने कहा कि नगर की सरकार बनाने की खुशी उन्हें मतदान केंद्र तक ले आई।

मतदान केंद्रों पर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। दिव्यांग और जरूरतमंद मतदाताओं की सहायता के लिए पुलिसकर्मियों ने सहयोग किया। पूरे क्षेत्र में मतदान शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

कुछ मतदाताओं को दूसरे वार्ड में नाम दर्ज होने या बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा मतदान पर्ची घर-घर न पहुंचने के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अभाव में कुछ लोग मतदान से वंचित भी रहे।

निष्कर्ष

कुल मिलाकर 64.02 प्रतिशत मतदान के साथ खूँटी नगर पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मतदाताओं के उत्साह और प्रशासन की सतर्कता ने चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाया।

वहीं दिव्यांग और असहाय लोगों को पुलिस प्रशासन मदद भी करते नजर आए। दिव्यांग मतदाता ने कहा कि मतदान का अधिकार और लोकतंत्र का निर्माण के लिए आज मतदान करने के आए। मतदान करने से ही शहर की सरकार बनेगी इसकी हमें काफी उत्सुकता है।

एक दिव्यांग मतदाता सुशील होरो ने बताया कि लोकतंत्र में नगर की सरकार बनाने के लिए मतदान करना आवश्यक है। हमारे लिए न सही पर , खूँटी के विकास के लिए और आनेवाले कल के लिए एक स्वच्छ सरकार बनाना चाहते हैं।

काजल कुमारी बतायी कि लोकतंत्र का पर्व पर मतदान करके काफी खुशी मिली। चाहते हैं कि एक अच्छा मेहनती दूरदर्शी जनप्रतिनिधि होना चाहिए। वोट देने आए शाहजहां खान ने बताया कि तबीयत खराब है इसके बावजूद ब्याज खुशियाँ है कि नगर की सरकार बनेगी इसलिए मैं मतदान किया हूँ। इससे समाज को सहयोग और नगर का विकास होगा।

उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी आर रॉनिटा ने बताई कि नगर पंचायत का निर्वाचन शांतिपूर्ण तरीके से हो गया जिसमें 62.02 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके लिए 30 प्रेजाइडिंग ऑफीसर के साथ 180 मतदान कर्मी लगाए गये थे। मतदान शांतिपूर्ण होने के बाद सभी बक्सों को बज्रगृह में मतगणना के दिन तक के लिए पूरी सुरक्षा के साथ रखा गया है। जहाँ सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखा जा रहा है और फोर्स तैनात किये गये हैं।

नगर पंचायत निर्वाचन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए उपायुक्त और रॉनिटा, एसपी मनीष टोप्पो, उपविकास आयुक्त आलोक कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, आईटीडीए डायरेक्टर, जिला कल्याण पदाधिकारी , प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी सहित अनेक पदाधिकारी निरीक्षण में भ्रमणशील रहे।

व्हाट्सएप फरमान से थमा कोयला कारोबार, लेवी मांग से लिफ्टरों में दहशत

बिभा संवाददाता

खलारी। एनके एरिया पिपरवार में सोमवार को एक कथित व्हाट्सएप संदेश ने कोयला कारोबार की रफ्तार पर अचानक ब्रेक लगा दिया। उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के नाम से जारी बताए जा रहे संदेश में प्रति टन 150 रुपये लेवी देने और पिछले कई महीनों की बकाया राशि तीन दिनों के भीतर जमा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही चेतावनी दी गई कि आदेश की अनदेखी होने पर काम बंद कराया जाएगा। संदेश मिलते ही केडीएच और पुरनाडीह परियोजनाओं में कोयला उठाव प्रभावित हुआ। कई कोयला लिफ्टरों ने असमंजस और सुरक्षा कारणों से ट्रकों की लोडिंग अस्थायी रूप से रोक दी। डंप साइटों पर ट्रकों की कतारें लगी रहीं और श्रमिकों के बीच भी अनिश्चितता का माहौल देखा गया। हालांकि डकरा, चूरी और रोहाणी परियोजनाओं में काम सामान्य रूप से चलता रहा।

कोयला लिफ्टरों का कहना है कि लगातार इस तरह के संदेशों से कारोबार पर प्रतिकूल असर पड़ता है। एक लिफ्टर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ऐसे फरमान से हम लोग दुविधा में पड़ जाते हैं। काम करें तो खतरा, बंद करें तो नुकसान। इधर पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।खलारी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर जयदीप टोप्पो ने स्पष्ट कहा कि सभी परियोजनाएं संचालित हैं और कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने चेतावनी दी कि लेवी मांगने और देने–दोनों ही मामलों में टेरर फंडिंग के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस द्वारा संदेश की सत्यता और इसके पीछे शामिल लोगों की पहचान को लेकर जांच तेज कर दी गई है। अचानक उपजी इस स्थिति ने क्षेत्र के कोयला कारोबारियों में बेचैनी बढ़ा दी है। अब सबकी निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई और जांच के नतीजों पर टिकी हैं।

नगर निगम क्षेत्र के बूथों का डीसी-एसपी ने किया संयुक्त निरीक्षण

बिभा संवाददाता

आदित्यपुर : नगरपालिका आम निर्वाचन-2026 के तहत आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त नितिश कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश लुनायत द्वारा आज आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का संयुक्त निरीक्षण किया गया.निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था की स्थिति, मतदाताओं हेतु न्यूनतम सुनिश्चित सुविधाओं तथा निर्वाचन प्रक्रिया के सुचारू संचालन की समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए. साथ हीं सभी मतदान केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से जारी है.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने घरों से निकलकर निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुँचें एवं निर्धारित समयावधि के भीतर अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें ।

संक्षिप्त खबरें

झटनी टोली और कसमार गांव पहुंचा जंगली हाथी को ग्रामीणों ने जंगल की ओर भगाया

तोरपा (बिभा)। प्रखंड क्षेत्र के झटनी टोली और कसमार गांव में सोमवार 23 फरवरी को अचानक एक जंगली हाथी सुबह 8 बजे घुस गया। जंगली हाथी के गांव में भ्रमणशील होने की जानकारी पर जुटी सैकड़ों लोगों ने हाथी को खदेडकर सुरक्षित टाटी जंगल की ओर भगा दिया। जंगली हाथी के घनी आबादी वाले गांव में पहुंचने से लोगों में भय का माहौल है। जिंदगी हाथी के गांव पहुंचने की जानकारी वन विभाग के कर्मियों को देखकर हाथियों को सुरक्षित वन क्षेत्र में भागने की दिशा में ठोस पहल करने का मांग स्थानीय लोगों ने किया है। हालांकि जंगली हाथी ने किसी भी घर या किसान के खेत में लगे फसलों का नुकसान नहीं पहुंचाया।

सड़क दुर्घटना से गम्भीर रूप से घायल एक व्यक्ति की हुई मौत

खूंटी (बिभा)। जिले भूखे दिन तेजगति रफ्तार बाइक परिचालन किसी न किसी की जान ले रहा है। विगत एक सप्ताह में चार लोगों की जान तेज गति अनियंत्रित वाहन परिचालन से जान जा चुकी है। जिसमें ये सभी युवा वर्ग के लोग हैं। जिसमें कोई किसी को ठोकर मारी दिया तो कहीं कोई बाईक से खम्भे या पेड़ को मार दिया । इस प्रकार, वाहन को नियंत्रित नहीं कर पाने से ही दुर्घटना देखा गया और जान चली गयी। वहीं सयको थाना क्षेत्र के कुड़ापूर्ति अन्तर्गत रुगड़ी कोलमें निवासी 32 वर्षीय लंबड़ा मुण्डू सोमवार को अनियंत्रित बाईक गिरने पर गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसके सिर पर भी गम्भीर चोटें लगी थी। वहीं उसकी गम्भीर स्थिति को देखते हुए उसे सदर अस्पताल खूँटी लाया गया । लेकिन चिकित्सक उसे मृत घोषित कर दिया। जिसकी जानकारी पुलिस को दी गयी । जिससे पुलिस मृत्यु समीक्षा पत्र भरकर शव का अंत्यपरीक्षण कराया और परिजनों को सौंप दिया ।

राजकीयकृत मध्य विद्यालय हातमा मे संजय सर्राफ ने किया मतदान

रांची (बिभा): झारखंड नगर निकाय चुनाव के तहत वार्ड संख्या- 2 स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय, हातमा (रांची) मतदान केंद्र पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री एवं झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के पश्चात उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का मतदान करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे विकास, पारदर्शिता और जनहित को ध्यान में रखकर महापौर एवं वार्ड पार्षद का चयन करें। शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित मतदान प्रक्रिया के बीच बड़ी संख्या में मतदाताओं की सहभागिता लोकतंत्र के प्रति जागरूकता का परिचायक रही।

ऑटो चालकों ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

रांची(बिभा)। झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ की ओर से सोमवार को धूमधाम से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित ऑटो चालाकों ने जमकर गीत-संगीत गाया। रंग-गुलाल, अबीर बिखेरे। पुष्पमाला और गमछा देकर अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने की, जबकि संचालन प्रदेश कोषाध्यक्ष भोला सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में चतरा जिला के प्रफुल पांडे उपस्थित थे। इस अवसर पर संगठन विस्तार की घोषणा करते हुए चतरा जिला इकाई के अध्यक्ष पद पर विजय कुमार साहू को मनोनीत किया गया और प्रफुल पांडे को संरक्षक बनाया गया। नवमनोनीत अध्यक्ष को एक माह के भीतर जिला कमेटी गठित कर सूची प्रदेश कार्यालय को सौंपने का दायित्व दिया गया। इस अवसर पर महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष रामकुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष नागेंद्र पांडे, सचिव आकाश भारती, संगठन मंत्री अमर मुंडा सहित अन्य मौजूद थे।

आरएसएस के पूर्व जिला संघचालक रुढ़िवादी संस्कृति के रक्षक थे सनिका पाहन : अर्जुन मुंडा

बिभा संवाददाता

खूँटी । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व जिला संघचालक और सरना समाज के आजीवन कर्मठ कार्यकर्ता रहे स्वर्गीय सनिका पाहन के पत्थरगड़ी संस्कार में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा सोमवार को अपने धर्मपत्नी मीरा मुंडा के साथ खूँटी जिले के तपकरा थाना क्षेत्र अंतर्गत चम्पा बहा गाँव पहुँचे। जहाँ पारम्परिक संस्कृति के अनुष्ठान पूरे श्रद्धा के साथ किया गया। जिसमें पत्थरगड़ी कार्यक्रम में स्मरणीय पाषाण पर पगड़ी पहनायी गयी। फिर सभी को पगड़ी पहनाया गया। वहीं बतौर मुख्य अतिथि अर्जुन मुंडा ने स्व सनिका पाहन को नमन करते हुए श्रद्धांजली अर्पित की। वहीं उन्होंने कहा कि सनिका पाहन जनजातीय समाज के रीढ़ थे। जिन्होंने आरएसएस, वनवासी, कल्याण आश्रम और अखिल भारतीय सरना समाज के माध्यम से रुढ़िवादी जनजातीय संस्कृति को बचाने के लिए अशिक्षित लोगों को जागरूक करते रहे। जो अपनी संस्कृति से भटककर या प्रलोभन से या फिर जैसे ही हो। अपने पूर्वजों के मार्ग को त्यागने से रोकने का काम किया। उन्होंने कहा कि हम प्रकृति के पुजारी हैं। हमारी संस्कृति प्रकृति की पूजा और उसके साथ ही जीवन जीने का एक व्यवस्था है। जो हमारी पूर्वजों के बताए मार्ग रुढ़िवादी परम्परा ही हमारे जीवन का आधार है। वहीं इसके रक्षक रहे सनिका पाहन और उनके कार्य को कभी भुलाया नहीं जा सकता । उक्त पत्थरगड़ी संस्कार कार्यक्रम में सैकड़ों लोग शामिल हुए थे।

वीर शहीद दुसा-जुगल की प्रतिमा पर विधायक संजीव सरदार ने किया माल्यार्पण

बिभा संवाददाता

पोटका : पोटका प्रखंड अंतर्गत रसुनचोपा पंचायत के सारसे ग्राम में वीर शहीद दुसा-जुगल जयंती पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वीर शहीद दुसा-जुगल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहीदों को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में पोटका विधानसभा के विधायक संजीव सरदार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

ग्रामवासियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। म्यूजिकल चेयर, आदिवासी फैशन शो, बॉल पास जैसे आकर्षक आयोजन हुए, जिसमें बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम ने गांव में उत्सव जैसा माहौल बना दिया और समाज की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत किया। विधायक संजीव सरदार ने कहा कि इस तरह के आयोजन से गांव के साथ-साथ पूरे समाज को एक अलग पहचान मिलती है। उन्होंने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि युवाओं को उनकी प्रेरणा से समाज और क्षेत्र के विकास में आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में हिमांशु सरदार, अभिजीत सरदार, लखीराम सरदार, इंद्रजीत सरदार, शिव सरदार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

24.39 लाख की लागत से पोडाडीहा तालाब का होगा जीर्णोद्धार, विधायक ने किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

पोटका : प्रखंड के पोडाडीहा पंचायत अंतर्गत ग्राम पोडाडीहा टोला मुडासाई में झारखंड सरकार के जल संसाधन लघु सिंचाई विभाग की ओर से 24 लाख 39 हजार रुपये की लागत से तालाब का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। सोमवार को पोटका विधायक संजीव सरदार ने विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत इस महत्वपूर्ण योजना का शिलान्यास किया। शिलान्यास से पूर्व ग्रामीणों ने विधायक का जोरदार स्वागत किया।इस मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि राज्य सरकार के निदेर्शानुसार गर्मी के पूर्व पोटका विधानसभा क्षेत्र के लगभग सभी गांवों में बड़े तालाबों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को सिंचाई एवं स्नान की समस्या से निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण एवं संसाधनों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है और इससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा.

अपने संबोधन में विधायक ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे विकास योजनाओं की स्वयं निगरानी करें, ताकि कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं तभी सफल होती हैं जब जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो। विधायक ने भरोसा दिलाया कि पोटका विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार निरंतर जारी रहेगी और किसी भी गांव को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। ग्रामीणों ने तालाब जीर्णोद्धार कार्य को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए विधायक के प्रति आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम में पूर्व पार्षद चंद्रावती महतो, हीरामनी मुर्मू, झामुमो नेता सुनील महतो, सुधीर सोरेन, भुवनेश्वर सरदार, ग्राम प्रधान गोपाल पुराण, नाया भागीरथी सरदार, बाबूलाल सरदार,सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

नगर निकाय चुनाव : चाकुलिया में सबसे अधिक 72.9 प्रतिशत मतदान

बिभा संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। जिले में नगरपालिका चुनाव 2026 के तहत मानगो नगर निगम, जुगसलाई नगर परिषद और चाकुलिया नगर पंचायत में मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। शाम 05 बजे तक जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चाकुलिया नगर पंचायत में सर्वाधिक 72.9 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि जुगसलाई नगर परिषद में 59.6 प्रतिशत और मानगो नगर निगम क्षेत्र में 50.7 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

सुबह से ही कई मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। खासकर चाकुलिया क्षेत्र में महिलाओं और पहली बार वोट देने वाले युवाओं में विशेष उत्साह नजर आया। जुगसलाई में भी दोपहर बाद मतदान प्रतिशत में तेजी आई। वहीं मानगो नगर निगम क्षेत्र में शहरी व्यस्तता और कामकाजी मतदाताओं की दिनचर्या के कारण अपेक्षाकृत कम मतदान दर्ज किया गया, हालांकि प्रशासन को उम्मीद है कि अंतिम आंकड़ों में प्रतिशत में आंशिक वृद्धि हो सकती है।

जिला प्रशासन की ओर से सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती के साथ-साथ संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मतदान प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए वेबकास्टिंग और माइक्रो ऑब्जर्वर की भी व्यवस्था की गई थी। कहीं से भी किसी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है।

नगर निकाय चुनाव के तहत विभिन्न वार्डों में पार्षद पद के साथ-साथ अध्यक्ष और महापौर पद के लिए भी मतदान कराया गया। चुनाव परिणामों को लेकर प्रत्याशियों और समर्थकों में उत्सुकता बनी हुई है। मतगणना निर्धारित तिथि को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कराई जाएगी।

जामताड़ा में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने किया मतदान

बिभा संवाददाता

जामताड़ा। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने जामताड़ा नगर निकाय चुनाव के तहत सोमवार को अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया और लोकतांत्रिक परंपरा का निर्वहन किया। मतदान के बाद उन्होंने आम नागरिकों से निकाय चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। मंत्री ने कहा कि नगर निकाय चुनाव स्थानीय विकास की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। प्रत्येक मतदाता की भागीदारी से ही मजबूत एवं जवाबदेह स्थानीय सरकार का गठन संभव है।

उन्होंने सफलतापूर्वक निकाय चुनाव संपन्न कराने को लेकर प्रशासन की सराहना की। साथ ही कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर राज्य निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने में सकारात्मक भूमिका निभाई है। मंत्री ने मतदाताओं से अपील की कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करें।

रांची नगर निगम चुनाव: पूर्व मेयर रमा खलखो और डॉ. आशा लकड़ा ने किया मतदान

बिभा संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम चुनाव के तहत सोमवार को पूर्व मेयर रमा खलखो और पूर्व मेयर एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग किया। रमा खलखो ने रांची के लोयोला कॉन्वेंट स्कूल, हिनू (एयरपोर्ट रोड) स्थित मतदान केंद्र पर वोट डाला। वहीं डॉ. आशा लकड़ा ने लालपुर स्थित वार्ड संख्या 10 के होली क्रॉस पब्लिक स्कूल, वर्धमान कंपाउंड के कक्ष संख्या 03 में बने बूथ पर मतदान किया।

मतदान के बाद डॉ. आशा लकड़ा ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व पर मतदान कर उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। उन्होंने मतदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अपने अमूल्य वोट की ताकत को समझें और अपने मताधिकार

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया मतदान

रांची। झारखंड की कृष, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को रांची नगर निगम चुनाव के तहत अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने संत अजय मिडिल स्कूल, दहिसोत बनहोरा स्थित मतदान केंद्र संख्या छह पर पहुंचकर वोट डाला। मतदान के बाद मंत्री ने आम जनता से निकाय चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि शहर की सरकार चुनने का यह एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक माध्यम है और प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से लोकतंत्र के इस महापर्व में घरों से निकलकर मतदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि अपने क्षेत्र के लिए शिक्षित, अनुभवी और दूरदर्शी सोच रखने वाले ऐसे जनप्रतिनिधि का चयन करें, जो शहर को विकास की दिशा में आगे बढ़ा सके। रांची नगर निगम सहित राज्य के विभिन्न नगर निकायों में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्वक जारी है और मतदाताओं में उत्साह देखा जा रहा है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने किया मतदान

रांची । पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय और उनके पुत्री यशस्विनी सहाय ने संत थॉमस स्कूल में पहुंचकर अपना मतदान किया।

का प्रयोग कर पारदर्शी एवं स्वच्छ प्रशासन, सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्प लें।

नगर निगम चुनाव के तहत शहर में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्वक जारी है और मतदाताओं में उत्साह देखा जा रहा है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी ने किया मतदान

रांची। नगर निकाय चुनाव के दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी ने सेंट थॉमस स्थित बूथ नंबर 16 पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्र पर मौजूद अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने आम मतदाताओं की तरह पंक्ति में लगकर मतदान किया और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

सेठ ने किया मतदान, लोगों को मतदान केंद्र पर पहुंचने के लिए दी बधाई

रांची। रांची नगर निगम चुनाव के लिए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सोमवार को हेहल स्थित काजू बागान के डीएवी स्कूल के मतदान केंद्र में मतदान किया। मतदान करने के बाद राजधानी रांची में विकास को लेकर आशान्वित आम जनता को घर से निकल कर मतदान करने के लिए बधाई दी। मौके पर उन्होंने पाया कि रांची के कई मतदान केंद्रों पर मतदान सूची में लोगों के नाम नहीं थे, जबकि कई मतदान केंद्रों पर लोगों के नाम में भी गड़बड़ी पाई गई। उन्होंने बताया कि कई ऐसे लोग हैं जो जिस वार्ड में वे निवास करते हैं उनका नाम दो से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित मतदान केंद्र में जोड दिया गया है।

रांची में मेयर पद की भाजपा समर्थित उम्मीदवार रोशनी खलखो ने किया मतदान

रांची। रांची नगर निकाय चुनाव के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थित मेयर पद की उम्मीदवार रोशनी खलखो ने भी सोमवार को अपने नजदीकी मतदान केंद्र पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में भाग लेना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने सभी मतदाताओं से शांतिपूर्ण और निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। रोशनी खलखो ने उम्मीद जताई कि शहरवासी विकास और जनहित को ध्यान में रखते हुए सही प्रतिनिधि का चयन करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा या दबाव से बचना चाहिए और मतदान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष एवं पारदर्शी होनी चाहिए। इस अवसर पर उनके समर्थक और स्थानीय नागरिक भी मतदान केंद्र पर मौजूद रहे। मतदान के बाद उन्होंने उंगली पर लगी अमिट स्याही दिखाकर लोकतंत्र में अपनी भागीदारी का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि नगर निकाय चुनाव में मेयर पद के लिए कुल 36 उम्मीदवार मैदान में हैं। मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है।

जेएससीए अध्यक्ष ने डाला वोट, मतदानकर्मियों का जताया आभार

रांची। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) के अध्यक्ष सह रांची के पूर्व डिप्टी मेयर अजय नाथ शाहदेव ने सोमवार को रांची नगर निकाय चुनाव में रांची में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस अवसर पर उन्होंने कडरू स्थित हुसैनिया मदरसा स्थित मतदान केंद्र में मतदान किया। मौके पर उन्होंने मीडिया से बात करते हुए उम्मीद जताई कि राजधानीवासियों ने रांची के समग्र विकास और बेहतर नगर व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया है। उन्होंने कहा कि सक्रिय जनभागीदारी से ही मजबूत और जवाबदेह स्थानीय प्रशासन का गठन संभव है। उन्होंने चुनाव कार्य में शामिल अधिकारी और कर्मियों के प्रति आभार जताया और कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में चुनाव अधिकारियों, पदाधिकारियों और अन्य कर्मियों ने जिस तत्परता और निष्पक्षता से चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराया वह सराहनीय है।

संक्षिप्त खबरें

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट ने राज्यपाल से की मुलाकात, 1 मार्च को मंदिर आने का दिया आमंत्रण

रांची (बिभा): श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से संचालित पुंदाग, रांची स्थित झारखंड के सबसे बड़े श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 1 मार्च को वृंदावन की तर्ज पर फूलों की होली,वृंदावन से पधारे कलाकारों द्वारा आकर्षक नृत्य-नाटिका एवं संगीतमय भजन संध्या का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव को लेकर ट्रस्ट द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालुओं को भक्तिमय और आनंदमय वातावरण का अनुभव हो सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को आमंत्रित करने के लिए ट्रस्ट का प्रतिनिधिमंडल लोकभवन पहुंचा।

प्रतिनिधिमंडल में ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज चौधरी, प्रवक्ता संजय सर्राफ एवं दीपेश निराला शामिल थे। सभी ने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया तथा 1 मार्च को सपरिवार मंदिर पधारने का सादर आमंत्रण दिया। इस अवसर पर राज्यपाल को ट्रस्ट की ओर से संचालित विभिन्न सेवा एवं धार्मिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी भी दी गई। प्रतिनिधिमंडल ने श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में नियमित पूजा- अर्चना, सत्संग एवं सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। साथ ही सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में संचालित सेवा कार्यों एवं गौशाला में गौसेवा संबंधी गतिविधियों से भी अवगत कराया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि फूलों की होली एवं भजन संध्या का यह आयोजन समाज में प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का संदेश देगा।यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक समरसता का भी प्रतीक बनेगा।

रोटरी क्लब ऑफ रांची का निःशुल्क इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ प्रत्यारोपण शिविर आज

रांची(बिभा)। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ी पहल करते हुए रोटरी क्लब ऑफ रांची की ओर से 24 फरवरी को रोटरी भवन, रांची में निःशुल्क इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे। शिविर में लगभग 62 दिव्यांगजनों को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ निःशुल्क लगाए जाएंगे। क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने सोमवार को बताया कि इस संबंध में राज्यपाल संतोष गंगवार से भी मुलाकात कर उन्हें शिविर में शामिल होने का आग्रह किया गया है। राज्यपाल से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष के अलावा जशदीप सिंह, गिरीश अग्रवाल और प्रवीण राजगढ़िया शामिल थे। असिस्टेंट गवर्नर रोटरी इमेज प्रवीण राजगढ़िया ने बताया कि शिविर का उद्देश्य उन लोगों को आधुनिक तकनीक की सहायता से नया जीवन देना है, जिन्होंने दुर्घटना, बीमारी या अन्य कारणों से अपना हाथ खो दिया है। इस शिविर में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से जरूरतमंद लोग भाग लेंगे। लाभार्थियों को न केवल शारीरिक सहारा मिलेगा, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और वे सामान्य जीवन जीने में सक्षम बन सकेंगे। शिविर के लिए इनाली फाउंडेशन की विशेषज्ञ टीम पुणे से रांची पहुंच चुकी है। विशेषज्ञ टीम लाभार्थियों की विस्तृत जांच, माप, परीक्षण और फिटिंग की प्रक्रिया आधुनिक उपकरणों की सहायता से पूरी करेगी। प्रत्येक लाभार्थी की शारीरिक स्थिति के अनुरूप कृत्रिम हाथ तैयार कर लगाया जाएगा, ताकि उन्हें अधिकतम सुविधा और कार्यक्षमता मिल सके। ये इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ आधुनिक सेंसर और मांसपेशीय संकेतों से संचालित तकनीक पर आधारित होते हैं, जिनकी सहायता से उपयोगकर्ता वस्तुओं को पकड़ना, उठाना और दैनिक कार्य आसानी से कर सकते हैं। शिविर को सफल बनाने में क्लब के पदाधिकारी और सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने की मुलाकात

रांची(बिभा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में मुलाकात की। नितिन नवीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद सुदेश महतो की यह पहली भेंट थी। इस अवसर पर सुदेश महतो ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बधाई दी और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत होगा। मुलाकात के दौरान झारखंड में राजग को सशक्त करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही आसन्न पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। मुलाकात के बाद सुदेश महतो ने अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर लिखा कि राजग का संकल्प राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नितिन नवीन के नेतृत्व में राजग की एकता और अधिक सुदृढ़ होगी तथा जनसेवा और विकास की राजनीति को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री हेमन्त से पंडित रघुनाथ मुर्मु हेरिटेज ट्रस्ट ओडिसा का प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पंडित रघुनाथ मुर्मु हेरिटेज ट्रस्ट, रायरंगपुर, ओडिसा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने ट्रस्ट द्वारा आगामी 11 एवं 12 अप्रैल 2026 को दुबई (बुर्ज खलीफा) में ओलचिकी शताब्दी समारोह आयोजित किए जाने संबंधित प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की। मौके पर मुख्यमंत्री को उन्होंने सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा ओलचिकी लिपि में अनुवादित झारखंड का मानचित्र सप्रेम भेंट की।इस अवसर पर पंडित रघुनाथ मुर्मु हेरिटेज ट्रस्ट, रायरंगपुर, ओडिसा के अध्यक्ष श्री चुन्नियान मुर्मु, ट्रेजरर श्री अंता आलोक बास्के एवं सदस्य डॉ० डुमनी माई मुर्मु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज के प्रभारी डीन डॉ0 हरीश चंद्र बंधु ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज, बारीडीह जमशेदपुर के प्रभारी डीन डॉ० हरीश चंद्र बंधु ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने आगामी 26 फरवरी को मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया।

विदित हो कि आगामी 26 फरवरी 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जमशेदपुर दौरा प्रस्तावित है, इसी क्रम में राष्ट्रपति का मणिपाल टाटा

मेडिकल कॉलेज आगमन कार्यक्रम प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के क्रम में जनसंपर्क पदाधिकारी मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज प्रियंका सिंघल एवं लीगल हेड जय प्रकाश उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने पत्नी संग किया मतदान

रांची। राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने सोमवार को नगर निकाय चुनाव के तहत अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर पत्नी के साथ मतदान किया। मतदान केंद्र पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और मतदाताओं में उत्साह देखा गया।

राज्य के सत्ताधारी गठबंधन ने निकाय चुनाव में लोकतंत्र का गला घोंटा : आदित्य साहू

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू ने राज्य के मतदाताओं,मतदान कर्मियों और निर्वाचन आयोग का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि सोमवार को झारखंड के 48 नगर निकाय क्षेत्रों में संपन्न हुआ,जिसमें करीब 50 प्रतिशत मतदान हुए हैं। अंतिम सूचना आने तक यह प्रतिशत बढ़ेगा ही।

श्री साहू सोमवार को पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि यह चुनाव भाजपा के आंदोलनों और न्यायालय के दबाव का परिणाम है। राज्य सरकार कभी भी निकाय चुनाव कराने के पक्ष में नहीं थी। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में लोकतंत्र का गला घोंटने के लिए राज्य के सत्ताधारी गठबंधन ने हर कोशिश की। कहा कि पुलिस प्रशासन के सहारे चुनाव को प्रभावित करने के लिए राज्य सरकार ने हर हथकंडे अपनाए,जिसकी आशंका भाजपा ने पहले ही व्यक्त की थी।

उन्होंने कहा कि एक तो 20 हजार से ज्यादा मतदान कर्मियों को मतदान से वंचित किया गया। पोस्टल बैलेट का कोई प्रावधान नहीं किया गया। वहीं जहां भाजपा समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में वोट पड़ने की संभावना दिखाई दी,वहां पोलिंग परसेंटेज को कम करने की कोशिश की गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन पूरी तरह एक समुदाय विशेष के मतदाताओं के वोट प्रतिशत बढ़ाने में जुटा रहा। वहीं दूसरी ओर भगवा गमछा लगाकर वोट देने आए मतदाताओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश से प्रशासन के सहयोग से बोगस मतदान कराने की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। मेदिनीनगर के वार्ड नंबर 6 के बूथ संख्या 3 और 4 पर प्रशासन के सहयोग से बोगस वोटिंग कराया गया। इसी क्षेत्र के वार्ड नंबर 5 के बूथ संख्या 2 और 3 पर पोलिंग एजेंट को बाहर कर बोगस कराया गया। गढ़वा के वार्ड नंबर 20 में झामुमो समर्थित प्रत्याशी के पति के द्वारा भाजपा समर्थित वोटरों को भगाया गया। गिरिडीह में एक वर्ग विशेष के लोग खुलेआम हथियार लेकर घूमते हुए मतदाताओं को धमका रहे थे।

उन्होंने कहा कि जनता ने आज के मतदान में राज्य सरकार के कुत्सित प्रयासों को चोट पहुंचाया है। उन्होंने राज्य की जनता,मतदाताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि जो रिपोर्ट कार्यकर्ताओं के द्वारा मिली है, उससे जनता का रुझान पूरी तरह भाजपा समर्थित उम्मीदवारों के पक्ष में दिखाई दिया है। भाजपा समर्थित अधिकांश उम्मीदवारों की जीत निकाय चुनाव में सुनिश्चित है।

अपर पुलिस महानिदेशक ने मतदान केंद्रों का लिया जायजा

रांची : झारखंड निकाय चुनाव के मतदान दिवस के अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक, दक्षिणी छोटानागपुर प्रक्षेत्र मनोज कौशिक ने रांची जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ वरीय पुलिस अधीक्षक रांची, पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) रांची तथा पुलिस अधीक्षक (यातायात) रांची भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के क्रम में संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष ध्यान दिया गया। पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति, सुरक्षा व्यवस्था और विधि-व्यवस्था की स्थिति की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर संबंधित पुलिस उपाधीक्षक, थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर तैनात सुरक्षा बलों को सतर्क एवं सजग रहने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की आशंका को रोका जा सके।

नगर निकाय चुनाव के परिणाम भाजपा के लिए सीख, झामुमो के लिए उपलब्धि होंगे: सुप्रियो

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य की जनता ने नगर निकाय चुनाव में स्पष्ट संकेत दिया है। मतदाताओं ने सरकार की कार्य योजनाओं पर विश्वास जताया है और आने वाले नगर निगम चुनाव परिणाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए बड़ी सीख साबित होंगे, जबकि झामुमो के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

सुप्रियो भट्टाचार्य सोमवार को मोर्चा के प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शहरी निकाय चुनाव में सुबह सात बजे से ही मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला और देर शाम तक लोग मतदान के लिए कतार में खड़े रहे। उन्होंने अनुमान जताया कि इस बार मतदान प्रतिशत पिछले चुनाव के 49 प्रतिशत से अधिक रहने की संभावना है तथा अंतिम घंटे में मतदान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

उन्होंने चुनाव के शांतिपूर्ण संचालन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग के पदाधिकारियों, पुलिस कर्मियों और अन्य संबंधित अधिकारियों को धन्यवाद दिया। साथ ही स्वीकार किया कि कुछ स्थानों पर बूथ केंद्रों में बदलाव के कारण प्रारंभिक भ्रम की स्थिति बनी, लेकिन समग्र रूप से मतदान शांतिपूर्ण रहा और किसी बड़ी घटना की सूचना नहीं मिली। उन्होंने कहा कि लोगों ने लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाते हुए बढ़-चढ़कर मतदान किया।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने पत्नी संग डाला वोट, बोले- लोकतंत्र को मजबूत बनाना हम सबकी जिम्मेदारी

बिभा संवाददाता

रांची : नगर निगम (नगर पालिका आम निर्वाचन 2026) के मतदान के दौरान सोमवार को रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने एक जागरूक नागरिक की तरह अपना मताधिकार का इस्तेमाल किया। वे अपनी धर्मपत्नी के साथ डोरंडा स्थित सेठ सीताराम विजय वर्गीय उच्च विद्यालय के मतदान केंद्र पहुंचे और मतदान किया।मतदान के बाद उन्होंने वहां मौजूद पत्रकारों से बातचीत भी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती हर जागरूक मतदाता के हाथ में है। उन्होंने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक अपने मत का प्रयोग जरूर करें और रांची के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं। मतदान केंद्र पर सुबह से ही लोगों में उत्साह देखा गया। उपायुक्त का आम नागरिक की तरह मतदान करने पहुंचना कई लोगों के लिए प्रेरणादायक रहा।

राँची मंडल के तहत पार्सल वैन के लिए ई–नीलामी सूचना

सं. सी/आरएनसी/ई–ऑक्शन /2026 दिनांक: 21.02.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, राँची द्वारा राँची मंडल के तहत ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है। कैटलॉग आईआरईपीएस वेबसाइट पर पहले ही प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार हैं: ● **कैटेगरी: पार्सल, कैटलॉग सं.: आरएनसीपार्सल–8ए, परिसंपत्तियों का विवरण:** राँची मंडल से शुरू होने वाली 32 पैसेंजर/मेल एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा एसएलआर कम्पार्टमेंट की लीजिंग हेतु 39 परिसंपत्तियों के लिए ई–नीलामी। **नीलामी शुरू :** दिनांक 28.02.2026 को 10.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तिथि :** दिनांक 28.02.2026 को 16.50 बजे। **टिप्पणी:** प्रत्याशित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई–नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। ऊपर उल्लिखित कैटलॉग के तहत लॉट वार विवरण वहाँ उपलब्ध है।

(PR-1222) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, राँची**

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

चास नगर निगम क्षेत्र में 49.76 व फुसरो नगर परिषद में 58.37 फीसदी मतदान

बिभा संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेस में *जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा ने बताया कि छिटपुट घटनाओं को छोड़कर जिले में मतदान शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि अपराह्न 05 बजे तक चास नगर निगम क्षेत्र में 49.76 प्रतिशत तथा फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में 58.37 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। हालांकि, कई मतदान केंद्रों पर निर्धारित समय के बाद भी मतदाताओं की उपस्थिति को देखते हुए मतदान प्रक्रिया जारी है।

डीईओ सह डीसी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा *देर शाम तक जारी मतदान केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। संबंधित मतदान केंद्रों पर सुपर जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती सुनिश्चित की गई। ऐसे केंद्रों पर प्रशासन द्वारा अतिरिक्त पेयजल एवं प्रकाश की समुचित व्यवस्था की गई, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो।

डीईओ सह डीसी ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने सभी मतदाताओं एवं देर शाम तक मतदान केंद्रों पर डटे रहकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता को लोकतंत्र की मजबूती का आधार बताया।

निर्वाचन कार्य में संलग्न सभी पदाधिकारी, कर्मियों एवं पुलिस प्रशासन के प्रति डीईओ सह डीसी ने आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वित प्रयास से शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी मतदान संभव हो सका।

मतदान के दौरान घायल हुए चास एसडीपीओ के उपचार के उपरांत पुनः निर्वाचन ड्यूटी पर लौटने को डीईओ सह डीसी ने

छिटपूट घटनाओं को छोड़ शांतिपूर्ण हुआ मतदानः डीसी

लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति सर्वोच्च प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया। कहा कि, घटना में शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है तथा प्रशासन द्वारा जीरो टोलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इससे पूर्व, उप विकास आयुक्त (डीडीसी) श्रीमती शताब्दी मजूमदार ने बताया कि दोनों नगर निकायों में कुल 201 मतदान केन्द्र बनाए गए थे, जिनमें चास नगर निगम क्षेत्र में 136 तथा फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में 65 मतदान केन्द्र शामिल थे। सुरक्षा की दृष्टि से बड़ी संख्या में केन्द्रों को संवेदनशील और अति संवेदनशील श्रेणी में रखा गया तथा वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

चास नगर निगम में 6 आदर्श तथा 25 पर्दानशीन मतदान केन्द्र बनाए गए थे, जबकि फुसरो नगर परिषद में 5 आदर्श और 4 पर्दानशीन मतदान केन्द्र स्थापित किए गए। इन केन्द्रों पर मतदाताओं के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

संवेदनशील केन्द्रों पर विशेष निगरानी चास नगर निगम क्षेत्र में 98 मतदान केन्द्रों को अति संवेदनशील तथा 29 को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया। वहीं, फुसरो नगर परिषद में 19 केन्द्र अति संवेदनशील और 36 केन्द्र संवेदनशील घोषित किए गए।

निर्वाचन प्रक्रिया की निगरानी के लिए सुपर जोनल, जोनल-सह-सेक्टर दंडाधिकारियों की तैनाती की गई। मतदान भवनों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए तथा अति संवेदनशील केन्द्रों पर ड्रोन से निगरानी की गई।

चास नगर निगम की पोल्ड मतपेटिकाओं को चास स्थित कृषि उत्पादन बाजार समिति परिसर में सुरक्षित रखा जाएगा। मतपेटिका प्राप्ति के लिए कुल 18 काउंटर बनाए गए हैं। विधि-व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क है। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगर पालिका) मो. शफीक आलम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी

बड़ी संख्या में उम्मीदवार मैदान में

चास नगर निगम में कुल 35 वार्डों के लिए 216 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, जिनमें 112 महिला प्रत्याशी शामिल हैं। वहीं, महापौर पद के लिए 31 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। जिनमें 04 महिला प्रत्याशी शामिल है। वहीं, फुसरो नगर परिषद में 28 वार्डों के लिए 129 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 67 महिला प्रत्याशी हैं, जबकि अध्यक्ष पद के लिए 9 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। चास नगर निगम क्षेत्र में कुल 1,61,922 मतदाता हैं, जिनमें 83,039 पुरुष, 78,866 महिलाएं और 17 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में कुल 64,782 मतदाता हैं, जिनमें 32,992 पुरुष और 31,790 महिला मतदाता शामिल हैं।

चास नगर निगम वार्ड 32 में हंगामा: पार्षद प्रत्याशी रेखा देवी के समर्थकों से झड़प, एसडीपीओ घायल

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो के चास नगर निगम के वार्ड 32 में सोमवार को जमकर हंगामा मच गया। वार्ड पार्षद प्रत्याशी रेखा देवी और उसके समर्थकों के बीच पुलिस से झड़प हो गई, जिसमें चास एसडीपीओ को चोटें आईं। घायल एसडीपीओ को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।मौके पर पहुंचे बोकारो एसपी ने दलबल के साथ स्थिति नियंत्रित की। उन्होंने कहा, आरोपियों पर सख्त कार्रवाई होगी। पुलिस पर हाथापाई करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।ह एसपी ने स्पष्ट किया कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। घटनास्थल 32 नंबर बूथ पर स्थित वन विभाग कार्यालय, चास है। झड़प के दौरान एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनावी तनाव के कारण ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं।

अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

नेमता वाला देवी की तृतीय पुण्यतिथि मनी

तलगडिया (बोकारो) (बिभा)। धनबाद-बोकारो क्षेत्रीय राजपूत समाज जोनल चार के अध्यक्ष मानिक कुमार सिंह का माता नेमता वाला देवी की सोमवार को मोहाल में मनाई गई। नेमता वाला देवी की तस्वीर में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। मौके पर केन्द्रिय अध्यक्ष जन्मजय सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र नाथ सिंह, कोषाध्यक्ष राम चरित्र सिंह, संतोष सिंह, नगेन सिंह,बलदेव सिंह, मुखिया शीतल सिंह,अशोक सिंह, मंटू सिंह,निमाई चन्द्र राय, दिलीप सिंह राजू, लगेन सिंह, दिलीप राय,काली प्रसाद सिंह, द्वारिका सिंह,सरजू सिंह, कुंवर सिंह,शक्ति सिंह,बंटी सिंह सत्यनारायण सिंह, सरजु सिंह, कुंवर सिंह व ग्रामीण उपस्थित थे। संचालन ग्रामीण अध्यक्ष बंटी कुमार सिंह ने किया।

संत गाडगे महाराज सच्चे निष्काम कर्मयोगी थे : शम्भु कुमार

बोकारो(बिभा)। कर्मयोगी राष्ट्रसंत गाडगे महाराज की जयंती के अवसर पर आज सेल एससी - एसटी इम्प्लाईज फेडरेशन ने शम्भु कुमार बोकारो यूनिट अध्यक्ष झसह- केन्द्रीय कमिटी सदस्य के नेतृत्व में सेक्टर झ 4 स्थित अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर उनकी याद में कार्यक्रम आयोजित किया। संत गाडगे महाराज के माल्यार्पण के उपरांत फेडरेशन के उपस्थित पदाधिकारियों ने उनके जीवन के लोक सेवा पर प्रकाश डाला । शम्भु कुमार ने कहा कि संत गाडगे महाराज सच्चे निष्काम कर्मयोगी थे । उन्होंने भीख मांग-मांगकर अनेक धर्मशालाएं, गौशालाएं, विद्यालय, चिकित्सालय तथा छात्रावासों का निर्माण कराया लेकिन अपने लिए एक कुटिया तक नहीं बनवाई। उन्होंने धर्मशालाओं के बरामदे या आसपास के किसी वृक्ष के नीचे ही अपनी सारी जिंदगी बिता दी। यद्यपि बाबा अनपढ़ थे, किंतु बड़े बुद्धिवादी थे। अंधविश्वासों, बाह्य आडंबरों, रूढ़ियों तथा सामाजिक कुरीतियों एवं दुर्व्यसनों से समाज को कितनी भयंकर हानि हो सकती है, इसका उन्हें भलीभांति अनुभव हुआ। इसी कारण इनका उन्होंने घोर विरोध किया। धर्म के नाम पर होने वाली पशुबलि के वे विरोधी थे। यही नहीं, नशाखोरी, छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों तथा मजदूरों व किसानों के शोषण के भी वे प्रबल विरोधी थे। इस अवसर पर राकेश कुमार, माणिक राम मुंडा, पतरस, पंकज दास, विजय राम, दिलीप कुमार, लिलु सोरेन, प्रेमनाथ राम, सोनाराम उरॉव, संजय अंबेडकर, सिद्धार्थ सुमन, ललित उरॉव, संजय अंबेडकर, चन्द्रशेखर आजाद, सनातन रजक, अनिल पासवान, अशोक रजक, दिनेश कुमार, महेश राम, बाबुधन राम, राजेश कुमार, कृष्णा कुमार आदि मौजूद रहे।

केशरा काटजुड़ीडांगा पैसेंजर हॉल्ट का भव्य उद्घाटन, ग्रामीण क्षेत्रों को मिली रेल कनेक्टिविटी

बोकारो (बिभा): दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए केशरा काटजुड़ीडांगा पैसेंजर हॉल्ट का सोमवार को भव्य उद्घाटन हो गया। इस नई सुविधा से स्थानीय निवासियों को सस्ता और सुरक्षित रेल परिवहन मिलेगा, जो क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देगी। मंडल रेल प्रबंधक मुकेश गुप्ता ने उद्घाटन समारोह में अतिथियों का स्वागत किया और रेलवे की विकास भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि बांकुड़ा विधायक निलाद्री शेखर दाना और पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार ने जनसभा को संबोधित करते हुए इसे क्षेत्रीय संपर्क की बड़ी उपलब्धि बताया।समारोह के क्लायमेक्स में मुख्य अतिथियों ने ट्रेन संख्या 68089 (मिदनापुर-आद्रा मेमू) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेल अधिकारी, कर्मचारी, मीडिया प्रतिनिधि और सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।इस हॉल्ट से विद्यार्थी, कामगार और व्यापारी आसानी से यात्रा कर सकेंगे। ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों की दूरस्थ स्टेशनों पर निर्भरता कम होगी, जिससे सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बल मिलेगा।

रिसिविंग सेंटर सह वज्रगृह का डीसी ने किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

बोकारो। नगरपालिका चुनाव की गिनती की तैयारियों को लेकर सोमवार को चास स्थित बाजार समिति परिसर में बनाए गए रिसिविंग सेंटर सह वज्रगृह का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी अजय नाथ झा, डीडीसी शताब्दी मजूमदार और अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी ने संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित

अधिकारियों-कर्मियों को जरूरी निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मतपेटियों (बैलेट बॉक्स) की रिसिविंग प्रक्रिया की क्रमवार समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि पीठासीन पदाधिकारियों की ओर से जमा किए जाने वाले सभी प्रपत्र और इनवेलप निर्धारित सुरक्षित बक्सों में सही तरीके से रखे जाएं, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि या अव्यवस्था न हो।

अधिकारियों ने कहा कि बैलेट बॉक्स को स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा जाए, स्टैच्यूटरी बॉक्स को निर्धारित सुरक्षित बक्से में और नॉन-स्टैच्यूटरी सामग्री को अलग निर्धारित स्थान पर रखा जाए। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया।

डीसी ने कहा कि मतदान संपन्न होने के बाद पीठासीन पदाधिकारी और मतदान कर्मी पूरे दिन की ड्यूटी के बाद थके हुए पहुंचेंगे। ऐसे में रिसिविंग सेंटर पर उनके साथ शालीन और सहयोगात्मक व्यवहार किया जाए। उन्होंने चाय-पानी की समुचित व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया।

रिसिविंग कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि आज की प्रक्रिया सुव्यवस्थित रहेगी तो मतगणना के दिन कार्य अधिक सरल होगा। सभी कर्मियों को धैर्य और जिम्मेदारी के साथ निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुसार कार्य करने को कहा गया।

निरीक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरों को भी निर्देश दिया गया कि वे रिसिविंग प्रक्रिया में तैनात कर्मियों और पीठासीन पदाधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग सुनिश्चित करें।

पलास के फूल , प्रकृति का फागुन आया

बोकारो। इन दिनों तुपकाडीह जैनामोड़ मेनरोड के दोनों और पलास के पेड़ों पर लाल और गुलाबी रंग के फूल हर राहगीरों को आकर्षित कर रहे हैं। कुछ लोग हैं जो इन फूलों को तोड़ कर अपने घर ले जाते हैं। खुटरी डाउन के पास जगदीश नाम के एक बृद्ध आदमी फूलों को बोरे में भरकर ले जा रहा था। पूछने पर उसने बताया कि आम आदमी का होली आने में देर है , उससे पहले धरती खुद होली खेल रही है। 75 वर्षीय बृद्ध न कहा कि पहले के समय में रंग अबीर नहीं था। मिट्टी के बर्तन में फूल और पानी को मिलाकर एक दिन रखने के बाद दूसरे दिन आग से उबालने के बाद एक नम्बर का रंग बनता है। इसलिए इसे घर ले जा रहे हैं। बताया कि इसी पेंड़ से निकलने वाले लाह से चूड़ी भी बनाया जाता था। अब तो नशा कर आदमी गिर जाता है होली क्या खेलेगा।

सखी बहिनपा मैथिलानी समूह बोकारो इकाई ने सोल्लास मनाया होली मिलन सह बसंत उत्सव

बिभा संवाददाता

बोकारो : सखी बहिनपा मैथिलानी समूह, बोकारो इकाई का होली मिलन सह बसंत उत्सव रविवार को उल्लास के साथ मनाया गया। सदस्याओं ने गीत-नृत्य, गेम आदि का आनंद लिया। सभी ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। प्रभारी अमिता झा ने कहा कि होली सद्भावना और सौहार्द का प्रतीक पर्व है। महासचिव उषा झा ने सभी सखियों का स्वागत किया और कहा कि पर्व त्यौहार हमें सामाजिकता से जोड़ते हैं। इस अवसर पर होली गीतों की सुमधुर प्रस्तुतियों ने माहौल को होलीमय बना दिया। नमिता झा ने जोगीरा सा रा रा रा रा.., पूनम झा व उषा झा ने मिथिला में राम खेलथि होरी मिथिला में..., बीना झा ने रंग घोरू ने कन्हैया जी खेलब होली रंग घोरु ने.., सांस्कृतिक प्रभारी जयंती पाठक ने परदेसिया लय धोतिया रंगाले गोरिया..., नीलम झा ने स्वरचित एक गीत व सभी सखियों ने मिलकर बाबा हरिहर नाथ सोनपुर में रंग खेले... की सुमधुर प्रस्तुतियों से सभी को आनंदित किया। मीडिया प्रभारी संजीता भुवनेश के संचालन में आयोजित गेम में प्रथम पुरस्कार कंचन झा को, द्वितीय पुरस्कार रेणुका झा को और तृतीय पुरस्कार बीना झा एवं चतुर्थ पुरस्कार नीलम झा को मिला। संजीता और कल्याणी मिश्रा के संचालन में आयोजित दूसरे गेम में प्रीता झा ने प्रथम, सुजाता झा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उपस्थित सदस्याओं में किरण मिश्रा, आशा झा, शीला मिश्रा, इंदिरा झा, डॉ मंजू झा, बीनू चौधरी, शारदा चौधरी, कोषाध्यक्ष सुजाता झा, संगीता मिश्रा, प्रीति प्रिया, लीला झा, अलका झा, रीमा, किरण झा, निशा झा आदि शामिल थीं।

बीएसएल में गैस सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में सोमवार को गैस सुरक्षा पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ विभाग तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों के लगभग 33 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. जिनमें अधिकारी, कर्मचारी तथा संविदा कर्मी शामिल थे.

इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) सुखदेव महतो तथा सहायक महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग) भानु प्रताप सिंह उपस्थित थे. कार्यक्रम के आरंभ में सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) सुखदेव महतो ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा इस जागरूकता सत्र की रूपरेखा प्रस्तुत की. इसके पश्चात उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई.

अपने संबोधन में सहायक महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग) भानु प्रताप सिंह ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने इस्पात संयंत्र के सुचारू संचालन में गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व को रेखांकित किया तथा प्रतिभागियों से इस सत्र के माध्यम से तकनीकी जानकारी प्राप्त कर उसे कार्यस्थल पर लागू करने की अपील की.

इसके उपरांत भानु प्रताप सिंह ने एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागियों को विभिन्न गैसों के गुणों तथा उनके सुरक्षित रख-रखाव के संबंध में जागरूक किया. उन्होंने शॉप फ्लोर पर गैस से संबंधित संभावित खतरों से बचाव के उपायों की जानकारी दी तथा आपातकालीन स्थितियों में अपनाई जाने वाली मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOP) के बारे में विस्तार से बताया. कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया.

यह आयोजन बोकारो स्टील प्लांट की 'शून्य क्षति' (Zero Harm) की नीति के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है. गैस सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर नियमित जागरूकता कार्यक्रमों से न केवल कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों में सुधार होता है, बल्कि यह संयंत्र की समग्र उत्पादकता और कार्मिकों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होता है.

बरुआटांड़ में फाल्गुन मूलूक मोड़ेन माहा में बाहा पोरोब संपन्न, प्रकृति पूजा के साथ एकता का संकल्प

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो) : चास प्रखंड के कनारी पंचायत के बरुआटांड़ गांव में मराड-बुरु बाहा बोंगा समिति की ओर से फाल्गुन मूलूक मोड़ेन माहा में बाहा पोरोब (सरहूल पूजा) हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। बरुआटांड़ ग्राम प्रधान व समिति अध्यक्ष उपेंद्र हेम्बरम और नायके (पूजारी) कालीचरण किस्कू ने जाहेरथान में जाहेर आयो, मराड-बुरु, परगना बाबा, लुगूबुरू बाबा व लुगूआयो आदि ईष्ट देवी-देवताओं को सखुआ व महुआ फूल अर्पित कर सखुआ वृक्ष पर जलाभिषेक किया। इस दौरान प्रकृति, पर्यावरण व सरना धर्म संरक्षण का संकल्प लिया गया।प्राणिक सह सेंगेल जिला अध्यक्ष व बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू ने कहा कि यह पूजा आदिवासी समाज में एकता व विजय के लिए है। संताल आदिवासियों के हक, अधिकार, हासा (भूमि), भाषा, जाति, धर्म, इज्जत, आबादी, रोजगार व चास-वास को बचाने तथा पहचान समृद्ध करने हेतु राजनीतिक, धार्मिक व सांस्कृतिक एकजुटता का उद्देश्य है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कनारी पश्चिम पंचायत मुखिया रजनी देवी व विशिष्ट अतिथि आदिवासी सेंगेल अभियान के प्रदेश संयोजक व बोकारो जोनल परगना करमचंद हांसदा मौजूद रहे। रजनी देवी ने कहा कि बाहा पोरोब (फूलों का उत्सव) आदिवासी समुदाय का पवित्र त्योहार है। जाहेरथान में सखुआ-महुआ पूजा के बिना नए फूलों का उपयोग वर्जित है, जो प्रकृति के प्रति आभार सिखाता है। उन्होंने जाहेरथान की चारदीवारी व जल व्यवस्था के लिए शीघ्र डीप बोरिंग या चपाकल लगाने की घोषणा की।हांसदा ने जोर देकर कहा कि प्रकृति पूजक भाषा-संस्कृति बचाने हेतु सरना धर्म कोड लागू व संताली भाषा को झारखंड की प्रथम राजभाषा बनाना जरूरी है। इसके बाद सभी ने जाहेर आयो व माराड-बुरु के चरणों में नतमस्तक होकर सरना एकता प्रार्थना की। मांदर-नगाड़े की थाप पर पारंपरिक परिधान में जाहेर नृत्य किया गया।बाहा बोंगा में पूर्व माझी हाड़म गुहीराम हेम्बरम, भीम मुर्मू, पूर्व जिला परिषद सदस्य गुलाबी देवी, सेंगेल प्रदेश संयोजक जयराम सोरेन, राजेश मुर्मू, गोपीनाथ मुर्मू, विजय मरांडी, राखो किस्कू, बिरेंद्र सोरेन, बिन्तोष टुडू, बुटन बेसरा, मनोज किस्कू, चेतलाल किस्कू, संजूल मुर्मू, छोटेलाल हेम्बरम, बिनोद हेम्बरम, दशरथ सोरेन, जीतराम बेसरा, रामचंद्र बेसरा, नागेश्वर मुर्मू, मुकेश किस्कू, मुंगेश्वर सोरेन, बिरेंद्र नाथ सोरेन, शिवराम किस्कू, सावित्री मुर्मू, काजल हेम्बरम, सोनिया किस्कू समेत सैकड़ों महिलाएं-पुरुष शामिल हुए।

कर्ण समागम ने पहली बार धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

बिभा संवाददाता

बोकारो : कर्ण समागम बोकारो संस्था ने वस्तु विहार, सेक्टर-8 के फेज-8 स्थित कार्यकारिणी सदस्य धीरेन्द्र प्रसाद सिन्हा के आवास पर पहली बार होली मिलन समारोह का आयोजन धूमधाम से किया।संस्था की स्थापना 2023 में बोकारो जिला और आसपास के कर्ण कायस्थों को एकजुट करने के उद्देश्य से की गई थी। आज यह समाज प्रगति की राह पर अग्रसर है। कर्ण समागम नियमित रूप से वृद्धजनों की सहायता, गरीब बच्चों को शिक्षा, कंबल वितरण, वृक्षारोपण और अन्य सीएसआर गतिविधियां आयोजित करता रहता है।कार्यक्रम की शुरूआत चित्रगुप्त भगवान की पूजा-अर्चना से हुई। संरक्षक चंद्रपति मल्लिक और अध्यक्ष अनिल कुमार कर्ण सहित सभी सदस्यों ने भगवान को अबीर लगाकर बोकारो के कायस्थ समाज की सुख-समृद्धि और विकास की कामना की।होली मिलन में अध्यक्ष अनिल कुमार कर्ण, संरक्षक चंद्रपति मल्लिक, महासचिव मिहिर कंठ, उपाध्यक्ष सिद्धेश नारायण दास व आरएन मल्लिक, उपमहासचिव अमरनाथ लाल दास, सचिव अशोक कर्ण, संयुक्त सचिव धीरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, उप कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र कंठ व अनूप रंजन, सदस्य कन्हैया लाल दास, अनिल दत्त, जयंत कुमार तथा धनबाद से आए ब्रज किशोर लाल समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।अंत में सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर सुखमय जीवन की कामना की।

हजारीबाग नगर निगम चुनाव में 49.95 प्रतिशत मतदान के साथ चुनाव समापन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : नगर निगम में 23 फरवरी 2026 हो रहे निकाय चुनाव में मतदान की रफ्तार फिलहाल काफी धीमी रही है। जिला प्रशासन के अनुसार ओवर और 49.95 प्रतिशत मतदान हुआ है। मतदान प्रक्रिया सुबह 7 बजे शुरू हुई थी। शुरूआती घंटों में सुबह 9 बजे तक) हजारीबाग में केवल 8.04 प्रतिशत वोट पड़े थे। 11:00 बजे तक 18.02 , 1:00 बजे तक और 3:00 तक

40.95 प्रतिशत मतदान हुए थे। हालांकि चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संपन्न हुए। शाम 5:00 बजे तक ओवरऑल 49.95 प्रतिशत मतदान हुआ।मतदान संपन्न होने के साथ मेयर और वार्ड पार्षद के प्रत्याशियों के भाग्य बैलेट बॉक्स में बंद हो गये। शहर के 160 मतदान केंद्र पर कहीं भी अप्रिय घटना नहीं हुई। चुनावी नतीजों की घोषणा और मतगणना 27 फरवरी 2026 को निर्धारित है। नगर निगम हजारीबाग में कुल 36 वार्ड हैं। इस बार महापौर पद के लिए 8 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। वार्ड 13 और वार्ड 36 में प्रत्याशी निर्विरोध चुने जा चुके हैं। मेयर पद अत्यंत पिछड़ा वर्ग एक के लिए आरक्षित है। चुनाव में महिलाओं की रिकॉर्ड भागीदारी देखी गई है, जहां 36 में से 17 वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। लगभग 50 प्रतिशत पार्षद उम्मीदवार महिलाएं हैं। यह चुनाव गैर-दलीय आधार पर हुआ। किसी भी उम्मीदवार ने पार्टी सिंबल का उपयोग नहीं किया। लेकिन प्रमुख दलों भाजपा, जेएमएम, कांग्रेस ने अपने समर्थित उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। इस बार नोटा का विकल्प उपलब्ध नहीं था। हजारीबाग में 160 मतदान केंद्र बनाए गए थे। मतदान के दिन शाम पांच बजे तक 49.95 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई थी। चुनाव बैलट पेपर के माध्यम से कराए गए।

नगर निकाय चुनाव में मतदाताओं का दिखा खासा उत्साह, सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लगी लंबी कतारें

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: नगर निकाय चुनाव के दौरान इस बार मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सुबह मतदान शुरू होने से पहले ही कई केंद्रों पर लोगों की लंबी कतारें लग गईं। युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कई स्थानों पर पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं में विशेष उत्साह देखा गया।

प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील और अति-संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से

संपन्न कराने के लिए अधिकारियों ने लगातार निगरानी रखी।

विकास, साफ-सफाई, पेयजल, सड़क और अन्य स्थानीय मुद्दों को ध्यान में रखते हुए अपने प्रतिनिधियों के चयन में भागीदारी की। नगर निकाय चुनाव में जनता की सक्रिय भागीदारी ने लोकतंत्र के प्रति लोगों की जागरूकता और विश्वास को एक बार फिर मजबूत किया है। लोगों ने सेल्फी लेकर फेसबुक में लगाया !

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा बसंतोत्सव सह शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा बसंतोत्सव सह शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के धर्मप्रेमी बंधु, सम्मेलन के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में शामिल हुए और पूरे उल्लास के साथ आयोजन का आनंद उठाया। सर्वप्रथम गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। समारोह की गरिमा वर्तमान कार्यकारिणी की उपस्थिति से और बढ़ी। वर्तमान अध्यक्ष सुमेर सेठी, उपाध्यक्ष पवन खंडेलवाल, सचिव विजय शर्मा, सहसचिव कपिल जैन ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई और समाज की एकता पर बल दिया। सुमेर सेठी ने अपने दो सत्र के कार्यकाल का वर्णन किया, तथा आभार प्रकट किया सभी सदस्यों का जिनके साथ मिलकर के यह इतने सुचारू रूप से सम्मेलन का कार्य सफल से किया इस अवसर पर सत्र 2026-2028 के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। उन्होंने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेते हुए समाज की संस्कृति, भाषा और संगठन को और अधिक सशक्त करने का संकल्प लिया। उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। पुरस्कार वितरण समारोह भी हुआ । जिसमें हजारीबाग की जितने भी अपने-अपने क्षेत्र में नाम रोशन किया है उन सभी को हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने पुरस्कार दिया।

फाल्गुन मेला में रिंग्स से पदयात्रा कर हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दरबार में निशान अर्पित कर आशीर्वाद लिया

रामगढ़/खाटूश्यामजी(बिभा): फाल्गुन मेला 26 में सोमवार को हजारों श्याम प्रेमियों ने रिंगस से खाटू श्याम जी श्री श्याम निशान के साथ दर्शन किए। आज लगभग पांच लाख श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

रांची रोड स्थित देवनद नदी के समीप हिंदुस्तान पैट्रोलियम पंप का हुआ उद्घाटन

लातेहार/चंदवा (बिभा); सोमवार को झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने चंदवा शहर के देवनद नदी के पास शिवम पेट्रोल पंप का उदघाटन बतौर मुख्य अतिथि फीता काटकर किया,पेट्रोल पंप के प्रोपराइटर आलोक कुमार एवं पवन कुमार गुप्ता ने पुष्प गुच्छ और शाल भेंट कर मोती लाल को सम्मानित किया ,उदघाटन के बाद श्री लाल ने कहा कि मेरी मनोकामना है कि यह पेट्रोल पंप खूब चले , तरक्की करे,क्योंकि क्षेत्र में बढ़ते कोयला कंपनियों और वाहनों की बढ़ती संख्या के लिए लोगो को सुविधा होगा,मौके पर सम्मानित अतिथि चंदवा के उपप्रमुख अश्विनी मिश्रा को शाल और पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया ,पेट्रोल पंप के मालिक आलोक साहू ने कहा कि चंदवा में लोगों के बढ़ते वाहन और डीजल और पेट्रोल के लिए परेशानियों को देखते हुए मैने पेट्रोल पंप खोला है, मैं लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि मेरे पेट्रोल पंप में उत्तम क्वालिटी का पेट्रोल और डीजल मुहैया कराया जायेगा ,जनता की सुविधा को देखते हुए रात भर सेवा दी जाएगी , पवन कुमार गुप्ता ने कहा कि हमलोग का प्रयास रहेगा कि इस पंप में लोगों को अच्छे सुविधा मिल सके, मौके पर लाल अमित नाथ शहदेव ,राजकुमार साहू ,अजय बैद्य ,पप्पू आजाद ,भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष सिंह ,मंटू केशरी,बबलू खान ,दारा सिंह ,अंकित तिवारी,झामुमो नेता चांदो ,जागृति कुमार, अरविंद कुमार, रोहित सहदेव, अंकित कुमार समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

दिव्यांग युवती को विवाह के लिए दी अलमारी

रामगढ़(बिभा)। लघु उद्योग भारती ने एक दिव्यांग युवती को विवाह के लिए अलमारी भेंट की है। सोमवार को कुज्जू निवासी दिव्यांग युवती पूनम कुमारी को अलमारी भेंट की गई। यह कार्यक्रम होटल शिवम इन कैंपस में संपन्न हुआ। संगठन के जिला अध्यक्ष मनमोहन सिंह लांबा और सचिव वरुण बगड़िया ने संयुक्त रूप से बताया कि पूनम कुमारी ने अपने विवाह के लिए अलमारी देने का आग्रह संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष विजय मेवाड़ से किया था। प्रांतीय अध्यक्ष विजय मेवाड़ ने तुरंत पहल करते हुए अलमारी उपलब्ध कराई। अलमारी प्राप्त होने पर पूनम कुमारी की खुश दिखी। युवती ने सहयोग के लिए लघु उद्योग भारती के सभी सदस्यों के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया।

नगरपालिका आम चुनाव : सख्त सुरक्षा में शांतिपूर्ण 66 प्रतिशत मतदान

बिभा संवाददाता

रामगढ़: जिले में नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत मतदान प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से 66 प्रतिशत मतदान के साथ सम्पन्न। सुबह से ही विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। महिला, पुरुष, युवा एवं वरिष्ठ नागरिक उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी निभा रहे हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज लगातार मतदान केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने कैथा, बोंगावार तथा पैंकी क्षेत्र के मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा प्रबंध, मतदान प्रक्रिया एवं मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कतार में लगे मतदाताओं से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उन्हें निर्भीक होकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

आज सम्पन्न हुए मतदान के बाद विभिन्न मतदान केंद्रों से पोलिंग दल सुरक्षित रूप से लौटकर रामगढ़ महाविद्यालय, रामगढ़ स्थित रिसीविंग सेंटर पहुंच रहे हैं। यहां निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत मतदान सामग्रियों की विधिवत जमा प्रक्रिया संचालित की जा रही है। पूरी प्राप्ति प्रक्रिया को सुचारु, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक एवं व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

हजारीबाग में 87 वर्षीय ब्रजकिशोर जायसवाल ने व्हीलचेयर पर पहुँचकर किया मतदान

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत आज हजारीबाग में लोकतंत्र की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली। हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल के पूज्य पिता और हजारीबाग के पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ब्रजकिशोर जायसवाल ने अपनी शारीरिक अस्वस्थता के बावजूद मतदान केंद्र पहुँचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

87 वर्षीय ब्रजकिशोर जायसवाल ने वार्ड संख्या 28 स्थित उर्दू स्कूल, काजी मुहल्ला के बूथ केंद्र पर व्हीलचेयर से पहुँचकर वोट डाला। इस उम्र में भी मतदान के प्रति उनका यह जज्बा देख वहां मौजूद अन्य मतदाता और चुनाव कर्मी बेहद प्रभावित हुए।

लातेहार निकाय चुनाव में प्रतिशत 65.99% मतदान की गई दर्ज

कमलेश कुमार

लातेहार: जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव की अध्यक्षता में सोमवार को प्रेसवार्ता का आयोजन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए जानकारी साझा करते हुए कहा गया कि नगरपालिका आम निर्वाचन,2026 के तहत आज लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर प्रातःकालीन समय से ही सभी वर्ग के मतदाता यथा- वृद्ध, दिव्यांग, युवा, महिला, नए मतदाता आदि ने कतारबद्ध होकर अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग किया।सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सभी बूथों पर मतदाताओं के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। व्हीलचेयर, रैंप, पेयजल, शौचालय एवं सुरक्षा के इंतजाम किए गए थें।

लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र में पूर्वाह्न 9 बजे तक 11.1 % मतदान प्रतिशत रहा। इसी प्रकार पूर्वाह्न 11 बजे तक 27.1% मतदान प्रतिशत रहा। वहीं अपराह्न 01 बजे तक 41.99% मतदान प्रतिशत रहा। अपराह्न 03 बजे तक कुल मतदान प्रतिशत 55.00% रहा। अपराह्न 05 बजे तक लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र का मतदान प्रतिशत 65.99 % रहा। लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र का कुल मतदान प्रतिशत 65.99 % दर्ज की गई।लातेहार जिला अंतर्गत मतदान केन्द्रों पर शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई गई। मतगणना दिनांक 27.02.2026 को प्रातः 08:00 बजे से राजकीय पॉलिटेक्निक, लातेहार में संपन्न होगी। मतगणना हेतु आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। मतगणना स्थल पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी निगरानी, बैरिकेडिंग, प्रवेश-नियंत्रण तथा अभ्यर्थियों/मतगणना अभिकताओं के लिए अलग व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।उपायुक्त ने निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त सभी अधिकारियों, कर्मियों, पुलिस बल एवं मतदाताओं के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतगणना संपन्न कराना है।मौके पर समाहर्ता रामा रविदास, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह पंचायती राज पदाधिकारी श्रेयांश, निवार्ची पदाधिकारी सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, प्रेस वार्ता में विभिन्न संस्थानों के मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उपायुक्त ने चन्दनडीह उच्च विद्यालय में किया मतदान

लातेहार: नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने चन्दनडीह स्थित राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय के मतदान केंद्र संख्या 14/1 पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया इस अवसर पर उन्होंने मतदान प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए मतदान कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता का मतदान करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की कि वे निर्भीक एवं निष्पक्ष वातावरण में अपने मताधिकार का प्रयोग करें और बेहतर वोट प्रतिशत के साथ कीर्तिमान स्थापित करें। मतदान केंद्र पर सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध थीं तथा मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो रहा है। जिला प्रशासन द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने हेतु व्यापक व्यवस्था की गई है।

हजारीबाग नगर निकाय चुनाव : संत कोलंबा कॉलेज बूथ पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया मतदान

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत शहर में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखा गया। इसी क्रम में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने संत कोलंबा कॉलेज स्थित बूथ पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान उनकी माता जी एवं परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उसी बूथ पर मतदान किया।

हालांकि उनकी धर्मपत्नी का नाम अन्य बूथ में दर्ज होने के कारण उन्हें अलग बूथ पर जाकर मतदान करना पड़ा। मतदान के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने इस स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा

कि पूरा परिवार एक साथ मतदान करने के उद्देश्य से घर से निकला था, लेकिन बूथ पर पहुंचने के बाद जानकारी मिली कि उनकी धर्मपत्नी का नाम अन्य बूथ में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसी व्यवस्थागत त्रुटियों से मतदाताओं को अनावश्यक असुविधा होती है।

विधायक ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि भविष्य में होने वाले चुनावों में मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में विशेष सावधानी बरती जाए, ताकि किसी भी परिवार को इस प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि यदि उनके परिवार के साथ ऐसी स्थिति हो सकती है, तो आम नागरिकों को भी इसी प्रकार की कठिनाइयों से गुजरना पड़ता होगा, जिस पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है।

रामगढ़ में एसपी अजय कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने किया मतदान

रामगढ़। नगर परिषद चुनाव के दौरान सोमवार को रामगढ़ जिले के अधिकारियों ने भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाई। छत्तरमांडू वार्ड 28 के बूथ नंबर 1, 2, 3 और 4 पर जिले के कई वरिष्ठ अधिकारियों के नाम मतदाता सूची में शामिल थे, जहां उन्होंने पहुंचकर अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग किया। रामगढ़ पुलिस अधीक्षक (एसपी) अजय कुमार, अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि, गोपनीय शाखा प्रभारी रविंद्र कुमार गुप्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता (एलआरडीसी) प्रियंका कुजूर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो, जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम तथा एनआईसी प्रभारी बिरेंद्र कुमार सहित कई अधिकारियों ने मतदान किया। मतदान के बाद एसपी अजय कुमार ने नगर परिषद क्षेत्र के सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

जाहेरडीह धूमधाम से मनाया गया सरहुल पर्व

बिभा संवाददाता

ईचागढ़: ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के जाहेर डीह ग्राम में सोमवार को हर्ष उल्लास के साथ प्रकृति पर्व सरहुल मनाया गया।

माझी बाबा गणेश चंद्र टुडू ने जाहेर स्थान पर ईष्ट देवता की पूजा अर्चना कर क्षेत्र के सुख-शांति,समृद्धि, हरियाली अच्छी फसल की मंगल मनोकामना की। इसके बाद समाज के पुरुष महिला एवं युवतियों ने परंपरागत वेशभूषा में महोत्सव में शामिल हुए। समिति के गणेश चंद्र टुडू ने बताया यह परंपरा पूर्वजों के जमाने से चली आ रहे हैं। यह परंपरा को उत्सव के रूप में मनाकर नई पीढ़ी के लोगों को सरहुल व पर्यावरण के महत्व को बताना है। समुदाय के लोगों का प्राकृतिक से प्रेम व अटूट रिश्ता होने के कारण ही प्रकृति और संस्कृति को सहेज कर रखा गया है। हम सभी का प्राकृतिक की शुद्धता के लिए पेड़ पौधा लगाना है। हमारा जीवन प्रकृति से जुड़ा हुआ है।

दुमका में 60.47 व बासुकीनाथ में 74.10 प्रतिशत हुआ मतदान

बिभा संवाददाता

दुमका : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में प्रेसवार्ता का आयोजन इंजीनियरिंग कॉलेज, दुमका में किया गया। उपायुक्त ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा गया कि नगरपालिका आम निर्वाचन,2026 के तहत नगर परिषद दुमका के 42 एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र के 19 मतदान केन्द्रों पर पूर्वाह्न 7 बजे से ही सभी वर्ग के मतदाता यथा- वृद्ध, दिव्यांग, युवा, महिला, पुरुष, नए

मतदाता आदि ने कतारबद्ध होकर अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग किया।सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सभी बूथों पर मतदाताओं के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। व्हीलचेयर, रैंप, पेयजल, शौचालय एवं सुरक्षा के इंतजाम किए गए थें।

दुमका नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत पुरुष मतदाताओं की संख्या 20,738 है जिसमें 12801 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं महिला मतदाताओं की संख्या 20,001 है जिसमें 11,832 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र अंतर्गत पुरुष मतदाताओं की संख्या 7,127 है जिसमें 5,368 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं महिला मतदाताओं की कुल संख्या 7,127 है जिसमें 5,194 महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

सभी बूथों पर शांतिपूर्ण माहौल में मतदान प्रक्रिया सम्पन्न हुआ। उत्साह भरे माहौल में मतदाताओं ने मतदान प्रकिया में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कराई।

मतगणना दिनांक 27.02.2026 को इंजीनियरिंग कॉलेज दुमका में संपन्न कराई जाएगी। मतगणना हेतु आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। मतगणना स्थल पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी निगरानी, बैरिकेडिंग, प्रवेश-नियंत्रण तथा अभ्यार्थियों/मतगणना अभिकताओं के लिए अलग व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

मौके पर नगर परिषद दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, सहायक समाहर्ता, नगर परिषद दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

जाति संघर्ष का सर्वसमावेशी समाधान वक्त की जरूरत

उमेश चतुर्वेदी

पिछड़ों को आरक्षण को समाज ने स्वीकार कर लिया था, तभी दूसरे सवर्ण और मनमोहन सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने साल 2006 में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की शुरूआत कर दी। इसके विरोध में एक बार फिर युवा राजनीति उभरी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के दिशा-निदेर्शों से ना सिर्फ जाति विमर्श केंद्र में आ गया है, बल्कि हिंदू समाज जातीय खांचे में बंटता नजर आ रहा है। आर्थिक और शैक्षिक विकास की वजह से जाति विभाजन की जो रेखाएं मध्यम पड़ने लगी थीं, वे एक बार फिर गहरी होती नजर आ रही है। मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद जैसा स्पष्ट विभाजन हिंदू समाज में दिख रहा था, कुछ उसी राह पर एक बार फिर समाज बढ़ता दिख रहा है। जाति के तवे पर राजनीतिक रोटी सेंकने वाले कुछ दल यूजीसी की गाइडलाइन को लागू करने के लिए छात्रों के बीच जाति विमर्श की आंच को हवा दे रहे हैं तो इस गाइडलाइन के विरोध में खड़े सवर्ण समाज के लोग भी अपने समाज के छात्रों को लामबंद करने में प्राणपण से जुटे हुए हैं। मंडल आयोग की रिपोर्ट के बाद जिस तरह नया राजनीतिक विमर्श खड़ा हुआ, जिससे कुछ राजनीतिक दलों और शख्सियतों को उभरने का मौका मिला, कुछ वैसे ही हालात एक बार फिर बनते दिख रहे हैं। अगर यूजीसी गाइडलाइन का सर्वसमावेशी हल नहीं खोजा गया तो हिंदुत्व की राजनीति पर भी असर पड़ सकता है। हिंदू एकता का सपना भी खतरे में पड़ सकता है।

राजनीति के बारे में एक धारणा है। सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास ने जाति विभाजन को जहां कमजोर किया, वहीं राजनीति इसे जिंदा करने में सफल हुई है। सामाजिक यात्रा में पिछड़ी रह गई जातियों के उत्थान के नाम पर राजनीति ने जाति विमर्श को केंद्र में लाने का सबसे बड़ा योगदान विश्वनाथ प्रताप सिंह को जाता है, जिन्होंने देवीलाल के राजनीतिक रसूख को काबू में करने के लिए 1990 में मंडल आयोग की रिपोर्ट पर पड़ी धूल को झाड़ा और उसे लागू कर दिया। पैंतीस साल पहले के उस फैसले ने समाज को बुरी तरह विभाजित कर दिया। मंडल आयोग के खिलाफ तकरीबन समूचा उत्तर भारत धधक उठा था। सवर्ण समुदाय के छात्रों और नौजवानों को अपना भविष्य अंधकारमय नजर आने लगा था। उन्होंने खुद को आग के हवाले करना शुरू कर दिया। विश्वनाथ प्रताप सिंह कविता भी करते थे। कवि को लेकर धारणा है है कि वह कोमल हृदय का स्वामी होता है। लेकिन आग की लपटों के बीच धू-धूकर जवानी को जलती देखकर भी कवि हृदय प्रधान मंत्री नहीं पसीजे थे। उस दौर के शरद यादव सवर्ण समाज के कटु आलोचक और पिछड़ावादी राजनीति के प्रबल पैरोकार के रूप में उभरे। मंडल आयोग की रिपोर्ट से समाज के बीच जो खाई पैदा हुई, बाद की राजनीति ने उसे और ज्यादा चौड़ा और गहरा ही किया है।

पिछड़ों को आरक्षण को समाज ने स्वीकार कर लिया था, तभी दूसरे सवर्ण और मनमोहन सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने साल 2006 में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की शुरूआत कर दी। इसके विरोध में एक बार फिर युवा राजनीति उभरी। यूथ फॉर इक्वलिटी के बैनर तले दिल्ली में इस फैसले के खिलाफ युवा सड़कों पर उतर पड़े। इस आंदोलन के चलते भी सामाजिक विभाजन बढ़ा। शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में आरक्षण के विरोधी समुदायों और इसके समर्थक समुदायों के बीच एक बार फिर विभाजक रेखा गहरी हुई। इससे भी देश उबर रहा था कि यूजीसी की गाइडलाइन आ गई और फिर से एक बार भारतीय समाज गहरे अंतरद्वंद्व और सामाजिक संघर्ष से जूझने लगा। यह संघर्ष अभी समाज में सीधे तो नहीं दिख रहा, लेकिन विश्वविद्यालयों के परिसर इसके चलते उबल रहे हैं। एक तरफ इस गाइडलाइन के समर्थक हैं तो दूसरी तरफ उसके विरोधी।

आज पिछड़ावाद, दलितवाद, अल्पसंख्यकवाद और महिलावाद का जोर है। इन तबकों के उभार के विचार को सामाजिक न्याय करीब साढ़े तीन दशकों से स्वीकार किया जा रहा है। इन वादों को सामाजिक लोकवृत्त यानी पब्लिक स्फीयर के केंद्र में लाने का विचार समाजवादी राजनीतिक दलों का रहा है, लेकिन इसे मूर्त रूप में लाने वाले कांग्रेसी मूल के राजनेता ही रहे हैं। समाजवादी दलों के ही परोक्ष समर्थन से पहली बार तीस मई 1933 को बिहार के मौजूदा रोहतास जिले के करगहर में त्रिवेणी संघ की स्थापना हुई थी। जिसमें कोइरी यानी कुशवाहा, कुर्मी और यादव जातियों के नेता साथ आए थे और पिछड़ावादी राजनीति की नींव डाली थी। एक तरह से जातिवादी राजनीति की नींव आजादी के पहले ही पड़ गई थी। मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करते वक्त विश्वनाथ प्रताप सिंह भले ही जनता दल नामक समाजवादी विचारधारा वाले दल के नेता थे, लेकिन महज तीन साल पहले तक वे कांग्रेसी थे। अर्जुन सिंह भी कांग्रेसी ही थे। आज राहुल गांधी भी जाति जनगणना को लेकर उत्साहित नजर आते हैं। पता नहीं राहुल गांधी को पता है या नहीं, अर्जुन सिंह और विश्वनाथ प्रताप सिंह को जानकारी जरूर रही होगी। राहुल गांधी की दादी के पिता और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 27 जून 1961 को देश के मुख्यमंत्रियों के नाम तीस पैराग्राफ का एक लंबा खत लिखा था। उसके चौबीसवें से छब्बीसवें पैरे में नेहरू ने आज की जाति आधारित आरक्षण को एक तरह से नकार दिया है। उस चिट्ठी में उन्होंने भारत को बनाने को लेकर उनकी जो सोच रही, उसका गहन जिक्र किया है। इस पत्र में नेहरू स्पष्ट रूप से अपने विचार को जाहिर करते हैं। वे आरक्षण आधारित विकास और समाज नहीं चाहते थे, बल्कि ज्ञान केंद्रित समाज का विकास चाहते थे। नेहरू के लिखा था, 'मुझे किसी भी रूप में आरक्षण पसंद नहीं है। खासकर नौकरियों में आरक्षण। मैं ऐसे किसी भी कदम के खिलाफ हूं जो अक्षमता को बढ़ावा देता है और हमें औसत दर्जे की ओर ले जाता है।'

यूजीसी की गाइडलाइन का विरोध कर रहे लोग अगर आज यही बात कहें तो उन्हें सामाजिक न्याय का विरोधी माना जाएगा। मंडल आयोग की रिपोर्ट पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद से जिस तरह का राजनीतिक विमर्श स्थापित हुआ, उसमें सवर्ण समाज अपने लोगों के विकास और आरक्षण विरोध की बात करने की हिम्मत नहीं दिखा पाता था। ऐसा करने से उसे दकियानूस माने जाने का खतरा नजर आता था। इसलिए उसने चुप्पी साधे रखी। लेकिन बाद के वर्षों में एससी-एसटी कानून का सवर्ण समाज के खिलाफ जारी दुरूपयोग ने सामाजिक रूप से आगे माने जाते रहे वर्णों और जातियों को मौका मिला। बाढ़ का पानी जब नाक तक पहुंच जाता था, तब व्यक्ति उससे बचाव के लिए छटपटाने लगता है। सवर्ण समाज के लिए यूजीसी की गाइडलाइन नाक तक पहुंचा बाढ़ का पानी है। उसी पानी से बचाव की छटपटाहट ही है कि गाइडलाइन के खिलाफ समूचे देश के सवर्ण समाज में गहन क्षोभ और गुस्सा नजर आ रहा है। अब सवर्ण समुदाय के नौजवान तर्क देने से हिचक नहीं रहे कि जब पिछड़ावाद हो सकता है, दलितवाद प्रगतिशील विचार हो सकता है, अल्पसंख्यकवाद सामाजिक न्याय का प्रतीक हो सकता है तो ब्राह्मणवाद या सवर्णवाद दकियानूस क्यों? सवर्ण समुदाय के बच्चों का कहना है कि माना कि उनके पूर्वजों ने गलती की तो उसकी सजा हम क्यों भुगतें। ध्यान देने की बात है कि राममंदिर आंदोलन के बाद सवर्ण समाज ने पूरी तरह बीजेपी का दामन थाम लिया। उसे बीजेपी में अपनी दबी भावनाओं की अभिव्यक्ति की राह दिखती रही है। लेकिन यूजीसी की गाइडलाइन से वह भौंचक्क रह गया। यही भौंचक्कापन अब गुस्से के रूप में नजर आ रहा है। सत्ता पर निगाह जमाए बैठे विपक्षी दल पर्दे के पीछे से इस गुस्से को हवा दे रहे हैं। इस पूरी प्रक्रिया में उन्हें पिछड़ा वोटर के बिदकने का खतरा भी नजर आ रहा है, इसी सोच के चलते वे गाइडलाइन के खिलाफ खुलकर कुछ बोलने से बच रहे हैं।

ऐसा नहीं कि बीजेपी में इस आफत की काट नहीं खोजी जा रही होगी। बीजेपी संगठन और सरकार के आलानेता इस जातीय विमर्श को ठंडा करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। लेकिन इस समस्या का समाधान ढूंढ़ने में जितनी देर होगी, जाति विमर्श उतना ही बढ़ेगा। अगर सवर्ण समुदाय का गुस्सा ठंडा नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में बीजेपी की चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

संपादकीय

कचरे का बोझ

सुप्रीम कोर्ट की इस गंभीर चिंता से सहमत हुआ जा सकता है कि ठोस कचरे का निस्तारण एक पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं है बल्कि यह जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिये भी गंभीर चुनौती है। निस्संदेह, जब हम विकसित भारत के व्यापक लक्ष्य हासिल करने की बात करते हैं तो नागरिक जीवन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन भी एक अनिवार्य शर्त है। निस्संदेह, देश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एक बड़ी नागरिक चुनौती बनी हुई है। देश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र, कचरे के पहाड़ों से दबे लैंडफिल, अनुचित अपशिष्ट के अलग-अलग न होने तथा कचरे के प्रभावी निपटान की चुनौती से जूझ रहे हैं। ठोस कचरा निस्तारण से जुड़े नये नियम लागू होने से कुछ सप्ताह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने देश में दशकों पुराने ठोस अपशिष्ट उपचार नियमों के अनुपालन में कोताही को लेकर चिंता व्यक्त की है। अदालत का मानना है कि बढ़ते कचरे का बोझ नागरिक जीवन की सुगमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अमृत यानी अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज जैसी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर किया है। यही वजह है कि न्यायालय ने समस्या की गंभीरता को महसूस करते हुए नियमों को सख्ती से लागू करने तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की बात कही है। सही मायनों में यह समय की भी जरूरत है। दरअसल, शीर्ष न्यायालय ने स्थानीय निकायों और निर्वाचित प्रतिनिधियों मसलन पार्षदों व कॉर्पोरेटरों को दायित्व दिया है कि वे क्षेत्र के नागरिकों में स्वच्छता व ठोस कचरे के निस्तारण हेतु जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की पहल करें। जनजागरण से ही विकट होती समस्या के निस्तारण में मदद मिल सकती है। इस दिशा में नरमी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। प्रारंभिक चरण में दायित्व निर्वहन में विफल रहने पर जुमार्ना विकल्प हो सकता है। वहीं बार-बार नियमों का उल्लंघन करने कानूनी कार्रवाई अपरिहार्य है। निस्संदेह, ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता स्वच्छता और ठोस कचरे के निस्तारण में प्रभावी भूमिका निभा सकती है। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करना कर्तव्य की अनदेखी करने पर कड़ा संदेश दे सकती है।

चिंतन-मनन

दुःखी होने की बजाय दुख का उपचार करें

लोगों से अपने सुना होगा कि संसार में दुःख ही दुःख है। असफलता मिलने पर कई बार आप भी यही सोचते होंगे, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। संसार में दुःख इसलिए है क्योंकि संसार में सुख है। अगर सुख नहीं होता तो दुःख का अस्तित्व भी नहीं होता है। ईश्वर हमें दुःख की अनुभूति इसलिए करवाता है ताकि हम सुख का एहसास कर पाएं, सुख के महत्व को समझें। श्रीमद्भागवद् में कहा गया है कि हमारा हर कर्म सुख पाने के लिए होता है। इसके बावजूद भी जीवन में कई बार हमें दुःख और कष्ट की अनुभूति होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सुख और दुःख धूप-छांव एवं दिन और रात की तरह हैं। हम चाहें न चाहें दुःख को आना है। भगवान राम, श्री कृष्ण, बुध और महावीर को भी दुःख उठाना पड़ा। लेकिन इन महापुरूषों ने दुःख को गले लगाकर नहीं रखा बल्कि दुःख का उपचार किया।

दुःख रात के समान है। रात के अंधेरे को दूर करने के लिए सूर्य जिस तरह निरंतर प्रयास करता रहता है और नियत समय पर रात के अंधकार को पराजित करके दिन का प्रकाश ले आता है, इसी तरह हमें भी दुःख को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। दुःख से दुःखी होकर बैठने से दुःख और बढ़ता है लेकिन जब हम समाधान के लिए प्रयास करने लगते हैं तो दुःख का अंधेरा छंटने लगता है।

दुःख से हम जितना डरते हैं दुःख हमें उतना ही डराता है। अगर कोई यह सोचता है कि मृत्यु के बाद दुःख का अंत हो जाता है तो गरूड़ पुराण उसे जरूर पढ़ना चाहिए। गरूड़ पुराण में मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाले कष्टों का वर्णन किया गया है। मृत्यु के बाद जीव को और भी कष्ट उठाना पड़ता है क्योंकि वहां तो शरीर भी नहीं होता है जिससे अपने दुःख का उपचार किया जा सकता है। सीता का हरण करके रावण ने राम को दुःख दिया। राम जी ने धैर्य से काम लिया और रावण जो उनके कष्ट का कारण था उसका पता लगाकर उसका अंत किया। पाण्डवों का सारा राज्य कौरवों ने छल से छीन लिया। पाण्डव अगर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते और दुःख का उपचार नहीं करते तो इतिहास में उनकी वीरता और साहस का बखान नहीं मिलता। इसलिए दुःख से दुःखी होने की बजाय दुःख का उपचार करना चाहिए।

भारत की खुशहाली और आर्थिक मजबूती का आधारः केंद्रीय उत्पाद शुल्क

दिलीप कुमार पाठक

भारत की आर्थिक प्रगति के पीछे उन हजारों हाथों का योगदान है, जो देश के राजस्व को मजबूत करने के लिए दिन-रात काम करते हैं। इन्हीं प्रयासों को सम्मान देने और आम जनता को कर व्यवस्था के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 24 फरवरी को देश में एक विशेष अवसर के रूप में इस दिन को मनाया जाता है। यह समय हमारे देश की वित्तीय व्यवस्था के लिए एक मील का पत्थर है, क्योंकि इसी दिन साल 1944 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक कानून बनाया गया था। भले ही आज के दौर में टैक्स की प्रणालियां बदल गई हों और जीएसटी ने एक बड़ा स्थान ले लिया हो, लेकिन देश की तरक्की में उत्पाद शुल्क का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है। एक आम नागरिक के मन में अक्सर यह सवाल आता है कि आखिर टैक्स चुकाने से उसे क्या मिलता है। इसका जवाब बहुत ही सरल और सुंदर है। जब देश की फैक्ट्रियों में सामान बनता है और उस पर सरकार को शुल्क मिलता है, तो वही पैसा घूमकर समाज के कल्याण के लिए वापस आता है। हमारे गाँव और शहरों को जोड़ने वाली पक्की सड़कें, अंधेरे को दूर करती बिजली की रोशनी, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज और देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के आधुनिक हथियार, यह सब उसी कर के पैसे से संभव हो पाता है जो एक जिम्मेदार उद्यमी और नागरिक द्वारा चुकाया जाता है। इस प्रकार, कर का भुगतान करना केवल एक कानूनी काम नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्र की सेवा करने जैसा है।

इसी संदर्भ में यह समझना भी जरूरी है कि एक मजबूत कर प्रणाली ही देश की आंतरिक सुरक्षा और बाहरी खतरों से निपटने की शक्ति प्रदान करती है। जब सरकार के पास पर्याप्त संसाधन होते हैं, तभी नई तकनीकों और आधुनिक बुनियादी ढांचे पर निवेश किया जा सकता है। यह राजस्व ही है जो आपदाओं के समय राहत कार्य चलाने और देश के करोड़ों गरीब परिवारों तक मुफ्त राशन और जरूरी सुविधाएं पहुँचाने में मदद करता है। बिना मजबूत वित्तीय आधार के कोई भी देश अपने नागरिकों के सपनों को पूरा नहीं कर सकता। इसलिए, उत्पाद शुल्क केवल एक सरकारी उगाही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का एक सशक्त माध्यम भी है, जो उद्योगों से कर लेकर समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान में खर्च किया जाता है। समय के साथ सरकारी कामकाज के तरीकों में भी बड़ा बदलाव आया है। आज का दौर डिजिटल क्रांति का है और अब टैक्स चुकाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने या लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं रह गई है। सरकार ने पूरी प्रक्रिया को इतना सरल और पारदर्शी बना दिया है कि कोई भी व्यापारी घर बैठे अपना हिसाब-किताब पूरा कर सकता है। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है, बल्कि व्यापार करने में भी आसानी हुई है। यह समय उन अधिकारियों और कर्मचारियों के परिश्रम को भी सलाम करने का है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि देश का खजाना सुरक्षित रहे और कहीं भी राजस्व की चोरी न हो। इसके साथ ही, हमें यह भी समझना होगा कि कर के माध्यम से एकत्र किया गया धन आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ईंधन की तरह काम करता है। जब हमारे उद्योग जगत में पारदर्शिता बढ़ती है, तो विदेशी निवेश भी भारत की ओर आकर्षित होता है। यह निवेश न केवल नई फैक्ट्रियां लगाता है, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करता है। हमारी आर्थिक नीतियां तभी सफल हो सकती हैं जब राजस्व विभाग और करदाता के बीच विश्वास का एक मजबूत रिश्ता हो। यही विश्वास आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर और भी ऊंचा स्थान दिलाएगा।

किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि वहां के नागरिकों की ईमानदारी से होता है। जब हम ईमानदारी से टैक्स चुकाते हैं, तो हम भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हैं। यह अवसर हमें यही सीख देता है कि हमें अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाना चाहिए। कर की चोरी न केवल अपराध है, बल्कि यह देश के विकास की गति को रोकने जैसा है। एक पारदर्शी और मजबूत कर व्यवस्था ही एक स्वस्थ समाज और शक्तिशाली भारत की पहचान है। आज जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब ऐसी संस्थाओं और व्यवस्थाओं की भूमिका और भी बढ़ जाती है। विकसित भारत का सपना तभी सच होगा जब हर व्यक्ति अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझेगा। आइए, आज हम यह संकल्प लें कि हम कर चोरी जैसी बुराइयों को खत्म करने में सहयोग करेंगे और एक ईमानदार करदाता बनकर देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेंगे। हमारी छोटी सी ईमानदारी ही कल के समृद्ध भारत की सबसे बड़ी ताकत बनेगी'

मुफ़्त रेवड़ी आवंटन फिक्रमंद अदालत बेफिक्र सरकार?

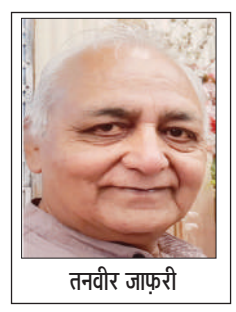

तनवीर जाफ़री

हमारे देश की राजनीति में नेताओं की सत्ता लोलुपता से देश की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। केंद्र सरकार से लेकर अनेक राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिये ऐसी ऐसी योजनायें शुरू की गयी हैं जिनका सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आज देश के ऐसे कई राज्य जोकि भारी कर्ज और बजट घाटे में होने के बावजूद चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन, मुफ़्त रसोई गैस आदि बाँट रहे हैं। कहीं बैंक कर्ज मुआफ कर दिया जाता है। यहाँ तक कि अब तो कुछ राज्यों में चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं के खातों में नकद धनराशि भी हस्तानांतरित की जा रही है। मतदाताओं को मुफ़्त रेवड़ी बांटने की इस कवायद का दूरगामी प्रभाव यह होता है कि इससे सरकारों के पास विकास कार्यों हेतु व बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पैसे नहीं बच पाते। परन्तु यह निखट्टू लोगों की राजनीति में सक्रियता का ही परिणाम है कि इन सत्तालोलुप लोगों को केवल मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में करने व सत्ता में बने रहने के लिये राज्यों का भारी कर्ज में डूबना भी मंजूर है और राज्य का बजट घाटे में जाना भी स्वीकार है।

परन्तु सत्ता की इसी तरह की गैर जिम्मेदाराना योजनाओं पर देश की उच्च अदालतें कई बार अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायलय की एक बेंच द्वारा की गयी ऐसी ही एक ताजातरीन तल्ख टिप्पणी गत 19 फरवरी को एक बार फिर सामने आयी जो गैर जिम्मेदार सत्ताधीशों के लिये आँखें खोलने वाली हैं। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की

एक याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत द्वारा यह टिप्पणी उस समय की गयी जब तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी उपभोक्ताओं को मुफ़्त बिजली देने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान सर्वोच्च न्यायलय ने मुख्य रूप से यह कहा कि -कई राज्य पहले से ही भारी कर्ज और बजट घाटे में हैं, फिर भी चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन , रसोई गैस, कैश ट्रांसफर जैसी मुफ़्त सुविधाएं बांट रहे हैं। इससे विकास और बुनियादी ढांचे के लिए पैसे नहीं बचते। अगर सरकारें लोगों को सुबह से शाम तक सब कुछ मुफ़्त देती रहेंगी, तो लोग काम क्यों करेंगे? इससे काम करने की आदत खत्म हो जाएगी और लोग आलसी बन जाएंगे। गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन अमीर-गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ़्त सुविधाएं देना गलत है। यह एक तरह की तुष्टीकरण नीति है, जो राष्ट्र निर्माण में बाधा डालती है।

इतना ही नहीं बल्कि माननीय अदालत ने सरकार से यह भी पूछा कि आप किस तरह का कल्चर बना रहे हैं? अदालत ने चेतावनी देते हुये कहा कि विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचेगा अगर यह सिलसिला जारी रहा। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को रोजगार सृजन पर फोकस करने की सलाह दी, न कि सिर्फ मुफ़्त चीजें बांटने पर। यह सुनवाई के दौरान की गई मौखिक टिप्पणियां थीं, जो फ्री बीज कल्चर पर कोर्ट की बढ़ती चिंता को दिखाती हैं। पूर्व में भी मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर न्यायालय अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी हैं। 2022-2024 के दौरान भी अदालत ने मुफ़्त की रेवड़ी बांटने को चुनावी लालच देने से जोड़ते हुये कहा था कि यह लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए नुक़्सानदेह है। अदालत ने यह भी बार-बार कहा कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों के लिए तो ठीक हैं, लेकिन अनुचित मुफ़्त वादे विकास को रोकते हैं। गोया सर्वोच्च न्यायालय मुफ़्त रेवड़ी कल्चर को न केवल आर्थिक बोझ बता चुका है बल्कि इसे काम की संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के खिलाफ भी माना है। यह आलोचना समय-समय पर दोहराई जाती रही है, खासतौर पर तब जबकि राज्य सरकारें चुनावों से पहले ऐसी योजनाएं घोषित करती हैं। केवल अदालतें ही नहीं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2022 में रेवड़ी कल्चर को खतरनाक बता चुके हैं।

यही मुफ़्त रेवड़ी कल्चर गत अक्टूबर 2025 में बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान तो अनैतिकता की अपनी सारी हदें पार कर गया। याद रहे कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का शेड्यूल 6 अक्टूबर 2025 को घोषित हुआ था और उसी दिन चुनाव आचार संहिता भी लागू हो गयी थी। परन्तु चुनाव आचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाते हुये बिहार की नितीश सरकार ने अक्टूबर-नवंबर 2025 में कई बार महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर कर दिये। बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत चुनाव घोषित होने के बाद भी महिलाओं के खातों में पैसे ट्रांसफर किये जाने पर काफी विवाद भी हुआ था। परन्तु चुनाव पर इसका असर यह हुआ नीतीश कुमार की अगुवाई में एन डी ए ने बिहार के 2025 के विधान सभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की। कई विश्लेषकों ने दावा किया कि महिला मतदाताओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर करने के कारण महिलाओं की मतदान दर बढ़ी क्योंकि महिलाओं को इसका सीधे फायदा मिला।

परन्तु विपक्षी दलों ने इसे चुनावी रिश्वत या वोट खरीदने की कोशिश करार दिया था । कुछ सांसदों ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत की थी कि यह चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन है और निष्पक्ष चुनाव को प्रभावित करता है। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसी रेवड़ी के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें चुनाव को रद्द करने और नए चुनाव कराने की मांग की गई। और इसे संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 (भ्रष्ट आचरण) का उल्लंघन बताया। इसी तरह भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ़्त राशन योजना चलाई जा रही है जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत संचालित होती है। यह योजना कोरोना महामारी के दौरान शुरू हुई थी, लेकिन अब इसे स्थायी रूप से विस्तारित कर दिया गया है। सरकारी दावों के अनुसार 1 जनवरी 2024 से अगले 5 वर्षों (यानी दिसंबर 2028 तक) के लिए सरकार ने लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ़्त खाद्यान्न प्रदान करने का फैसला किया है। वर्तमान में लगभग 80 करोड़ लोग इस योजना के तहत मुफ़्त राशन प्राप्त कर रहे हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा योजनाओं में से एक है। आलोचकों का कहना है कि इस योजना से भी जहाँ लोगों में मुफ़्तखोरी की संस्कृति बढ़ेगी वहीँ इस मुफ़्त रेवड़ी का लाभ सत्ता को मिलेगा। बड़ा आश्चर्य है कि आज इस मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर अदालतें तो फिक्रमंद हैं जबकि सरकार पूरी तरह बेफिक्र है?

अगर आपके हाथ पैरों का भी बढ़ गया है कालापन तो दूर करने के लिये फॉलो करें यह टिप्स

आमतौर पर अंडरआर्म ज्यादातर लोगों के लिए काला होता है। अत्यधिक पसीने के कारण यहां अंधेरा दिखाई देता है। यह कालापन आत्मविश्वास को कम करता है। इस वजह से महिलाओं के लिए स्लीवलेस और कट स्लीव के कपड़े पहनने का सपना अधूरा है। यदि अत्यधिक पसीने को रोकने के लिए किसी डिओडोरेंट का उपयोग किया जाता है, तो वे त्वचा को और अधिक काला करने का जोखिम उठाते हैं।कोई भी प्राकृतिक उपचार त्वचा के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। जानिए पसीने के कारण त्वचा का कालापन कैसे दूर करें।

संकलो में काले मुद्दे को हल करने का तरीका यहां दिया गया है

दुनहाने के तुरंत बाद कपड़े न पहनें। दो से तीन मिनट प्रतीक्षा करें। इस दौरान शरीर को सामान्य तापमान पर आना चाहिए। बैक्टीरिया के संक्रमण आदि के कारण नमी के कारण होने वाले संक्रमण से बचने के लिए शरीर को ठीक से सूखने दें।

दुअतिरिक्त बालों से बचने के लिए नियमित रूप से शेविंग करते रहें। ऐसा करने से नमी और गंध नहीं आती है। इससे कालेपन से बचा जा सकता है।

प्रसंस्कृत भोजन, शराब और अन्य चीजों के सेवन से बचें जिससे अत्यधिक पसीना आता है, उच्च वसा वाले खाद्य पदार्थों से बचें।

– शरीर में पसीना कम करने वाले पानी, कैल्शियम, बादाम आदि से भरपूर पानी का अधिक सेवन करना चाहिए।

– मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, यानी गर्मियों में कॉटन, थोड़े ढीले कपड़े जिससे ज्यादा तनाव न हो। संकल्प को ज्यादा पसीना नहीं आता।

रेस्टोरेंट या बाहर का खाना खाने से अब नहीं बढ़ेगा वजन

वीकेंड हो या कोई त्योहार हम में से ज्यादातर लोग अपने परिवार के साथ अक्सर डिनर और लंच के लिए किसी रेस्टोरेंट में जाना पसंद करते हैं. वहीं घर से बाहर रहने वाले स्टूडेंट या नौकरी करने वाले लोग भी ज्यादातर समय खाना ऑनलाइन ही ऑर्डर करते हैं. ऐसे में हम जब भी खाना रेस्टोरेंट से ऑर्डर करते हैं तो कई लोग सलाह देते है कि बाहर का खाना खाने से वजन बढ़ जाएगा और मोटापा कि समस्या घेर लेगी. क्योंकि, बाहर खाए जाने वाले भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में ज्यादा कैलोरी और फैट होती है और बाहर खाना अनजाने में वजन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है.

हालांकि, कुछ रणनीतियां हैं जिनका उपयोग करके आप भोजन योजना का पालन करते हुए भी बाहर खाने का आनंद ले सकते हैं...

न्यूट्रिशनिस्ट अरबी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे रेस्टोरेंट के कुछ खास फूड आइटम्स आपका वेट कम करने में आपकी मदद कर सकता है.

होटल या रेस्टोरेंट में खाना खाते या ऑर्डर करते समय इन 10 हेल्दी और वेट कम करने वाले फूड आइटम्स का जरूर रखें ध्यान

सुशी– कम कैलोरी, हाई फाइबर का सबसे अच्छा ऑप्शन है. ब्राउन चावल और सब्जी से भरे इस रोल का ऑप्शन जरूर चुनें.

पनीर टिक्का– हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी के लिए पनीर टिक्का का ऑप्शन बेहतर है. इसे सब्जियों और साबुत अनाज के साथ खाएं.

वेजिटेबल कबाब

लो कैलोरी, हाई फाइबर से भरपूर ग्रिल्ड या रोस्टेड कबाब का विकल्प चुनें.

भूनी हुई सब्जियां और पनीर

हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी के साथ भूनी हुई सब्जियां और पनीर का ऑप्शन जरूर चुनें, इसके साथ साबुत अनाज चुनें और ज्यादा सब्जियां खाएं.

सब्जी दाल सूप

कम कैलोरी, हाई फाइबर से भरपूर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ऑप्शन के लिए चुनें.

खिचड़ी

कम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए साबुत अनाज, दाल और सब्जियों से बना खिचड़ी

स्टीम्ड वेजिटेबल डम्प्लिंग

मीडियम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए साबुत गेहूं या सब्जी आधारित रैपर चुनें.

होल व्हीट मशरूम रैप

मीडियम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए अधिक मात्रा में सब्जियां खाएं और कम कैलोरी वाले सॉस का चुनाव करें.

क्विनोआ बाउल विद ग्रिल्ड पनीर

हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी विकल्प के लिए इसे चुनें. बता दें, क्विनोआ फाइबर प्रदान करता है, जबकि पनीर प्रोटीन प्रदान करता है.

बेसन चीला

मीडियम कैलोरी, हाई प्रोटीन ऑप्शन के लिए बेसन, सब्जियों और मसालों से बनाया गया चीला चुनें.

ऑर्डर करते समय, याद रखें...

रिफाइंड अनाज, की जगह साबुत अनाज चुनें.

अधिक मात्रा में सब्जियां और फलियां खाएं.

ग्रिल्ड, रोस्टेड या स्टीम्ड विकल्प चुनें.

ज्यादा कैलोरी और चीनी वाले सॉस और ड्रेसिंग का सेवन सीमित करें.

खूब पानी पियें और मीठे पेय पदार्थों का सेवन सीमित करें. इन विकल्पों को चुनकर, आप अपने वजन घटाने के लक्ष्य और समग्र कल्याण में सहायता करेंगे.

स्किन के लिए गुणकारी है पत्थरचट्टा, जानें कैसे इसका इस्तेमाल कर सकते हैं

स्किन के लिए जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए अक्सर हम कई तरह के घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप भी अपनी स्किन को हेल्दी रखना चाहते हैं, तो पत्थरचट्टा की पत्तियों का भी प्रयोग कर सकते हैं, आइए आपको बताते हैं कैसे इस्तेमाल करें।

खराब जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से है कई सारी समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। स्किन से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने के लिए महिलाएं महंगे–महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का प्रयोग कर सकते हैं। आमतौर पर कई महिलाएं पार्लर जाकर मेकअप या स्किन ट्रीटमेंट स्किन को स्वस्थ रखने के लिए किया जा सकता है, इसमें पत्थरचट्टा भी शामिल है। स्किन से जुड़ी समस्याओं से बचाव या राहत का लिए आप अपने स्किन केयर रुटीन में पत्थरचट्टा भी यूज कर सकते हैं। पत्थरचट्टा की पत्तियां एक्ने से राहत दिलाने में मदद करती है। स्किन की एलर्जी कम होती है।

पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं

पत्थरचट्टा की पत्तियां में फ्लेवोनोइड्स, एल्कलॉइड्स और ग्लाइकोसाइड्स समेत कई बायोएक्टिव कंपाउंड्स पाए जाते हैं। यह आपकी स्किन पर एंटी–इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव पैदा करते हैं, जिससे खुजली जैसी समस्या से राहत मिल सकती है। आइए आपको बताते हैं कैसे इसका प्रयोग करें।

– पत्थरचट्टा की पत्तियों को कुचलकर थोड़ा सा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपनी स्किन के प्रभावित त्वचा पर 15 मिनट के लिए लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से अपना मुंह धो लें। – पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल करके आप फेस मास्क के रुप में भी यूज कर सकते हैं। इन पत्तियों का फेस मास्क बनाने के लिए पहले आप इन्हें अच्छे तरीके से ग्राइंड कर

अगर आप एक महीने तक चाय पीना पूरी तरह बंद कर दें तो क्या होगा?

चाय आज के समय में लगभग हर किसी के जीवन का हिस्सा है. रोज सुबह बिस्तर से उठते ही चाय की चुस्की के साथ अपना नींद खोलना बहुत से लोगों को बेहद अच्छा लगता है. वहीं, नाश्ते के समय भी ज्यादातर लोग चाय पीते हैं. ऐसे में देखा जाए तो बहुत से लोग दिन में कई बार चाय का सेवन करते हैं. अधिकतर लोगों को चाय की ऐसी लत होती है कि वे दिनभर में 3 से 4 बार इसका सेवन करते है. हालांकि, अधिक मात्रा में चाय के सेवन सेहत के लिए नुकसानदेह होता है .

एक महीने तक चाय न पीने के फायदे

चाय हमारे देश में लगभग 90 प्रतिशत लोगों का पसंदीदा हॉट ड्रिंक है. कुछ लोगों को सुबह उठते ही चाय पीने की इच्छा होती है, तो वहीं कुछ लोग दिन में अनगिनत बार चाय पीते हैं. क्योंकि चाय में निकोटिन जैसा ही तत्व तंबाकू में भी होता है. लोगों की इसकी लत लग जाती है. चाय एक प्रकार की ऊर्जा और ताजगी का भी सोर्स है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि हम जो चाय रोजाना पीते हैं उसमें मौजूद चीनी की मात्रा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर सकती है?

चाय प्रेमियों के लिए एक महीने तक चाय न पीना वाकई एक बड़ी चुनौती जैसा होगा, लेकिन चाय पीने की इच्छा पर अंकुश लगाने से उनके स्वास्थ्य को अनगिनत फायदे मिल सकते हैं. आमतौर पर हम जो चाय पीते हैं उसमें चीनी की मात्रा अधिक होती है. इससे कैलोरी बढ़ती है. इसके अलावा स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, चाय में ज्यादा चीनी की मात्रा पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है.

एक महीने तक शुगर–फ्री रहने के फायदे

इसलिए अगर आप एक महीने के लिए मीठी चाय पीना बंद कर देते हैं, तो आपका पाचन बेहतर हो जाएगा. इससे वजन भी कम होता है. इतना ही नहीं इससे आपको कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी नहीं होंगी. यदि आप एक महीने तक चीनी वाली चाय नहीं पीते हैं तो, आपके ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहेगा, चीनी के लिए कम लालसा होगी, आप एनर्जेटिक महसूस करेंगे, दांत की सेहत बेहतर हो जाएगी, और संभावित रूप से स्किन साफ हो जाएगा, क्योंकि ज्यादा चीनी का सेवन मुंहासे में योगदान कर सकता है. हालांकि, चीनी को पूरी तरह से छोड़ने के पहले कुछ दिनों के दौरान आपको लालसा और थकान जैसे वापसी के लक्षणों का अनुभव हो सकता है.

कई अध्ययनों से पता चला है कि एक महीने तक मीठी चाय से परहेज करने से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है. मीठी चाय पीने से त्वचा पर दाने और छाले हो सकते हैं. इसलिए बेहतर है कि अपनी त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए मीठी चाय न पियें. चाय पीने की आदत से बचने से सीने में जलन, चक्कर आना और हृदय गति में उतार–चढ़ाव जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है. अगर आपके हाथ कांप रहे हैं तो चाय पीने से समस्या और बढ़ सकती है. इसके अलावा, यदि आप चाय पीना बंद कर दें तो हाई ब्लड प्रेशर सामान्य हो जाएगा.

चेहरा टैनिंग के कारण दिखता है मुरझाया हुआ तो लगा लें ये 5 डी टैन पेस पैक्स, खिल उठेगी त्वचा

धूप चाहे गर्मियों की हो या सर्दियों की, बहुत ज्यादा देर तक त्वचा के संपर्क में आती है तो टैनिंग की वजह बन जाती है. टैनिंग के कारण ऐसा लगता है जैसे चेहरे पर दाग–धब्बे पड़ गए हैं या मैल जम गया है. इस टैनिंग को कम करने के लिए घर पर ही कुछ फेस पैक्स बनाकर लगाए जा सकते हैं. ये फेस पैक्स स्किन पर निखार लाने का काम करते हैं. इनसे टैनिंग हल्की होने लगती है और त्वचा को उसकी खोई हुई चमक वापस मिल जाती है. यहां जानिए कौनसे हैं ये फेस पैक्स और किस तरह इन्हें घर पर ही आसानी से बनाकर चेहरे पर लगाया जा सकता है.

टमाटर का फेस पैक

त्वचा की टैनिंग कम करने में टमाटर कमाल का असर दिखाता है. टमाटर से फेस पैक बनाने के लिए टमाटर के पल्प को निकालें और इसमें थोड़ा सा खीरे का रस मिला लें. आप चाहे तो टमाटर को सादा भी चेहरे पर लगा सकते हैं. टमाटर के पल्प को 15 से 20 मिनट त्वचा पर लगाकर रखने के बाद धोकर हटाएं. त्वचा पर जमी डेड स्किन सेल्स भी निकलने लगती हैं. टमाटर सन डैमेज को कम करने में मददगार होता है.

दूध और हल्दी

टैनिंग हल्की करने के लिए इस सदियों से चले आ रहे नुस्खे को आजमाकर देखा जा सकता है. एक कटोरी में दही लें और उसमें थोड़ी सी हल्दी मिला लें. दही और हल्दी के इस मिश्रण को चेहरे पर रूई की मदद से लगा लें. इसे चेहरे पर लगाकर तकरीबन आधे घंटे रखें और फिर धोकर हटाएं. हफ्ते में 2 बार इस मिश्रण को लगाकर देखा जा सकता है.

बेसन और दही

चेहरे पर बेसन और दही को लगाने पर त्वचा एक्सफोलिएट होती है और चेहरे पर जमी डेड स्किन सेल्ट हटने लगती हैं. बेसन और दही त्वचा से मैल छुड़ाकर त्वचा को दमकदार बनाता है. कटोरी में 2 चम्मच बेसन लें और इसमें जरूरत के अनुसार दही मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें. इस फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 15 से 20 मिनट रखें और फिर हल्के हाथों से मलते हुए छुड़ा लें.

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा

सनटैन दूर करने में मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का भी अच्चा असर दिखता है. एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 2 चम्मच एलोवेरा जैल मिलाएं. इस फेस पैक को चेहरे पर 15 मिनट लगाकर रखा जा सकता है. इसे छुड़ाने के बाद चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें.

मलाई और केसर

मलाई को चेहरे पर सादा या फिर केसर के साथ मिलाकर लगाया जा सकता है. इससे त्वचा का रूखापन दूर होता है, मैल हटता है और टैनिंग कम होने में असर दिखता है. एक कटोरी में चम्मच भरकर मलाई और 1–2 केसर के छल्ले डालकर मिलाएं. इसे उंगलियों पर लेकर चेहरे पर पर मलें. आपको दिखेगा कि चेहरे पर जमा मैल छूटकर निकलना शुरू हो गया है. मलाई को चेहरे पर मलने के बाद पानी से धोकर छुड़ा लें.

पिकअप वैन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी, पांच की मौत, 7 घायल

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले से सोमवार को धारणी तालुका के रानीगांव घाट मार्ग पर एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि सात गंभीर रूप से घायल हुए। सभी घायलों का अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह दुर्घटना रानीगांव घाट सेक्शन में शिवाझिरी गांव पास हुई। जानकारी के मुताबिक पिकअप वैन संकरी और घुमावदार पहाड़ी सड़क से गुजर रही थी। इसी दौरान चालक का नियंत्रण खो गया। संतुलन बिगड़ते ही वैन सड़क से फिसलकर सीधे गहरी खाई में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा बेहद भीषण था। वाहन के खाई में गिरते ही उसमें सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। संकरी घाट सड़क और गहरी खाई के कारण बचाव अभियान में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। स्थानीय ग्रामीणों ने भी राहत और बचाव कार्य में मदद की। कई घंटों की मशक्कत के बाद घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी सात घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक कुछ घायलों की हालत गंभीर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना चालक की लापरवाही, तेज रफ्तार या किसी तकनीकी खराबी के कारण हुई। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिमाचल भवन में आधी रात पहुंची दिल्ली पुलिस... हंगामे का वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली स्थित हिमाचल भवन में रात को पुलिस की अचानक एंट्री का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे वहां ठहरे लोगों में हड़कंप मच गया था। वायरल क्लिप में देखा जा सकता है कि पुलिसकर्मी बिना कोई स्पष्ट वारंट दिखाए हिमाचल भवन के कमरों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर मौजूद लोग विरोध कर रहे हैं और पूछ रहे कि सरकारी जगह पर बिना आदेश कैसे प्रवेश हो सकता है। एक महिला, जो खुद को एडवोकेट बता रही है, कैमरे के सामने यह भी पूछती दिखती हैं कि 卐सर, आपने मेरे कमरे में घुसने के लिए अनुमति कैसे दी? महिला पुलिसकर्मी कहां हैं?卐 और एक व्यक्ति समय बताकर कहता है कि यह सवा 12 बजे के करीब हुआ था। विरोध के बाद पुलिस वापस लौटती दिख रही है। इस घटना ने हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक सियासत भी गरमाई है। धर्मशाला से बीजेपी विधायक सुधीर शर्मा ने सवाल उठाया है कि हिमाचल सरकार दिल्ली किस उद्देश्य से गई थी, क्या यह रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) की बहाली की मांग के लिए था या किसी और मायने में? उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की है। कुछ रिपोर्टों में यह भी चर्चा है कि दिल्ली पुलिस संभवतः एआई समिट के दौरान टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन करने वाले युवाओं को खोजने के सिलसिले में हिमाचल भवन तक पहुंची थी, जहां पर कुछ प्रदर्शनकारी ठहरे हुए थे। लेकिन इस बारे में पुलिस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान अभी तक नहीं आया है।

छह महीने पहले ही जिसे किया डिपोर्ट वहीं बांग्लादेशी महिला फिर मुंबई में पकड़ाई

-पिछले दो सालों में 1237 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया था

कश्मीर (एजेंसी)। मुंबई में अवैध रूप से रह रही 46 साल की बांग्लादेशी नागरिक राबिया नासिर को बांग्लादेश डिपोर्ट किया गया था, लेकिन हाल ही में वह विले पार्ले इलाके से फिर गिरफ्तार की गई है। उसे छह महीने पहले ही मीरा-भायंदर से गिरफ्तार कर डिपोर्ट किया था। मुंबई के अलग-अलग इलाकों से पिछले महीने पकड़ी गई जुलेखा जमाल शेख और बिलकिस बेगम सिरमिया अख्तर ने भी पुलिस को बताया कि उन्हें अगस्त 2025 में बांग्लादेश भेजा गया था, लेकिन वे अवैध तरीके से फिर भारत लौट आई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राबिया पिछले 25 सालों से मीरा-भायंदर में घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी, उसने पुलिस को बताया कि वह जंगलों के रास्ते सीमा पार कर वापस भारत में दाखिल हुई। आरोप है कि कुछ लोग सीमा सुरक्षा कर्मियों को रिश्वत देकर दोबारा भारत में घुस रहे हैं। राज्य में अवैध प्रवासियों के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई के तहत पिछले दो सालों में 1237 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। मुंबई महानगर क्षेत्र के साथ-साथ पूरे राज्य में गिरफ्तारियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि मुंबई के सभी 93 पुलिस थानों को अवैध प्रवासियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 2025 में एक हजार से ज्यादा अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किया गया था। 2026 में भी सैकड़ों लोगों को पकड़ा है, जिन्हें जल्द ही डिपोर्ट किया जाएगा। बता दें राबिया नासिर को 8 अगस्त 2025 को मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस ने डिपोर्ट किया था। हाल ही में उन्हें विले पार्ले (पश्चिम) से एक गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा गया। इसके अलावा, पिछले सप्ताह वर्सोवा पुलिस ने अंधेरी (पश्चिम) से 21 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया था, जिनमें 18 ट्रांसजेंडर शामिल थे। पुलिस ने बताया कि सभी के खिलाफ एफआरओ को रिपोर्ट भेज दी गई है ताकि जल्द से जल्द डिपोर्टेशन की कार्रवाई की जा सके।

पुलिसकर्मियों ने वायुसेना के जवान के साथ की मारपीट, कान का पर्दा फटा

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के घाटमपुर क्षेत्र में भारतीय वायुसेना में तैनात एक जवान के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि पिटाई के दौरान जवान के कान का पर्दा फट गया। वह पिछले तीन दिनों से एयरफोर्स अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित की मां ने डीसीपी साउथ कार्यालय में लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है, जिसके बाद जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के देवमनपुर गांव निवासी रेखा सचान के अनुसार, उनका बेटा नितीश सचान भारतीय वायुसेना में कार्यरत है। वह 19 फरवरी को नौरंगा गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। देर रात करीब साढ़े 11 बजे, जब वह मूसानगर रोड स्थित एक गेस्टहाउस से पैदल घर लौट रहा था, तभी पुलिस की गश्ती टीम ने उसे रोक लिया।

मैं कांग्रेस नेता की पत्नी को पाक एजेंट कहता हूं, अगर गलत लगे तो मुझ पर केस करें

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने गौरव गोगोई पर किया बड़ा हमला

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई पर बड़ा हमला बोला उन्होंने कांग्रेस गोगोई पर पाकिस्तान कनेक्शन को लेकर सनसनीखेज आरोप लगाए। एक इंटरव्यू में हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उनकी लड़ाई गौरव गोगोई से नहीं, बल्कि पाकिस्तान से है। उन्होंने गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न को पाकिस्तानी एजेंट बताते हुए कहा कि ऐसे एजेंट भारत में नहीं चाहिए। उन्होंने चुनौती दी कि अगर उनके आरोप गलत हैं, तो गौरव गोगोई उन पर मुकदमा कर दें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक इंटरव्यू में सरमा ने अलग-अलग मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मैं गौरव गोगोई की पत्नी को पाक एजेंट कहता हूं। अगर किसी को यह गलत लगे तो वह मुझ पर केस कर सकता है। अगर मेरे पास कुछ गैरकानूनी है तो वह भी ले लो। वह कोर्ट नहीं जाएंगे क्योंकि वह खुद गलत हैं। अगर उन्होंने झूठा आरोप लगाया है तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए। सरमा ने जोर देकर कहा कि अगर वह कांग्रेस में बने रहते और 'जी-हुजूरी' करते, तो शायद सीएम बन जाते, लेकिन उनके लिए आत्मसम्मान और असम की जनता का हित सबसे ऊपर है। उन्होंने असम में घुसपैठियों के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि राज्य की डेमोग्राफी को बदलने की कोई साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरमा ने कहा कि केंद्र और राज्य की 'डबल इंजन सरकार' ने ही असम का उद्धार किया है, जिससे विकास की रफ्तार तेज हुई और घुसपैठ पर लगाम लगी।

हिमंत सरमा ने कांग्रेस के शासन की तुलना करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार में कोई इंजन नहीं था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय विकास कार्य नहीं होते थे। कांग्रेस के समय तुलना के लिए कुछ नहीं था। मोदी सरकार के 11 साल में काम नजर आ रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और उन्हें 'असामान्य' बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी असामान्य हैं। चैट जीपीटी भी राहुल को असामान्य बता देगा। इतनी ठंड में हाफ टी-शर्ट कैसे पहन सकता है? ठंड में हाफ टी-शर्ट नॉर्मल व्यवहार नहीं है। साधु-संतों के कम कपड़े समझ में आते हैं, लेकिन राहुल असामान्य हरकतें करते हैं।

वहीं, घुसपैठियों के मुद्दे पर सीएम सरमा ने कहा कि घुसपैठियों को बांग्लादेश भेजना जरूरी है। घुसपैठियों ने असम की जमीन पर कब्जा किया है। असम समझौते के बाद घुसपैठिए बढ़ गए। वो फैसला करें कि जमीन पर कब्जा नहीं करेंगे। वह फैसला करें कि 11 बच्चे नहीं करेंगे। हिंदू के 3 बच्चे, घुसपैठियों के 11 बच्चे? असम की अस्मिता की रक्षा करनी होगी। मैं सेक्युलर लोगों से नहीं डरता हूं। उन्होंने स्पष्ट किया कि असम की अस्मिता और जनता की सुरक्षा उनके लिए प्राथमिकता है, और वे किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे। असम समझौते के बाद घुसपैठिये बढ़ गए. वो फैसला करें कि जमीन कब्जा नहीं करेंगे, वो फैसला करें कि 11 बच्चे नहीं करेंगे। हिंदू के 3 बच्चे, घुसपैठियों के 11 बच्चे? असम की अस्मिता की रक्षा करनी होगी. मैं सेक्युलर लोगों से नहीं डरता हूं।

रनवे पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ एक और तेजस, वायुसेना ने 30 विमानों की उड़ान पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना का एक तेजस लड़ाकू विमान प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में एक अग्रिम एयरबेस पर लैंडिंग के वक्त संदिग्ध ब्रेक फेल होने के कारण विमान रनवे से आगे निकल गया। इस घटना में विमान के ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, हालांकि राहत की बात यह रही कि पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में कामयाब रहा। यह घटना 7 फरवरी की बताई जा रही है, जिस पर अभी तक वायुसेना की ओर से कोई औपचारिक सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। इस दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने एहतियाती कदम उठाते हुए लगभग 30 सिंगल-सीट तेजस जेट विमानों के पूरे बेड़े को अस्थायी रूप से उड़ान भरने से रोक दिया है। सूत्रों का कहना है कि विमानों की तकनीकी जांच और सुरक्षा मानकों की व्यापक समीक्षा पूरी होने तक यह बेड़ा जमीन पर ही रहेगा। तेजस विमान से जुड़ी यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले मार्च 2024 में जैसलमेर के पास एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था और दूसरी घटना नवंबर 2025 में दुबई एयरशो के दौरान सामने आई थी। हादसों के बीच वायुसेना अपनी मारक क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक विमानों को शामिल करने पर जोर दे रही है। वायु शक्ति अभ्यास से पूर्व एक प्रेस वार्ता में वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर ने कहा कि बल अपने बेड़े में नई पीढ़ी के और भी अधिक विमानों को शामिल करने का इच्छुक है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में राफेल की भूमिका की सराहना करते हुए उसे चर्चा का केंद्र बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वायुसेना और अधिक बहु-भूमिका लड़ाकू विमानों को शामिल करने पर विचार कर रही है, चाहे वह राफेल हो या कोई अन्य विमान। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

2021 से जनवरी 2026 तक केंद्र सरकार ने कबाड़ बेचकर कमाए 4,405 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने सोमवार को कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत 2021 से जनवरी 2026 तक, उसने कबाड़ की बिक्री से कुल 4,405.28 करोड़ रुपए की आय प्राप्त की है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के मुताबिक दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच कबाड़ निपटान से 200.21 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जबकि जनवरी माह में स्वच्छता अभियान के तहत 5,188 कार्यालयों में 81,322 फाइलें छांटी गईं।

रिपोर्ट में विभाग के मुताबिक जनवरी में देशभर में 5,188 स्थानों पर सफाई अभियान सफलतापूर्वक चलाए गए। करीब 4.34 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान खाली हुआ है, जिसमें कोयला मंत्रालय और भारी उद्योग मंत्रालय का अहम योगदान रहा है। पिछले महीने, कबाड़ निपटान से 115.85 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जिसमें रेल मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय और कोयला मंत्रालय जैसे मंत्रालयों का अहम योगदान रहा।

वहीं, एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रभावी अभिलेख प्रबंधन के तहत 1,82,000 फिजिकल फाइलों की समीक्षा की गई, जिनमें से 81,322 फाइलें अनावश्यक पाई गईं। 5,57,852 जन शिकायतों का निपटारा किया गया साथ ही 1,032 सांसद संबंधी संदर्भों और 375 राज्य सरकार संबंधी संदर्भों का भी निपटारा किया गया। इसमें आगे कहा गया है कि फाइलों की संख्या कम करने की पहल को अपनाने से सक्रिय फाइलों के लिए औसत लेनदेन स्तर में उल्लेखनीय कमी आई है, जो 2021 में 7.19 से घटकर जनवरी 2026 तक 4.31 हो गया है। जनवरी 2026 में बनाई गई कुल फाइलों में से करीब 93.81 फीसदी ई-फाइलें हैं। प्राप्त रसीदों में से करीब 95.29 फीसदी ई-रसीदें थीं और 65 मंत्रालयों और विभागों ने उल्लेखनीय स्तर पर कम से कम 90 फीसदी ई-फाइलों को अपनाया है। 26 जनवरी के लिए पंद्रह मंत्रालयों व विभागों की ई-रसीदों में 100 फीसदी हिस्सेदारी है।

राज्यसभा चुनाव में तेलंगाना से कांग्रेस को लग सकता है झटका... केसीआर एक सीट पर दावा करने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने वाले हैं। बिहार में 5 सीटों पर चुनाव में एनडीए की जीत तय मानी जा रही है। वहीं तेलंगाना में भी 2 सीटों पर वोटिंग होनी है। इन दो सीटों पर कांग्रेस की जीत अब तक तय मानी जा रही थी, लेकिन अब खेल बदलता नाराज आ रहा है। इस राज्य में भाजपा इस स्थिति में नहीं है कि कांग्रेस को चुनौती दे, लेकिन भारत राष्ट्र समिति के नेता के. चंद्रशेखर राव ने एक उम्मीदवार खड़ा करने का फैसला लिया है। इन खबरों से कांग्रेस नेतृत्व को झटका लगाना लाजिमी है, जो पहले ही ज्यादातर राज्यों में सीटें जीतने की स्थिति में नहीं है। अप्रैल में दो सीटें खाली हो रही हैं। अब तक कांग्रेस तेलंगाना में मानकर चल रही थी कि इन दोनों सीटों पर आसानी से जीत मिल जाएगी।

लेकिन केसीआर ने जिस तरह से राज्य में राज्यसभा चुनाव को लेकर समीकरण बदलने की कोशिश की है, इससे कांग्रेस टेंशन में आ गई है। अब कांग्रेस के लिए स्पष्ट हो गया होगा कि मुकाबला गणित, गठबंधन और अन्य तमाम चीजों से तय होगा। मीडिया में खबरें हैं कि केसीआर किसी चर्चित व्यक्ति को उतारना चाहते हैं। विधानसभा रिकॉर्ड्स के अनुसार केसीआर के पास कुल 37 विधायक हैं। इसमें से 10 विधायक हैं, जो कांग्रेस के पास जा चुके हैं और उनकी अयोग्यता को लेकर मामला चल रहा है। इस मामले में 8 विधायकों पर बीआरएस की आपत्ति को स्पीकर ने खारिज किया है। वहीं दो पर अभी ट्राइब्यूनल में मामला लंबित है।

यदि एक राज्यसभा सीट जीतनी है, तब किसी भी दल को 41 विधायकों की जरूरत है। कुल 37 विधायकों का दावा करने वाली बीआरएस के साथ यदि उसके अपने सभी विधायक बने रहते हैं, तब बीआरएस को अलग से सिर्फ 4 विधायकों की ही जरूरत होगी। फिलहाल खबर है कि बीआरएस की ओर से उन दलों से वार्ता हो रही है, जिनके समर्थन से इस आंकड़े को हासिल कर सकते है। राज्य में कांग्रेस के पास 66 विधायक हैं। इसके अलावा सीपीआई के भी एक विधायक का कांग्रेस को समर्थन है। अब तक वह मान रही थी कि बीआरएस मुकाबले से दूर रहेगी। लेकिन जब एक राज्यसभा सीट हासिल करने की स्थिति केसीआर को दिखी, तब उन्होंने मुकाबले में उतरना ही ठीक समझा है।

फिलहाल पूरा मामला इस बात पर अटक गया है कि आखिर वे 10 विधायक किसके साथ जाते हैं, जो बीआरएस से बागी हुए हैं। इसके अलावा भाजपा और ओवैसी के एआईएमआईएम पर भी नजरें टिक गई हैं। राज्य में ओवैसी के पास कुल 7 विधायक हैं, जबकि भाजपा के पास भी 8 का समर्थन है। इस तरह से मुकाबला काफी पेंचीदा हो सकता है। साफ है कि एक सीट भले कांग्रेस आसानी से पा जाए, लेकिन दूसरी सीट जीतना टेढ़ी खीर बन सकता है। दरअसल कांग्रेस की आंतरिक कलह भी उसके लिए हालात मुश्किल कर रही है। दो सीटों में से एक पर अभिषेक मनु सिंघवी को फिर से भेजा जा सकता है। अब रही बात दूसरी सीट की, तब उसके लिए सीएम के सलाहकार वी. नरेंद्र रेड्डी का नाम भी चर्चा में है। इसके अलावा रिटायर्ड जज जस्टिस सुदर्शन रेड्डी भी मुकाबले में हैं।

बिहार में शराबबंदी पर एनडीए में बगावत, भाजपा विधायक ने अपनी ही सरकार को दिखाया आईना

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान शराबबंदी का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है। इस बार विपक्ष के हमले से ज्यादा सत्ताधारी दल भाजपा के अपने ही विधायक विनय बिहारी के बयानों ने सरकार की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। पश्चिमी चंपारण के लौरिया से विधायक विनय बिहारी ने राज्य में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून को पूरी तरह विफल बताते हुए इसे हटाने या सख्ती से लागू करने की मांग की है। उनके इस बयान ने न केवल एनडीए के भीतर मतभेदों को उजागर कर दिया है, बल्कि राजद और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों को सरकार को घेरने का एक बड़ा मौका भी दे दिया है।

बेतिया में पत्रकारों से बातचीत के दौरान विनय बिहारी ने अपनी क्षेत्रीय भाषा भोजपुरी में तंज कसते हुए कहा कि शराब मिलअता, तबे ना लोगवा हिलअता, जिसका अर्थ है कि शराब मिल रही है, तभी लोग इसका सेवन कर रहे हैं। उन्होंने जमीनी हकीकत बयां करते हुए कहा कि आज राज्य में शराब धड़ल्ले से बिक रही है और पीने वाले तथा बेचने वाले दोनों ही जेल जा रहे हैं, लेकिन आपूर्ति नहीं रुक रही। विधायक ने यहां तक कह दिया कि शादियों और बारातों में जाने पर अक्सर लोग नशे की हालत में मिल जाते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कानून केवल कागजों तक सीमित है। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि या तो इस कानून को शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए या फिर इसे खत्म कर पुरानी व्यवस्था बहाल कर दी जाए ताकि राज्य को हो रहे आर्थिक नुकसान और जहरीली शराब से होने वाली मौतों को रोका जा सके।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2016 में बड़े दावों के साथ बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू की थी। तब से अब तक लाखों लीटर शराब जब्त की गई है और लाखों लोग जेल की हवा खा चुके हैं, लेकिन समय-समय पर जहरीली शराब कांड में होने वाली मौतों ने इस कानून की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े किए हैं। विनय बिहारी से पहले केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और रालोमो विधायक माधव आनंद भी इस कानून की समीक्षा की वकालत कर चुके हैं, लेकिन किसी एनडीए विधायक द्वारा इसे सीधे तौर पर हटाने की बात कहना पहली बार देखा गया है। इस बयान के बाद राज्य की सियासत में उबाल आ गया है। जहाँ एक ओर जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा और भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने बचाव की मुद्रा अपनाते हुए कहा कि विधायक की बातों को गंभीरता से लेकर कानून को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा, वहीं विपक्ष ने इसे सरकार की नाकामी करार दिया है। राजद और कांग्रेस प्रवक्ताओं का कहना है कि सरकार के भीतर ही इस कानून को लेकर एकराय नहीं है, जिसका सीधा फायदा माफिया और भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों को मिल रहा है। विपक्ष के अनुसार, पुलिस शराबबंदी को कमाई का जरिया बना चुकी है और आम जनता इसका खामियाजा भुगत रही है।

अजित पवार विमान हादसे की रिपोर्ट 28 फरवरी से पहले आ जाएगी: मोहोल

-भतीजे रोहित पवार ने कई बार हादसे को लेकर साजिश का अंदेशा जताया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री रहे अजित पवार की मौत के मामले में कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। उनके भतीजे रोहित पवार ने कई बार साजिश का अंदेशा जताया है। वहीं केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री और सांसद मुरलीधर मोहोल ने कहा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता अजित पवार की जान लेने वाले विमान हादसे की शुरूआती रिपोर्ट 28 फरवरी को या उससे पहले जारी की जाएगी। पवार और चार अन्य लोगों की 28 जनवरी को बारामती हवाई अड्डे के निकट एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोहोल ने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट घटना के दिन से एक महीने के भीतर, 28 फरवरी को या उससे पहले जारी कर दी जाएगी।। इस घटना को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार के भतीजे रोहित पवार ने कई बार विमान कंपनी से जुड़ी कुछ अनियमितताओं

और अन्य तकनीकी गड़बड़ियों का दावा किया था। उन्होंने साजिश की भी आशंका जताई थी। शनिवार को कर्जत-जामखेड के विधायक ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर मांग की कि दुर्घटना की जांच पूरी होने तक नागर विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू को पद से इस्तीफा देने के लिए कहा जाए।

रोहित पवार ने पत्र में कहा कि वीएसआर कंपनी और राममोहन नायडू की पार्टी से इसके संबंधों को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इन संबंधों की जांच एक स्वतंत्र और सक्षम प्राधिकार द्वारा की जानी चाहिए और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से। पत्र की एक कापी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी भेजी गई है। मोहोल ने कहा कि एजेंसी द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि शुरुआती रिपोर्ट 28 फरवरी से पहले जारी कर दी जाएगी। जांच से जुड़ी हर जानकारी सबके सामने रखी गई है और रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। मैं किसी की भी टिप्पणी पर कुछ नहीं कहना चाहता। नागर विमानन मंत्रालय ने 19 फरवरी को कहा था कि दुर्घटना के 30 दिनों के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी कर दी जाएगी।

महाराष्ट्र सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पिछले महीने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे की सीबीआई से जांच का आदेश देने का अनुरोध किया है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जानकारी दी। महाराष्ट्र विधानमंडल के बजट सत्र की पूर्व संध्या पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, फडणवीस ने कहा कि महायुति सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि विमान दुर्घटना के संबंध में सभी संदेह दूर हो जाएं

कांग्रेस के शर्टलेस प्रदर्शन पर कोर्ट हुआ सख्त, चार यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुए हंगामे पर दिल्ली की एक अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट रवि की कोर्ट ने विरोध प्रदर्शन के तरीके की तीखी आलोचना करते हुए इसे असहमति जताने का अनुचित तरीका करार दिया है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया यह शर्टलेस विरोध प्रदर्शन सार्वजनिक व्यवस्था पर एक सीधा हमला था, जिसने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की कूटनीतिक छवि को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए चार कार्यकर्ताओं को कोर्ट ने शनिवार को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों में बिहार से युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि, बिहार के प्रदेश सचिव कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार और तेलंगाना के नरसिंह यादव शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की हिरासत संबंधी अर्जी को स्वीकार करते हुए मजिस्ट्रेट ने टिप्पणी की कि आरोपी देश के विभिन्न दूर-दराज के इलाकों से ताल्लुक रखते हैं, जिससे उनके फरार होने की आशंका प्रबल है। कोर्ट ने जांच के प्रारंभिक निष्कर्षों का हवाला देते हुए बताया कि इस घटना के पीछे किसी बाहरी साजिश के संकेत मिल रहे हैं, जो मामले की गंभीरता को और अधिक बढ़ा देते हैं।

अदालत के आदेश के अनुसार, इन आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने वैश्विक प्रतिनिधियों और अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी वाले हाई-सिक्योरिटी क्षेत्र भारत मंडपम में घुसने की एक सुनियोजित साजिश रची। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर ऐसी टी-शर्ट पहन रखी थीं, जिन पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संदर्भ में प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक और भड़काऊ नारे लिखे थे। पुलिस रिकॉर्ड और मेडिको-लीगल मामलों (एमएलसी) के आधार पर यह भी सामने आया है कि प्रदर्शन के दौरान सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डाली गई और पुलिसकर्मियों पर शारीरिक हमले किए गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में रेखांकित किया कि लोकतंत्र में असहमति जताने का अधिकार सबको है, लेकिन ऐसा आचरण वैध विरोध की सीमाओं का उल्लंघन करता है। समिट जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान इस तरह की हरकतें विदेशी हितधारकों के समक्ष देश की छवि को धूमिल करती हैं। कोर्ट ने यह भी माना कि आरोपियों के कई सहयोगी फिलहाल फरार हो सकते हैं, जो डिजिटल सबूतों और वित्तीय सुरागों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं। गहन जांच की आवश्यकता पर बल देते हुए अदालत ने कहा कि ये अपराध अंतरराष्ट्रीय मंच पर सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 121 (लोक सेवक

को कर्तव्य से रोकने के लिए चोट पहुंचाना) और धारा 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अब चारों आरोपियों को 25 फरवरी तक पुलिस हिरासत में रहकर पूछताछ का सामना करना होगा। इस घटना ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि राजनीतिक विरोध के गिरते स्तर पर भी एक नई बहस छेड़ दी है।

स्कोडा की नई रणनीति, काइलैक से सीएनजी और ईवी में बदलाव

लॉन्च होने के बाद काइलैक की बिक्री 50,000 यूनिट से अधिक हो चुकी

नई दिल्ली। स्कोडा आटो इंडिया की कॉम्पैक्ट एसयूवी काइलैक ब्रांड के विकास का प्रमुख आधार बन चुकी है। 2025 की शुरुआत में लॉन्च होने के बाद काइलैक की बिक्री 50,000 यूनिट से अधिक हो चुकी है और 2026 में भी इसी गति के बनाए रखने की संभावना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार, काइलैक अब कंपनी की कुल बिक्री में लगभग 60 फीसदी योगदान देती है। समूह स्तर पर स्कोडा आटो वोक्सवेगन इं डिया की कुल बिक्री में इस श्रेणी का 40 फीसदी हिस्सा है। कंपनी फैक्टरी-फिटेड सीएनजी मॉडल पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट का लगभग 20 फीसदी हिस्सा पहले से ही सीएनजी पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि थर्ड-पार्टी रेट्रोफिट के विकल्प पर विचार नहीं किया जाएगा और कोई भी सीएनजी पेशकश फैक्टरी में तैयार होगी। हालांकि लॉन्च की सटीक समय-सीमा नहीं बताई गई, लेकिन संकेत दिए गए हैं कि सीएनजी वेरिएंट जल्द ही उपलब्ध हो सकता है। ईवी के मामले में कंपनी सतर्क दृष्टिकोण अपनाए हुए है। उनका कहना है कि भारत में मुख्य खिलाड़ी बनने के लिए ईवी पोर्टफोलियो आवश्यक है। फोकस भारत में बनी ईवी पर है, जिसमें निर्यात की संभावना भी शामिल है। यूरोपीय ईवी का सीमित आयात रणनीतिक रूप से उपयुक्त नहीं माना जा रहा है। आगामी कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी फेज-3 मानदंड उत्सर्जन लक्ष्यों को कड़ा करेंगे। ऐसे में सीएनजी और ईवी में विस्तार अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि व्यापक बाजार वाली श्रेणियों में बिक्री बढ़ने पर उत्सर्जन संतुलन के लिए आवश्यक बन गया है।

जीडीपी का नया आधार वर्ष, डब्ल्यूपीआई को लेकर मतभेद

- वास्तविक वृद्धि के आकलन में गड़बड़ी की आशंका

नई दिल्ली । भारत इस शुक्रवार से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने जा रहा है। इस बदलाव का उद्देश्य राष्ट्रीय आय के आंकड़ों को अधिक समकालीन, सटीक और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना है। हालांकि, अर्थशास्त्रियों के बीच इस बात पर मतभेद है कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) का आधार वर्ष 2011-12 ही बने रहने से वास्तविक (रियल) वृद्धि के अनुमान प्रभावित हो सकते हैं या नहीं। सांख्यिकी मंत्रालय ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) का आधार 2012 से बदलकर 2024 कर दिया है, लेकिन डब्ल्यूपीआई का आधार वर्ष अब तक संशोधित नहीं हुआ है। डब्ल्यूपीआई के आंकड़े वाणिज्य मंत्रालय संकलित करता है और राष्ट्रीय लेखा में इसका उपयोग विभिन्न उद्योगों के उत्पादन को डिफ्लेट करने के लिए किया जाता है। बाजार के जानकारों ने डब्ल्यूपीआई को राष्ट्रीय लेखा की सबसे कमजोर कड़ी बताया है। उनका कहना है कि भले ही सूचकांक की टोकरी और भार न बदले जाएं, आधार वर्ष का अद्यतन आवश्यक है ताकि नॉमिनल और रियल जीडीपी के बीच विसंगतियां न पैदा हों। उन्होंने सीपीआई और डब्ल्यूपीआई के रुझानों में तालमेल की कमी पर भी चिंता जताई। वहीं भारत के एक सांख्यिकीविद् का मानना है कि डब्ल्यूपीआई का उपयोग उद्योग-विशेष स्तर पर किया जाता है और इसका प्रभाव समग्र जीडीपी पर सीमित हो सकता है। उनके अनुसार, अद्यतन डेटा होना बेहतर है, लेकिन स्थिति उतनी गंभीर नहीं है जितनी आउटडेटेड सीपीआई के मामले में होती। नई जीडीपी श्रृंखला में विनिर्माण क्षेत्र के लिए डबल डिफ्लेशन पद्धति लागू की जा सकती है, जिससे उत्पादन और लागत को अलग-अलग समायोजित कर अधिक सटीक वास्तविक वृद्धि का अनुमान लगाया जा सके।

टैरिफ बढ़ोतरी से सोना और चांदी में जोरदार उछाल

- सोना 1.60 लाख पार, चांदी भी 2,63,061 रुपए किलो

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा टैरिफ बढ़ाने के फैसले के बाद सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है, जिसका असर सोना और चांदी के वायदा भाव पर साफ दिखाई दे रहा है। घरेलू बाजार में दोनों कीमती धातुओं ने आज तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। मल्टी कमो डिटी एक्सचेंज आफ इं डिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 1,582 रुपये की तेजी के साथ 1,58,458 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,56,876 रुपये था। फिलहाल सोना 3,173 रुपये की बढ़त के साथ 1,60,049 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान इसने 1,60,600 रुपये का दिन का उच्च स्तर और 1,58,117 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के मार्च वायदा कॉन्ट्रैक्ट में भी मजबूती रही। यह 10,117 रुपये की तेजी के साथ 2,63,061 रुपये पर खुला। बाद में 14,729 रुपये की बढ़त के साथ 2,67,673 रुपये पर कारोबार करता दिखा। चांदी ने दिन में 2,67,929 रुपये का उच्च और 2,63,061 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलो के शिखर तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूती का रुख है। कॉमेक्स पर सोना 5,128.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 5,188.20 डॉलर तक पहुंच गया। वहीं चांदी 84.60 डॉलर पर खुलकर 87.11 डॉलर प्रति औंस तक चढ़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक व्यापार तनाव और टैरिफ बढ़ोतरी से निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे सोना-चांदी को मजबूत समर्थन मिल रहा है।

रूस के तेल पर प्रतिबंधों का असर, भारत का कच्चा तेल आयात बदलते संतुलन की ओर

मुंबई ।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात धीरे-धीरे घट रहा है। फरवरी 2026 की शुरुआत में रोजाना लगभग 1.09 मिलियन बैरल तेल रूस से आया, जो जनवरी के 1.22 मिलियन बैरल से 10 फीसदी कम है। शिपिंग डेटा और विशेषज्ञों के अनुसार मार्च में यह और घटकर 8-10 लाख बैरल प्रतिदिन रह सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रूस से डिस्काउंट पर बड़ी मात्रा में तेल खरीदा था, लेकिन अब वह दौर धीरे-धीरे स्थिर हो रहा है। अमेरिका और यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण रूस से आयात बढ़ाना सीमित है। रूस से घटती सप्लाई की जगह मध्य पूर्व के देश भर रहे हैं। सऊदी अरब फरवरी में भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बन गया है, जहां से रोजाना 1-1.1 मिलियन बैरल तेल मिलने की उम्मीद है। महीने के आंकड़े अभी तक 1.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक जा चुके हैं।

मार्च की शुरुआत में थोड़ी कमी की संभावना है। इसके बाद रूस और इराक क्रमशः सप्लाई देंगे। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने इराक को पछाड़कर भारत के कुल आयात का लगभग 40 फीसदी हिस्सा ले लिया था, लेकिन अब यह हिस्सा घट रहा है। फरवरी के पहले 18 दिनों में भारत का औसत आयात 4.85 मिलियन बैरल प्रतिदिन रहा, जो जनवरी के 5.25 मिलियन बैरल से 8 फीसदी कम है। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले महीनों में उतार-चढ़ाव केवल कीमतों से नहीं बल्कि सैंक्शन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स से आएगा।

होली पर 80 हजार करोड़ के कारोबार की उम्मीद, देसी उत्पादों की धूम

- पिछले साल के 60,000 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 25 फीसदी ज्यादा

मुंबई ।

इस साल होली देशभर के व्यापारियों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। कॉन्फेडरेशन आफ आल इं डिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस बार त्योहार के मौके पर 80,000 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है, जो पिछले साल के 60,000 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 25 फीसदी ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान का असर अब बाजारों में साफ नजर आ रहा है। अब होली के रंग, पिचकारियां और सजावटी सामान स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी उत्पादों से भरे बाजारों में मिल रहे हैं। ग्राहकों में सेहत और त्वचा को लेकर जागरूकता बढ़ने से केमिकल रंगों की बजाय हर्बल और प्राकृतिक रंगों की मांग तेजी से बढ़ी है। बच्चों के लिए स्पाइडर-मैन और छोटा भीम वाली पिचकारियां खास आकर्षण बनी हैं। कपड़ों में सफेद टी-शर्ट, कुर्ता-पायजामा और प्रिंटेड टी-शर्ट की बिक्री बढ़ी है। राजधानी दिल्ली में सबसे अधिक व्यापारिक गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। कैट के अनुसार अकेले दिल्ली में 15,000 करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है। मिठाई की दुकानों पर गुजिया की मांग चरम पर है, और ड्राई फ्रूट्स, गिफ्ट आइटम्स और एफएमसीजी उत्पादों की बिक्री में भी तेजी है। त्योहार के दौरान सर्विस और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर भी लाभान्वित हुआ है। दिल्ली में 3,000 से ज्यादा सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, और बैंक्वेट हॉल, फार्महाउस और बड़े रेस्टोरेंट लगभग फुल बुक हैं।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय 5 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.94 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 21 पैसे उछलकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.73 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क को बढ़ाकर 15 फीसदी करने की आशंकाओं के बीच डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.76 पर खुला और फिर 90.73 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 26 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.94 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 97.47 पर रहा।

आरबीआई बैठक में सीतारमण ने बैंकों को मुख्य व्यवसाय पर ध्यान देने का सुझाव दिया

अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के प्रभाव पर तुरंत टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी

नई दिल्ली । नई दिल्ली में स्थित आरबीआई भवन में रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 61वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा मौजूद थे। सीतारमण ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के प्रभाव पर तुरंत टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने बताया कि वाणिज्य मंत्री हालात की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि बैंकों को अपने मुख्य व्यवसाय पर ध्यान देना चाहिए और बीमा उत्पादों की गलत बिक्री से बचना चाहिए। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि सोने-चांदी का आयात चिंताजनक स्तर पर नहीं है और रिजर्व बैंक इस पर नजर रख रहा है। सोने की कीमतों में बढ़ोतरी का कारण वैश्विक केंद्रीय बैंकों की भारी खरीदारी है। आरबीआई गवर्नर ने आश्वासन दिया कि सोने के आयात को लेकर कोई खास चिंता नहीं है। बाहरी क्षेत्र मजबूत है और चालू खाता घाटा नियंत्रण योग्य स्तर पर है, जिससे अर्थव्यवस्था स्थिर बनी हुई है।

बिटकॉइन 64,300 डॉलर पर फिसला, क्रिप्टो मार्केट में गिरावट

- 65,000 डॉलर के नीचे लुढ़का भाव

मुंबई । दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन 65,000 डॉलर के अहम स्तर से नीचे फिसलकर लगभग 64,300 डॉलर पर आ गई। यह पिछले आठ महीनों का सबसे निचला स्तर है। काइन मार्केट कैप के आंकड़ों के अनुसार, बिटकॉइन में गिरावट लगभग 4.8 फीसदी दर्ज की गई। इसी तरह, दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथे रियम 5 फीसदी से अधिक टूट गई। इसके अलावा, प्रमुख टोकन जैसे एक्सआरपी और बाइनेंस काइन में भी 5 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई। स्टेबलकॉइन टेथर लगभग 1 डॉलर पर स्थिर रहा। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा घोषित 15 फीसदी ग्लोबल टैरिफ ने निवेशकों को जोखिम संपत्तियों से दूर रहने पर मजबूर किया। इससे पहले यूएस सुप्रीम कोर्ट ने आईईईपीए के तहत लगाए गए पुराने टैरिफ को रद्द किया था, लेकिन कुछ ही घंटों में नए शुल्क लागू कर दिए गए। इस अप्रत्याशित कदम ने बाजार में अस्थिरता बढ़ा दी। बाजार में जोखिम से बचाव की रणनीति अपनाते हुए निवेशक अब सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर झुक रहे हैं, जहां लगभग 2 फीसदी की तेजी देखी गई। मुद्रेक्स के क्वांट विश्लेषकों का कहना है कि क्रिप्टो ईटीएफ से लगातार निकासी भी बिकवाली को तेज कर रही है। इस वजह से सिर्फ बिटकॉइन ही नहीं, बल्कि पूरी क्रिप्टो इंडस्ट्री प्रभावित हुई। कुल क्रिप्टो मार्केट कैप घटकर लगभग 2.23 ट्रिलियन डॉलर रह गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 479, निफ्टी 141 अंक उछला

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। सकारात्मक वैश्विक संकेत, विदेशी निवेशकों की वापसी और बैंकिंग सेक्टर में मजबूती से भी बाजार को समर्थन मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स479.95 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,294.66 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 141.75 अंक बढ़कर 25,713 पर बंद हुआ। आज । निफ्टी मिडकैप 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एनएसई स्मॉलकैप 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ आज निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी मिडस्मॉल हेल्थकेयर शेयरों में भी तेजी रही। वहीं निफ्टी आईटी में सबसे अधिक गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी केमिकल्स इंडेक्स भी फिसला।

सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो अदाणी पोर्ट्स, कोटक बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही और ये

सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों की सूची में शामिल रहे। वहीं, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व और आईटीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

इस तरह, भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में लगातार दूसरे सत्र में बढ़त रही। पीएसयू बैंक और हेल्थकेयर शेयरों में तेजी से बाजार धारणा मजबूत हुई । इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति के खिलाफ आये अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इससे पहले सुबह बाजार की मजबूत शुरुआत हुई। संबह सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ 82,906 पर खुला। वहीं निफ्टी भी मजबूती के साथ 25,678 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 149.10 अंक की बढ़त के साथ 25,720 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं पिछले दिन शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 316.57 अंक उछलकर 82,814.71 अंक पर बंद हुआ था, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक की बढ़त के साथ 25,571.25 पर बंद हुआ था।

प्रायोरिटी ज्वेल्स ने प्री-आईपीओ प्लेसमेंट में करीब 16 करोड़ रुपये जुटाये

नई दिल्ली। डायमंड-स्टडेड गोल्ड और प्लैटिनम फाइन ज्वेलरी बनाने वाली मुंबई की कंपनी प्रायोरिटी ज्वेल्स लिमिटेड ने लगभग 15.67 करोड़ रुपये का अपना प्री-आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) प्लेसमेंट पूरा कर लिया है। कंपनी ने 190 रुपये प्रति शेयर के इश्यू प्राइस पर 8,25,000 इक्विटी शेयरों का प्राइवेट प्लेसमेंट किया, जिसमें 180 रुपये प्रति शेयर का प्रीमियम भी शामिल था। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में बताया कि इस राउंड में इनविक्टस कॉन्टिनम फंड समेत कई निवेशक ने हिस्सा लिया। इनविक्टस कॉन्टिनम फंड क को 190 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 1,00,000 इक्विटी शेयर दिए गए, जो कुल मिलाकर 1.9 करोड़ रुपये थे। इसके बाद ची इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड और प्लूटस इक्विटी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज दोनों को 190 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 50,000 इक्विटी शेयर दिए गए, जो कुल मिलाकर 95 लाख रुपये थे। इस प्लेसमेंट में मेपल लीफ ट्रेडिंग एंड सर्विसेज और 18 दूसरे निवेशक ने भी हिस्सा लिया। प्रायोरिटी ज्वेल्स लिमिटेड हल्के वजन की सस्ती डायमंड-स्टडेड गोल्ड और प्लैटिनम फाइन ज्वेलरी की एक बड़ी रेंज डिजाइन, बनाती और बेचती है। यह कंपनी कैरेटलेन ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, कल्याण ज्वेलर्स इंडिया लिमिटेड, रिलायंस रिटेल लिमिटेड, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स एफजेडसीओ, त्रिभुवनदास भीमजी जवेरी लिमिटेड और सेनको गोल्ड लिमिटेड जैसी बड़ी ज्वेलरी चेन को सप्लाई करती है।

पूर्व मध्य रेल
ई–निविदा सूचना

धनबाद मंडल (DHN) के कोचों में टी. एल (ICF एवं LHB) कोचों में विद्युत अनुरक्षण कार्यों का आउटसोर्सिंग अनुबंध, जिसमें मरम्मत/पुनर्वास/संशोधन/फिटमेंट तथा विविध विद्युत सामग्री के कार्य और आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था हेतु ईबीसी (2.5kw) उपकरणों की मरम्मत, पुनर्संस्करण एवं स्पेयर की आपूर्ति।
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिये तकनीकी विशेषज्ञता, वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव रखनेवाले ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठानों/एजेंसियों/संवेदकों से "दू पैकेट बिड" पर ई–निविदायें आमंत्रित है।
i) निविदा संख्या एवं दिनांक : e-tender Notice No. MC-10-OPEN-2025-26 दिनांक 19/02/2026 **ii) कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** धनबाद मंडल (DHN) के कोचों में तीन (03) वर्षो की अवधि हेतु टी. एल (ICF एवं LHB) कोचों में विद्युत अनुरक्षण कार्यों का आउटसोर्सिंग अनुबंध, जिसमें मरम्मत/पुनर्वास/संशोधन/फिटमेंट तथा विविध विद्युत सामग्री के कार्य और आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था हेतु ईबीसी (2.5kw) उपकरणों की मरम्मत, पुनर्संस्करण एवं स्पेयर की आपूर्ति। कार्य समापन अवधि – 03 वर्ष।, **iii) कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 4,96,29,456.48 (चार करोड़ छियानवे लाख उनतीस हजार चार सौ छप्पन रुपये और अड़तालीस पैसे) मात्र।, **iv) बयाना राशि :** रु. 3,98,200.00 (तीन लाख अनठानवे हजार दो सौ रूपये) मात्र।, **v)** ई–निविदा बंद होने की तारीख एवं समय : तारीख 12/03/2026 को 17:00 बजे, **ई–निविदा खुलने की तारीख एवं समय :** तारीख 12/03/2026 को 17:30 बजे, **vi)** वेबसाईट विवरण : **https://www.ireps.gov.in**
ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।
ए.डी.एम.इ. (समाडी)/धनबाद मंडल रेल प्रबंधक
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/1829/डीएचएन/या./टी./25–26/52

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 590 करोड़ की धोखाधड़ी, शेयर 20 फीसदी तक लुढ़के

- निवेशकों के डूबे 14,000 करोड़, बैंक का मार्केट कैप घटकर 57,485.60 करोड़ रह गया

मुंबई।

चंडीगढ़ स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक शाखा में लगभग 590 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी सामने आई है। बैंक के अनुसार शाखा के कुछ कर्मचारी हरियाणा सरकार से जुड़े खातों में बिना अनुमति के लेनदेन कर रहे थे, जिससे जमा राशि में बड़ा अंतर उत्पन्न हुआ। यह राशि बैंक की तिमाही कमाई से भी अधिक बताई जा रही है। इस घटना से बैंक के शेयरों और निवेशकों को बड़ा झटका लगा। सोमवार को एनएसई पर शेयर 20 फीसदी तक गिरकर 67 रुपए के लोअर सर्किट पर पहुंच गए। बैंक का मार्केट कैप 71,854.85 करोड़ से घटकर 57,485.60 करोड़ रुपए रह गया, यानी एक ही दिन में लगभग 14,369 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। यह मार्च 2020 के बाद बैंक के शेयरों में सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। धोखाधड़ी तब उजागर हुई जब हरियाणा सरकार ने अपने खातों को बंद कर राशि अन्य बैंक में ट्रांसफर करने का अनुरोध किया। मिलान प्रक्रिया के दौरान बैंक रिकॉर्ड और सरकारी विभागों द्वारा बताई गई राशि में अंतर पाया गया। 18 फरवरी 2026 के बाद अन्य सरकारी संस्थानों से संपर्क करने पर और विसंगतियां सामने आईं।

बैंक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और एक स्वतंत्र बाहरी एजेंसी से फोरेंसिक ऑडिट शुरू किया। दोषियों के खिलाफ अनुशासनात्मक, दीवानी और आपराधिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई। संदिग्ध खातों में जमा रकम पर रोक लगाने के लिए संबंधित बैंकों से संपर्क किया गया। बैंक का कहना है कि मामला केवल चंडीगढ़ शाखा और कुछ सरकारी खातों तक सीमित है, अन्य ग्राहकों पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ा। निवेशक अब जांच की प्रगति और बैंक की अगली रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ठाणे में 18 एकड़ की नई आवासीय परियोजना बनाएगा

भूस्वामी के साथ की साझेदारी, 7500 करोड़ रुपए राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने मुंबई क्षेत्र में अपने विस्तार के तहत ठाणे में 18 एकड़ के भूखंड के विकास के लिए संयुक्त विकास समझौता (जेडीए) किया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह परियोजना मुख्य रूप से आवासीय होगी और इससे 7,500 करोड़ रुपए से अधिक का संभावित राजस्व अर्जित होने की उम्मीद है। हालांकि, कंपनी ने भूस्वामी का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज रणनीतिक रूप से जमीन की सीधी खरीद और भूस्वामी के साथ संयुक्त विकास दोनों मॉडल के माध्यम से परियोजनाओं का विकास करती है। कंपनी का कहना है कि उच्च संभावनाओं वाले सूक्ष्म बाजारों में विस्तार उसकी वृद्धि रणनीति का अहम हिस्सा है और इसका उद्देश्य मकान खरीदारों के लिए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण करना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि ठाणे मुंबई महानगर क्षेत्र का सबसे आकर्षक स्थान बनकर उभरा है। यह परियोजना ठाणे में कंपनी की चौथी परियोजना होगी, जिससे क्षेत्र में उसकी उपस्थिति और मजबूत होगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में कंपनी की बिक्री बुकिंग 25 फीसदी बढ़कर 24,008 करोड़ रुपए हुई।

टी20 विश्व कपः टी20 विश्वकप के सुपरआठ में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

पल्लीकेली (एजेंसी)। इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीम आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-आठ में मंगलवार को आमने-सामने होंगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इंग्लैंड ने अपने पहले मुकाबले में मेजबान श्रीलंका को हराया है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम का पहला मुकाबला न्यूलीलैंड से बारिश के कारण नहीं हो पाया था। अब तक इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।ऐसे में वह खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। कोलंबो की पिच से धीमे गेंदबाजों को सहायता मिलने की उम्मीद है। पहले ही मैच में श्रीलंका पर 51 रनों की जीत से इंग्लैंड का रन रेट भी बेहतर हुआ है और वह ग्रुप में शीर्ष पर है।

इंग्लैंड को हालातों का भी लाभ मिले। उसने हाल ही में इसी जगह पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेला था। वहीं सुपर 8 मैच में श्रीलंका को हराया था, जिससे उन्हें मुकाबले से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान टीम की बल्लेबाजी बेहद कमजोर है, अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम अब तक असफल रहे हैं। साहिबजादा फरहान के अलावा एक भी बल्लेबाज फार्म में नहीं है। पाक टीम उस्मान तारिक सहित अपने धीमे स्पिनरों के जरिये इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास करेगी। टीम के पास उस्मान के अलाव सैम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे गेंदबाज हैं।

ये पाकिस्तानी गेंदबाज इंग्लैंड की बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाने का पूरा प्रयास करेंगे। खेल के आखिरी स्टेज में पिच और धीमी होने की संभावना है। गेंदबाजों के पक्ष में हालात होने के कारण इस मुकाबले में स्पिन मैच का परिणाम तय करेंगे।

अब तक के आंकड़ों में इंग्लैंड की टीम हावी रही है। दोनो के बीच अब तक 31 मुकाबले हुए हैं। इसमें से इंग्लैंड ने 31 जबकि पाक ने केवल 9 मैच ही जीते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टंग, ल्यूक वुड।

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब,

शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

पाक स्पिनर तारिक के एक्शन को लेकर दो खेमों में बंटे दिग्गज, अंपायर चौधरी ने भी उठाये सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक अपनी विवादस्पद गेंदबाजी के कारण निशाने पर हैं। तारिक गेंदबाजी के दौरान ही बीच में रुक जाते हैं जिससे बल्लेबाज संशय में फंस जाते हैं। उनके गेंदबाजी एक्शन पर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने सवाल उठाये हैं हालांकि अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस गेंदबाज पर कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में क्रिकेट जगत दो गुटों में बंट गया है। एक का मानना है कि तारिक की गेंदबाजी जादुई है वहीं दूसरे गुट का मानना है जिस प्रकार से ये गेंदबाज पूरी बांह वाली टी शर्ट पहनकर गेंदबाजी कर रहा है उसमें कुछ गड़बड़ है। ऐसे में आईसीस नॉकआउट मुकाबलों से पहले आईसीसी को इस गेंदबाज के एक्शन की जांच करनी चाहिये।

अंपायर अनिल चौधरी ने भी इस स्पिनर के एक्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर वह पूरी बांह वाली टी-शर्ट ही क्यों पहने रहता है ? साथ ही कहा कि तारिक का मैदान पर और मैदान के बाहर हमेशा फुल टी-शर्ट पहनना समझ से परे है। इसके पीछे कुछ राज है। साथ ही कहा, 'जब कोई गेंदबाज भीषण गर्मी में भी अपनी आस्तीन नीचे नहीं करता और अभ्यास सत्र में भी हाफ टी-शर्ट पहनने से बचता है, तो मन में आशंका होना स्वाभाविक है। वह अपनी कोहनी के पास से क्या छुपाना चाहता है। हमने पहले भी देखा है कि संदिग्ध एक्शन वाले गेंदबाज कोहनी के मुड़ाव को छिपाने के लिए पूरी बांह की टी शर्ट पहनने रहे हैं। चौधरी के सोशल मीडिया पर उठाये इस सवाल के बाद पाक स्पिनर के एक्शन को लेकर बहस तेज हो वहीं एक दिग्गज पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि इस गेंदबाज का बचाव करते हुए कहा कि उसकी गेंदबाजी में जो विविधता है, वो लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देखने को मिली है. उन्होंने कहा, 'उनकी गेंद को विकेट के पीछे से देखना काफी अच्छा अनुभवी है। वो जिस तरह से फ्लाइट देते हैं और अचानक गेंद को तेज़ी से टर्न कराते हैं, वो काबिले-तारीफ है। अंपायरों को सबूतों पर बात करनी चाहिए, सिर्फ कपड़ों पर नहीं। इस बार पाक के सुपर-8 में पहुंचने में तारिक की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अहम मौकों पर बड़े विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाई है। इस गेंदबाज ने अभी तक किसी भी बायोमैकेनिकल टेस्ट में अपनी कोहनी की जांच नहीं करायी है। ऐसे में अगर जांच में उनकी कोहनी 15 डिग्री से अधिक मुड़ती दिखी तो उनपर प्रतिबंध लगना तय है।

भारत और जिम्बाब्वे में विश्वकप फाइनल देखना चाहते हैं द्रविड़

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के अनुसार भारतीय टीम विश्वकप फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। द्रविड़ के अनुसार इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। सबसे अधिक सकारात्मक बात ये है कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर रही है। टीम में गहरायी है और उसका हर खिलाड़ी मैच का रुख मोड़ सकता है। साथ ही कहा कि दूसरी टीम के तौर पर अगर जिम्बाब्वे से फाइनल में भारत का मुकाबला होता है तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि जिम्बाब्वे ने इस बार काफी अच्छा खेल देखाया है और वह भी फाइनल में खेलने की दावेदार बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को अपनी मैच योजनाओं पर बने रहना चाहिए।

द्रविड़ ने से कहा, 'मुझे लगता है कि हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं हैं। हमारे पास टीम में गहराई है। तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि यह गहराई निखरकर सामने आएगी। टी20 क्रिकेट में कुछ भी तय नहीं होता है। यह खेल का सबसे अस्थिर फॉर्मेट है, और किसी भी दिन, जैसा मैंने कोच के रूप में भी सीखा है, आप हार सकते हैं। इसलिए अपनी योजनाओं रहो, जो कर सकते हो करो और अच्छे की उम्मीद करो,।' टी20 विश्वकप में इस बार जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप मैच में जिस प्रकार से हराया है,उससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इसके बाद उसने श्रीलंका को भी हराया। द्रविड़ ने कहा, 'अगर यह जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो उसके क्रिकेट के लिए ये अच्छा अनुभव होगा। अगर जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो यह काफी अच्छा होगा। मैं चाहूंगा कि भारत के साथ कोई छोटी टीम भी फाइनल में पहुंचे। यह बहुत अच्छा होगा।' द्रविड़ ने कहा कि इस बार एसोसिएट देशों ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर सभी टेस्ट देशों को कड़ी टक्कर दी है। पाकिस्तान को नीदरलैंड्स से जबकि भारत को अमेरिका ने कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा कि इस बार जिस प्रकार छोटी टीमों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बड़ी टीमों को अच्छी चुनौती दी उससे मुकाबलों का रोमांच बढ़ गया है। जिस प्रकार से इन टीमों ने खेला है,उससे मुझे काफी अच्छा लगा। इससे एसोसिएट देशों की प्रतिभा सामने आ रही है। इन सभी टीमों ने अच्छी अच्छा खेला है हालांकि मामुली अंतर से ये सुपर-8 में क्वालिफाई न कर पायी हैं पर भविष्य इनका काफी अच्छा है। इन टीमों के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

टी20 विश्व कपः दक्षिण अफ्रीका से शर्मनाक हार के बाद चेन्नई पहुंची टीम इंडिया, अब करो या मरो का मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को चेन्नई पहुंच गई। टीम 26 फरवरी को एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 के अपने दूसरे मैच के लिए चेन्नई में तैनात है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा।

इस बड़ी हार के साथ ही भारत को आईसीसी क्रिकेट के सभी श्वेत-गेंद प्रारूपों में 18 मैचों में पहली हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2023 विश्व कप के फाइनल में भी भारत को इसी मैदान - नरेंद्र मोदी स्टेडियम - पर ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। टी20

अंतरराष्ट्रीय मैचों में रनों के अंतर से यह भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार थी। इससे पहले 2019 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 80 रनों की हार हुई थी। टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत को अपनी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

मैच की बात करें तो, डेविड मिलर (63) और देवाल्ड ब्रेविस (45) की चौथी विकेट के लिए शानदार 97 रनों की साझेदारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवरों में 187/7 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने तेज गति से खेलते हुए नाबाद 44 रन बनाए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। 188 रनों का बचाव करते हुए दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। भारतीय बल्लेबाजों में से कोई भी अर्धशतक नहीं बना सका। शिवम दुबे ने 42 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर किया और भारत ने मौजूदा चैंपियन को 18.5 ओवरों में मात्र 111 रनों पर ऑल आउट कर दिया और भारतीय टीम को 76 रनों से हरा दिया।

भारत के लिए अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान एडेन मार्करम (1/5), मार्को जानसेन (4/22), केशव महाराज (3/24) और कॉर्बिन बॉश (2/12) ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया।

अब हमारा लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना : मंधाना

केनबरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली सफलता से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब उसका लक्ष्य आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट जीतना है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधान ने कहा है टीम काफी अच्छा खेल रही है और उसकी सभी खिलाड़ी लय में हैं। टीम ने जिस प्रकार से एकदिवसीय विश्वकप जीता था, उसी तर्ज पर अब वह टी20 विश्वकप जीतना चाहती है। मंधाना ने कहा ''मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन रन बनाये जिससे भारतीय टीम को आसानी से जीत मिली। मंधाना ने कहा, ''मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है।।''

वरुण ने अर्शदीप का रिकार्ड तोड़ा : लगातार 18 पारियों में विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में एक विकेट लेते ही एक नया रिकार्ड बनाया है। वरुण अब लगातार 18 पारियों में विकेट लेने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। वरुण लगातार 18 पारियों में भारत के लिए विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इसके साथ ही तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को पीछे छोड़ा। अर्शदीप सिंह ने साल 2024-25 में लगातार 17 पारियों में विकेट लेने का रिकार्ड बनाया था। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने 2025-26 के बीच अब तक कुल 18 पारियों में एक या उससे अधिक विकेट लिए हैं। इसी सूची में तीसरे नंबर पर पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा है। नेहरा ने साल 2016 में 13 पारियों में एक या उससे अधिक विकेट लिए थे।

भारतीय टीम की हार से गंभीर की लचर रणनीति पर फिर उठे सवाल

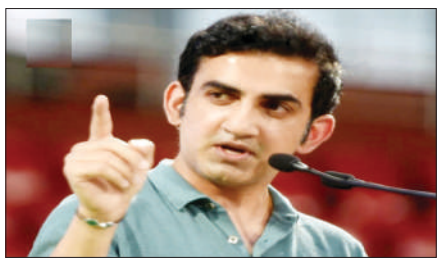

अहमदाबाद। टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम की करारी हार के लिए खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। जानकारों का मानना है कि टीम के खराब प्रदर्शन के लिए गंभीर की लचर योजनाएं भी जिम्मेदार हैं।

मैच केवल मैदान पर नहीं खेला जाता बल्कि उससे कहीं ज्यादा दिमाग में खेला जाता है। टीम प्रबंधन ने यहां गलती कर दी। इसी कारण ग्रुप स्तर पर सभी मैच जीतने वाली टीम धीमी और काली मिट्टी के विकेट पर विफल रही। इस मैच में अंगुल के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। न तो भारतीय टीम प्रबंधन की योजनाओं में स्पष्टता दिखी और न वह उन्हें अमल में ला पायी। यहां तक की पारी की शुरुआत कौन करेगा। ये भी अंत तक तय नहीं था। गंभीर अपने सबसे बेहतरीन 11 खिलाड़ी उतारने की बजाय लगातार प्रयोग करते दिखे। वह भी ऐसे समय तब कि एक ही टीम उतारी जानी चाहिये। मैच में उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह पर अंतिम ग्यारह में वाशिंगटन सुंदर को उतरा गया। सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में विफल रहे। टीम में चयनित खिलाड़ी को ही अंत तक पता नहीं होता है कि वह अंतिम ग्यारह में है कि नहीं। इससे उनकी तैयार भी प्रभावित होती है जबकि विश्वकप खेलते समय टीम पहले से ही तय कर ली जाती है और वही पूरे समय खेलती है।

एफआईएच प्रो लीगः स्पेन के खिलाफ आज जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी टीम इंडिया, साख दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले मैच में जुझारु प्रदर्शन करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को यहां स्पेन के खिलाफ होने वाले मैच में वापसी करके एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान को पटरी पर लाने की कोशिश करेगी। नौ टीमों के इस टूर्नामेंट में अब तक भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। राउरकेला और होबार्ट में खेले गए दोनों चरणों में भारत को पांच हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मैच उसने ड्रॉ खेला।

कोच क्रेग फुल्टन आलोचनाओं का सामना कर रहे

टीम के इस लचर प्रदर्शन के कारण कोच क्रेग फुल्टन पर दबाव बढ़ गया है जो लगातार आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह के व्यक्तिगत कारणों से होबार्ट चरण से हटने के बाद युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह को कप्तानी सौंपी गई। होबार्ट चरण में स्पेन से पहला मैच 0-2 से हारने के बाद भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया था लेकिन उसे पेनल्टी शूटआउट में 4-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम हालांकि इस मैच से वर्तमान टूर्नामेंट का पहला अंक हासिल करने

में सफल रही थी।

भारतीय टीम अब स्पेन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इन दोनों टीमों के बीच वर्षों से कड़ी प्रतिस्पर्धा रही है, जिसमें दोनों ने एक दूसरे को समान रूप से टक्कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत एक समय जीत की स्थिति में था। अमित रोहिदास और जुगराज सिंह के गोल की बदौलत भारत ने 2-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन मैच के अंत में गोल खाने की वही पुरानी समस्या फिर से सामने आ गई। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने जोरदार वापसी करते हुए पेनल्टी शूटआउट में मैच जीत लिया।

इससे पहले राउरकेला में खेले गए चारों मैचों में भारत की हार को देखते हुए इस टीम का अच्छा प्रदर्शन माना जा सकता है। राउरकेला में भारत को अर्जेंटीना से 0-8 की करारी शिकस्त भी मिली थी। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उनकी तेज दौड़ और रिवर्स-हिट ने ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर को चकमा दे दिया, हालांकि बैक-स्टिक के इस्तेमाल के कारण उनके इस गोल को अमान्य घोषित कर दिया गया। युवा आदित्य ललागे ने भी अपनी छाप छोड़ी। भारतीय टीम को अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए अब अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा क्योंकि नौ टीमों वाली एफआईएच प्रो लीग तालिका में वह छह मैचों में सिर्फ एक अंक के साथ आठवें स्थान पर है। भारत के पीछे केवल पाकिस्तान है जिसने अब तक अपने सभी आठ मैच हारे हैं और अभी तक अपना खाता नहीं खोला है। होबार्ट चरण में भारतीय टीम स्पेन के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम मैच खेलेगी।

इसके बाद जून में यूरोप में मुकाबले होंगे, जहां भारत नीदरलैंड, बेल्जियम और इंग्लैंड में खेलेगा। लेकिन उससे पहले भारत का तात्कालिक लक्ष्य अंक हासिल करना और तालिका में आगे बढ़ना होगा। बेल्जियम (आठ मैच, 22 अंक) तालिका में अभी सबसे आगे है। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया (सात मैच, 20 अंक) और अर्जेंटीना (आठ मैच, 17 अंक) का नंबर आता है। जापान में होने वाले एशियाई खेलों से पहले एफआईएच प्रो लीग में दमदार प्रदर्शन बेहद महत्वपूर्ण होगा। एशियाई खेल लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

किदांबी श्रीकांत जर्मन ओपन में भारतीय चुनौती की करेंगे अगुवाई

मुलहेम एन डेर रूर (जर्मनी)। दुनिया के पूर्व नंबर वन किदांबी श्रीकांत मंगलवार से मुलहेम एन डेर रूर के वेस्टएनर्जी स्पोटहॉल में शुरू होने वाले जर्मन ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती अगुवाई करेंगे। पुरुषों की एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 32वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत, इस साल की शुरुआत में इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में दो क्वार्टर-फाइनल से बाहर होने के बाद जर्मन ओपन में उतरेंगे। उन्हें आखिरी बार इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने भारत के लिए अपने दोनों एकल रबर जीते थे। पुरुषों के एकल मुख्य ड्रॉ में किदांबी श्रीकांत के साथ उनके हमवतन किरण जॉर्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी होंगे। ओलंपियन और दुनिया के नंबर 5 खिलाड़ी फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव पुरुष एकल में टॉप सीड हैं और पहले राउंड में किरण जॉर्ज से भिड़ेंगे। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु की गैरमौजूदगी में दुनिया की नंबर 40 तन्वी शर्मा महिला सिंगल्स में भारत की कमान संभालेंगी। तन्वी शर्मा, जो पिछले साल BWF वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप और यूएस ओपन में उप विजेता रही थीं, उनके साथ महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में तस्नीम मीर, मालविका बंसोड़, रक्षिता रामराज और इशारानी बरुआ होंगी। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में भारत की अकेली जोड़ी अश्विनी भट और शिखा गौतम हैं।

सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार पर निराश जताई, बोले अगले मैचों से वापसी करेंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में मिली हार पर निशाना जताते हुए कहा कि उनकी टीम अगले मैच के साथ ही अच्छी वापसी करेगी। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसके आगे के सफर पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब भारतीय टीम को अपने बचे हुए दोनो ही सुपर-8 बैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। हार के बाद सूर्यकुमार ने प्रशंसकों को टूर्नामेंट में वापसी का भरोसा दिया।

मैच के बाद उन्होंने कहा, 'जब हमने मैच शुरू किया तब से ही हमे उसमें बने हुए थे। हमने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की पर बीच के ओवरों में विरोधी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी स्थित सुधार ली। उसके बाद भी हमारे गेंदबाजों ने विरोधी टीम को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। उसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए हम अच्छी शुरुआत नहीं कर पाये। साथ ही कहा कि आप पावरप्ले में गेम नहीं जीत सकते पर अपनी गलतियों से हार सकते हैं और यही इस मैच में हुआ। हमने पावरप्ले में कई विकेट खोए और उसके बाद हम छोटी-छोटी साझेदारी भी नहीं बना पाए हालांकि ये सब सब कुछ खेल का हिस्सा होता है। हम इससे सबक लेते हुए अगले मैच में गलतियों से बचेंगे। हमारा लक्ष्य बचे हुए दोनो ही मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा।'

इस मैच मे दक्षिण अफ्रीका से मिले 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन ही बना पायी। भारत की ओर से शीर्ष क्रम असफल् रहा केवल शिवम दुबे ही 42 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की तरफ से डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाये। इन दोनो के बीच 97 रनों की साझेदारी से दक्षिण् अफ्रीका एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। ने 20 रन पर तीन विकेट

सूर्यकुमार ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की अच्छी गेंदबाजी की सराहतना की। उन्होंने कहा,हर कोई जानता है कि इन दोनो की गेंदबाजी कितनी घातक रही है। दोनों ने आठ ओवर गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए और केवल 45 से 50 रन दिए। बुमराह ने 15 रन पर देकर तीन विकेट जबकि अर्शदीप सिंह ने 28 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन पहले ही ओवर में शून्य पर आउट हो गए। दूसरे ओवर में तिलक वर्मा भी पेवेलियन लौट गये। अभिषेक शर्मा इस मैच में खाता तो खोल पाए पर अधिक नहीं टिक पाये। इसके बाद बाकि बल्लेबाज भी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। इस मैच में जीत से दक्षिण अफ्रीका को 2 अंक मिले हैं जबकि भारतीय टीम को एक भी अंक नहीं मिला।

विश्वकप अंक तालिका में पाकिस्तान से भी पिछड़ी भारतीय टीम

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप में ग्रुप स्तर पर धमाकेदार प्रदर्शन कर शीर्ष पर रही भारतीय टीम सुपर-आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों करारी हार के बाद अंक तालिका में पिछड़ती दिख रही है। इससे उसके सेमीफाइनल की उम्मीदें भी कम हो रही हैं। पहले सुपर-8 मैच के बाद भारतीय टीम पाकिस्तान से भी पीछे है। न्यूजीलैंड से पहला सुपर-8 मुकाबला बारिश की वजह से रद् होने के बाद पाक को एक 1 अंक मिला है पर भारतीय टीम के पास एक भी अंक नहीं है। ऐसे में एक और हार से वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अब भारतीय टीम को अपने बाकी दो सुपर 8 मुकाबलों में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी. भारतीय टीम अपना दूसरा सुपर 8 मुकाबला गुरुवार 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगी. वहीं एक मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में उतरेगी। अगर भारतीय टीम अपने शेष दो मैचों में से एक भी हार जाता है, तो उसका खिताबी सफर सुपर 8 स्टेज में ही समापत हो जाएगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम इंडिया का नेट रन रेट काफी नीचे चला गया है।

सुरक्षित पटरियों पर: कवच और एआई से मजबूत हो रही भारत में रेलवे सुरक्षा

बिहान भारत

हर ट्रेन यात्रा के साथ एक गहरा मानवीय वायदा भी चलता है। यह वायदा कि परिवारों का मिलन होगा, कामगार वापस घर पहुंचेंगे और छात्र अपने मुकाम तक सुरक्षित पहुंच सकेंगे। इस वायदे को पुख्ता करने के इरादे से तथा मौजूदा और भविष्य की परिवहन की चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय रेलवे एक बड़े बदलाव से गुजर रही है। रेल यातायात बढ़ने के साथ ही भारतीय रेलवे की गति क्षमता को भी बढ़ाने की योजना है। सुरक्षा से कोई समझौता किए बिना डिब्बों, पटरियों, कर्षण विद्युत और सिग्नलिंग प्रणालियों समेत मौजूदा परिसंपत्तियों की क्षमता को अधिकतम करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

इस सुरक्षा क्रांति को भारत की स्वदेश में विकसित स्वचालित ट्रेन रक्षा (एटीपी) प्रणाली कवच आगे बढ़ा रही है। उन्नत एआई समर्थित निगरानी और पूर्वसूचना टूल्स के साथ कवच रेलवे को हर साल ज्यादा मजबूत, तेज और भरोसेमंद होने वाला सुरक्षा परिवेश बनाने में मदद कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप ट्रेन दुर्घटनाओं में तेजी से कमी आई है। वर्ष 2014-15 में 135 रेल दुर्घटनाएं हुई थीं जो घट कर 2024-25 में 31 और 2025-26 (नवंबर तक) में 11 रह गई। ये सुधार दुर्घटनाओं की रोकथाम, आधुनिक प्रौद्योगिकी में निवेश और हर यात्रा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के संकल्प पर ध्यान को प्रतिबिंबित करते हैं।

सुरक्षा संबंधी इस बदलाव को लगातार वित्तीय निवेश के जरिए मजबूत किया जा रहा है। भारतीय रेलवे सुरक्षा पर अपने व्यय को लगातार बढ़ा रही है। उसने सुरक्षा पर 2013-14 में 39200 करोड़ रुपए खर्च किए थे जो रकम बढ़ कर 2022-23 में 87336 करोड़ रुपए, 2023-24 में 101662 करोड़ रुपए, 2024-25 में 114022 करोड़ रुपए और 2025-26 में 117693 करोड़ रुपए हो गई। इससे समूचे रेलवे नेटवर्क में सुरक्षा अवसंरचना को मजबूत करने की उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का पता चलता है।

कवच क्या है?

कवच एक स्वचालित स्थितिजन्य जागरूकता प्रणाली है। यह ट्रेनों को सुरक्षा और दुर्घटना रोकथाम क्षमताएं प्रदान करती है। यह मानवीय भूलों, संचालन की सीमाओं और उपकरणों की नाकामी से होने वाली खतरनाक घटनाओं के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है। इस तरह यह ट्रेन संचालन में सुरक्षा की एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त व्यवस्था करती है। यह प्रणाली रेल चालकों को उनके केबिन में सिग्नलिंग सूचना के समयबद्ध प्रदर्शन के जरिए मदद करती है। चलने की अनुमति, लक्षित गति, लक्षित दूरी और सिग्नल के पहलुओं का यह प्रदर्शन 120 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक रफ्तार में सुरक्षित संचालन के लिए आवश्यक हो जाता है।

कवच को भारतीय रेलवे के अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) ने विकसित किया है। यह बिना अनुमति सिग्नल पार करने की दशा में तथा अत्यधिक गति और टक्कर से ट्रेनों की रक्षा करता है। यह सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत प्रदान कर भारत के तेज गति और उच्च घनत्व वाले रेल नेटवर्क के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

क्यों है कवच की जरूरत?

पहले भारतीय रेलवे में ट्रेन संचालन मुख्यत: पटरी के किनारे सिग्नलिंग और हस्तचालित नियंत्रण पर निर्भर था। बेशक आधुनिक इंटरलॉकिंग प्रणालियों ने सुरक्षा में सुधार किया। लेकिन ट्रेन का संचालन अब भी पटरी के किनारे सिग्नलों को देखने और गति नियंत्रित रखने की चालक की क्षमता पर काफी हद तक निर्भर था। मानव पर निर्भर इस प्रणाली की अपनी सीमाएं थीं। सिग्नल को नजरंदाज

किए या गलत समझे जाने से गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी।

पारंपरिक सिग्नलिंग प्रणाली से चालक को निर्धारित रफ्तार, लक्षित दूरी, किसी खास समय में अवस्थिति और पटरी के झुकाव के बारे में जानकारी अपने केबिन में नहीं मिल पाती थी। पटरी के घुमाव और खराब मौसम की वजह से सिग्नल की दृश्यता प्रभावित होती थी। सुरक्षा के लिए ट्रेनों के बीच दूरी ज्यादा रखे जाने की वजह से नेटवर्क की क्षमता में कमी आती थी। बिना पूर्व सूचना के बाधित सेक्शन में ट्रेन संचालन से जोखिम और बढ़ जाता था। इन चुनौतियों के साथ ही लाल सिग्नल को पार करने की घटनाओं, उच्च गति पर प्रतिक्रिया के कम समय, स्थिति की सीमित जानकारी तथा खास तौर से उत्तरी भारत में कुहासे और कम दृश्यता की स्थितियों से स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणालियों की जरूरत और बढ़ गई थी।

एटीपी प्रणालियों को ट्रेन की अवस्थिति, गति और चलने की अनुमति की लगातार निगरानी के लिए विकसित किया गया है। इनका काम असुरक्षित संचालन रोकने के लिए स्वचालित हस्तक्षेप करना भी है। यातायात का घनत्व और संचालन की गति बढ़ने के साथ ही समूचे रेल नेटवर्क में सुरक्षा और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए इन्हें इस्तेमाल में लाना अनिवार्य हो गया। कवच लगातार पल-पल की स्थिति की जानकारी देकर और सुरक्षा मानकों के स्वचालित क्रियान्वयन के जरिए इस जरूरत को पूरा करता है। यह सुरक्षा अखंडता स्तर 4 (एसआईएल 4) प्रमाणित है जो रेलवे सिग्नलिंग में सर्वोच्च वैश्विक सुरक्षा मानकों में से एक है। यह ट्रेन पर सूचनाओं, पटरी के किनारे की प्रणालियों और स्वचालित हस्तक्षेप को एक साथ लाकर भारतीय रेलवे के संचालन में सुरक्षा, विश्वसनीयता और मजबूती में महत्वपूर्ण वृद्धि करता है।

कवच के लाभ

- रेल चालकों के लिए उपयोग में आसान केबिन सिग्नलिंग।
- बहु-विक्रता अंतरसंचालनीयता- एक आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता नहीं।
- भारतीय रेलवे की विशिष्ट जरूरतों और स्थितियों के अनुरूप।
- कुहासे वाले मौसम में सुरक्षा बढ़ाता है।
- तेज गति में प्रभावी।
- ट्रेनों की आवाजाही की वास्तविक समय में केंद्रीकृत निगरानी को सक्षम बनाता है।

कवच के काम करने का तरीका

कवच सुरक्षित अल्ट्रा हाई फ्रीक्वेंसी (यूएचएफ) रेडियो एंटीना और ट्रैक-माउंटेड रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) टैग का उपयोग करके ट्रैकसाइड सिस्टम और लोकोमोटिव के बीच निरंतर वास्तविक समय संचार के माध्यम से संचालित होता है। ये टैग ट्रेन की सटीक स्थिति प्रदान करते हैं, जबकि 'वे-साइड' (स्थिर) इकाई स्टेशन इंटरलॉकिंग सिस्टम से लाइव डेटा एकत्र करती हैं, जिसमें सिग्नल की स्थिति, पॉइंट पोजीशन, ट्रैक पर ट्रेन की मौजूदगी और रूट की स्थिति शामिल होती है।

इस जानकारी के साथ-साथ ट्रेन की स्थिति, गति और ट्रैक प्रोफाइल (जैसे कि ढलान और गति सीमा) का उपयोग करते हुए, 'वे-साइड' सिस्टम 'मूवमेंट अथॉरिटी' की गणना करता है, जो ट्रेन को चलने के लिए सुरक्षित दूरी तक अनुमति देता है और इसे ऑन-बोर्ड कवच यूनिट को प्रेषित करता है। ऑन-बोर्ड सिस्टम निरंतर ट्रेन की गति की निगरानी करता है, रेल इंजन चालक को महत्वपूर्ण जानकारी देता है और विभिन्न परिचालन स्थितियों के लिए 'ब्रेकिंग कर्व्स' तैयार करता है।

यदि ट्रेन किसी खतरे के सिग्नल के करीब पहुँचती है, तय गति से ज्यादा तेज चलती है, या गलत रूट पर चली जाती है, तो कवच अपने आप ब्रेक लगा देता है। इससे किसी भी तरह के खतरे को टाला और संभावित टक्करों को रोका जा सकता है। ब्लॉक सेक्शन में, यदि दो ट्रेनें एक-दूसरे की ओर आती हुई दिखती हैं, तो सिस्टम दोनों को स्वचालित देखते ही रुक जाने का कमांड देता है।

समूचे नेटवर्क में दृश्यता सुनिश्चित करने के लिए सभी महत्वपूर्ण परिचालन संबंधी घटनाओं को एक केंद्रीय निगरानी प्रणाली को प्रेषित किया जाता है, जबकि सुरक्षित संचार प्रोटोकॉल और प्रमाणीकरण तंत्र प्रणाली को सुरक्षित रखते हैं।

कवच की सुरक्षा विशेषताएं

इस परिचालन ढांचे के सहयोग से, 'कवच' में अंतर्निहित सुरक्षा कार्यक्षमताएँ मिलती हैं जो दुर्घटनाओं को रोकती हैं और रेल चालक की सतर्कता बढ़ाती हैं। यह प्रणाली स्वचालित हस्तक्षेप और वास्तविक समय सीमा पर्यवेक्षण के माध्यम से परिचालन व्यवस्था सुनिश्चित करती है।

- सिग्नल पार करने और खतरे की स्थिति में ट्रेन को सिग्नल से पहले ही स्वचालित रूप से रोकना।
- मूवमेंट अथॉरिटी, लक्ष्य दूरी, गति और सिग्नल संकेतों के प्रदर्शन के साथ कैब सिग्नलिंग।
- ट्रैन को वास्तविक समय में लगातार जानकारी और अपडेट देना।
- मोड़ों पर गति कम करने को सख्ती से लागू करना।
- पूरे रूट पर निर्धारित गति सीमाओं का पालन सुनिश्चित करना।
- अस्थायी गति सीमाओं का अनुपालन (वर्तमान में परीक्षण चरण में है)।
- रेल फाटकों के करीब पहुँचने पर स्वचालित रूप से हॉर्न बजना।
- रोल बैक/रोल फॉरवर्ड प्रोटेक्शन झ ट्रेन को अनजाने में पीछे या आगे जाने से रोकता है, खासकर ढलान पर या रुकने के दौरान।
- सभी तरह की ट्रेन टक्करों से बचाव: आमने-सामने, पीछे से, और बगल से होने वाली टक्करों से बचाव।
- संकटपूर्ण स्थितियों में तत्काल आपातकालीन संदेश जारी करना।
- परिचालन सुरक्षा के लिए ट्रेन की लंबाई की गणना।
- शंटिंग के दौरान निर्धारित सीमाओं और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना।
- पूरे नेटवर्क पर ट्रेनों की आवाजाही की केंद्रीय स्तर पर वास्तविक समय में निगरानी।

कवच का विकास

कवच का विकास और इसे लगाने का काम एक चरणबद्ध और व्यवस्थित तरीके से किया गया है। यात्री ट्रेनों पर इसका प्रारंभिक क्षेत्रीय परीक्षण फरवरी 2016 में शुरू हुआ था। परिचालन संबंधी अनुभव और एक स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकनकर्ता द्वारा किए गए स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकन के आधार पर, कवच संस्करण 3.2 की आपूर्ति के लिए 2018-19 के दौरान तीन फर्मों को मंजूरी दी गई थी। दक्षिण मध्य रेलवे पर 1,465 से अधिक किलोमीटर के विस्तार और उससे प्राप्त अनुभवों के आधार पर, यह प्रणाली निरंतर सुधारों और अपग्रेड करने से विकसित हो रही है। इन क्रमिक विकासों के परिणामस्वरूप विशिष्टताओं को संशोधित किया गया है, जिससे इसकी कार्यक्षमता में वृद्धि हुई है और यह भारतीय रेलवे नेटवर्क पर व्यापक अनुप्रयोग के लिए अधिक उपयुक्त बन गई है।

तत्पश्चात, जुलाई 2020 में 'कवच' को राष्ट्रीय स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली के रूप में अपनाया गया। इसके कार्यान्वयन में बुनियादी ढांचे, ऑन-बोर्ड और संचार संबंधी गतिविधियाँ शामिल हैं, जिनमें विश्वसनीय सिस्टम संचालन के लिए आवश्यक दूरसंचार और ऑप्टिकल फाइबर अवसंरचना के साथ-साथ ट्रैकसाइड, स्टेशन-आधारित और लोकोमोटिव-जनित उपकरणों का प्रावधान शामिल है।

परिचालन अनुभवों और स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकनों के आधार पर निरंतर सुधारों के फलस्वरूप जुलाई 2024 में 'कवच संस्करण 4.0' को मंजूरी दी गई। यह रेलवे सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और इसे भारत के विविध और उच्च-घनत्व वाले रेल नेटवर्क की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। कवच 4.0 एक महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी कदम है।

ये व्यवस्थित अपग्रेड 'कवच 4.0' को अधिक सुदृढ़, त्वरित और भारत के विविध एवं उच्च-घनत्व वाले रेल नेटवर्क पर बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त बनाते हैं। इस प्रणाली को 'स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकनकर्ता' द्वारा वैश्विक सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए भी प्रमाणितकृत किया गया है।

अप्रैल 2025 में, उपनगरीय खंडों के लिए डिजाइन की गई एक उन्नत सुरक्षा और सिग्नलिंग प्रणाली 'कवच 5.0' के शुभारम्भ की घोषणा की गई है। इसके माध्यम से ट्रेनों के बीच के अंतराल को काफी कम करने की उम्मीद है, जिससे सुरक्षा और कुशल संचालन को बनाए रखते हुए ट्रेनों की आवृत्ति को बढ़ाया जा सकेगा। 'वंदे भारत 4.0' में अपने उन्नत सुरक्षा और तकनीकी ढांचे के हिस्से के रूप में भारत की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली के अगले संस्करण 'कवच 5.0' को शामिल करने की परिकल्पना की गई है।

कवच की रणनीति और प्रगति

लगभग 96प्रतिशत रेलवे यातायात उच्च-घनत्व नेटवर्क (एचडीएन) और अत्यधिक प्रयुक्त नेटवर्क (एचयूएन) मार्गों पर किया जाता है। इस यातायात के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए, कवच कार्यान्वयन रेलवे बोर्ड द्वारा परिभाषित प्राथमिकताओं के आधार पर केंद्रित तरीके से किया जा रहा है:

- पहली प्राथमिकता: नई दिल्ली-मुंबई और नई दिल्ली-हावड़ा खंड सहित उच्च-घनत्व वाले मार्गों को स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) और केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण (सीटीसी) के साथ 160 किमी प्रति घंटे के लिए मंजूरी दे दी गई है, जहां ट्रेनें एक-दूसरे के करीब चलती हैं, और मानवीय त्रुटि का जोखिम अधिक होता है।
- द्वितीय प्राथमिकता: अत्यधिक उपयोग वाले नेटवर्क रूट, जहाँ एबीएस और सीटीसी की सुविधा उपलब्ध है।
- तृतीय प्राथमिकता: अन्य यात्री उच्च-घनत्व वाले रूट, जो एबीएस (ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग) से लैस हैं।
- चतुर्थ प्राथमिकता: अन्य सभी शेष मार्ग।

व्यापक परीक्षणों के बाद, शुरुआत में 'कवच 4.0' को 738 मार्ग किलोमीटर पर चालू किया गया था। इसमें दिल्ली-मुंबई मार्ग पर पलवल-मथुरा-नागदा खंड (633 मार्ग किमी) और दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर हावड़ा-वर्धमान खंड (105 मार्ग किमी) शामिल हैं। इसके बाद से, दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा दोनों गलियारों के शेष खंडों में भी कवच के कार्यान्वयन का कार्य शुरू कर दिया गया है। जारी विस्तार के हिस्से के रूप में, गुजरात के पहले खंड—बाजवा (वड़ोदरा) और अहमदाबाद के बीच 96 रूट किलोमीटर पर 'कवच 4.0' को चालू किया गया है। यह नए परिचालन क्षेत्रों में इसके प्रवेश का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

जनवरी 2026 में, भारतीय रेलवे ने एक ही महीने के एक ही दिन में 472.3 रूट किलोमीटर पर 'कवच 4.0' सुरक्षा प्रणाली स्थापित करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की, जो अब तक सर्वाधिक है। नए कवर किए गए रूट में पश्चिम रेलवे पर वडोदरा-विरार (344 किमी), उत्तर रेलवे पर तुगलकाबाद जंक्शन केबिन-पलवल (35 किमी) और पूर्व मध्य रेलवे पर मानपुर-सरमातनर (93.3 किमी) शामिल हैं। इस विस्तार के साथ, 'कवच 4.0' अब पांच भारतीय रेलवे जोनों के 1,306.3 रूट किलोमीटर को कवर करता है, जिससे दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा जैसे प्रमुख गलियारों पर सुरक्षा मजबूत हुई है। इसके अतिरिक्त, 2,667 रूट किलोमीटर के कार्यों को मंजूरी मिल चुकी है, जिनका क्रियान्वयन अभी जारी है।

इस प्रणाली का 'स्वचालित ब्रेकिंग परीक्षणों' के माध्यम से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है। इसके अतिरिक्त, वडोदरा-नागदा और विरार-मुंबई सेंट्रल सहित अन्य खंडों में विस्तार का कार्य तेजी से चल रहा है। साथ ही, 'मिशन रफ़्तार' के तहत गति को 160 किमी प्रति घंटे तक अपग्रेड करने की योजना भी बनाई गई है। कुल मिलाकर, 'कवच' को अब 2,200 से अधिक रूट किलोमीटर पर लागू किया जा चुका है, जो राष्ट्रीय रेल नेटवर्क पर भारत की इस स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली के निरंतर और तीव्र विस्तार को दर्शाता है।

रेलवे सुरक्षा के लिए एआई और तकनीक-आधारित सिग्नलिंग एवं दूरसंचार उपाय

परिचालन सुरक्षा बढ़ाने, संचार की विश्वसनीयता में सुधार करने और यात्री सूचना प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए, भारतीय रेलवे पूरे रेल नेटवर्क में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, दूरसंचार और डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठा रही है। कवच के साथ-साथ, ये पहलें वास्तविक समय की निगरानी, पूर्वानुमानित रखरखाव, स्वचालित अलर्ट के माध्यम से पारंपरिक सुरक्षा प्रणालियों की पूरक बनती हैं। इनका उद्देश्य मानवीय हस्तक्षेप पर निर्भरता कम करना, सिस्टम की प्रतिक्रिया क्षमता में सुधार करना और दुर्घटना रोकथाम एवं बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

- एआई-सक्षम घुसपैठ पहचान प्रणाली

अत्यधिक संवेदनशील रेल गलियारों में रेलवे पटरियों पर हाथियों और अन्य जंगली जानवरों की उपस्थिति का पता लगाने के लिए 'वितरित ध्वनिक सेंसिंग'(डीएएस) तकनीक पर आधारित एक एआई समर्थित अतिक्रमण प्रणाली विकसित की गई है। यह प्रणाली जानवरों की आवाजाही के संबंध में वास्तविक समय में सावधान करती है और ट्रैन चालकों, स्टेशन मास्टरों तथा नियंत्रण कक्षों को चेतावनी भेजती है, जिससे निवारक कार्रवाई तुरंत संभव होती है और दुर्घटना के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

- पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे पर 141 रूट किलोमीटर पर परिचालन शुरू हो चुका है।
- अतिरिक्त 981 रूट किलोमीटर के लिए निविदाएं आवंटित कर दी गई हैं।

रेलवे पटरियों के पास जंगली जानवरों, विशेष रूप से हाथियों की आवाजाही को रोकने के लिए, रेलवे क्रॉसिंग पर नई तरह के 'हनी बी' बजर उपकरण स्थापित किए गए हैं। इन उपकरणों द्वारा उत्पन्न ध्वनि हाथियों को पटरियों से दूर भगाने के लिए एक प्रतिकर्षक के रूप में कार्य करती है। इसके अतिरिक्त, रात के समय या कम दृश्यता की स्थिति में सीधे ट्रैक पर जंगली जानवरों की उपस्थिति का पता लगाने के लिए 'थर्मल विजन कैमरों' का परीक्षण किया जा रहा है, जो ट्रैन चालकों को समय पर सावधान करते हैं।

- वीडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस)

स्टेशन-स्तरीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए, 1,731 रेलवे स्टेशनों पर वीडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस) चालू की गई है। ये प्रणाली अतिक्रमण और पटरियों पर किसी के होने जैसी घटनाओं का स्वचालित रूप से पता लगाने के लिए एआई-आधारित 'वीडियो एनालिटिक्स' से लैस हैं। इसके साथ ही, वास्तविक समय में पहचान और निगरानी के लिए 'फेशियल रिकग्निशन सॉफ्टवेयर' (एफआरएस) का उपयोग किया जा रहा है, जो सुरक्षा प्रबंधन में सहायता प्रदान करता है।

- एआई-संचालित पूवार्नुमान और निरीक्षण
- मानकीकृत विफलता पूवार्नुमान लॉजिक और चेतावनी भेजने का तंत्र विकसित करने के लिए चुनिंदा स्टेशनों पर सिग्नलिंग प्रणालियों के एआई-आधारित रखरखाव का परीक्षण किया जा रहा है।
- रोलिंग स्टॉक के दोषों का जल्द पता लगाने और परिसंपत्तियों के स्वास्थ्य की बेहतर निगरानी के लिए 'ऑनलाइन मॉनिटरिंग ऑफ रोलिंग स्टॉक सिस्टम' (ओएमआरएस) और 'व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर्स' (डब्ल्यूआईएलडी) को अपनाया गया है।
- भारतीय रेलवे और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के बीच 'वेसाइड मशीन विजन-आधारित निरीक्षण प्रणाली' (एमवीआईएस) के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह प्रणाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग द्वारा संचालित है, जो चलती ट्रेनों में लटके हुए या लापता पुर्जों या हिस्सों का स्वचालित रूप से पता लगाती है।
- भारतीय रेलवे और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के बीच 'स्वचालित व्हील प्रोफाइल माप प्रणाली (एडब्ल्यूपीएमएस) के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह प्रणाली पहियों की ज्यामिति और घिसावट का स्वचालित, बिना संपर्क के, वास्तविक समय में मापन सक्षम बनाती है, जिससे परिचालन सुरक्षा और अनुरक्षण दक्षता में वृद्धि होती है।

डिजिटल रेडियो संचार

सुरक्षित ट्रेन संचालन ट्रैन चालकों और गार्ड के बीच विश्वसनीय ध्वनि संचार पर निर्भर करता है। इस दिशा में, पारंपरिक एनालॉग प्रणालियों के स्थान पर डिजिटल 5 डब्ल्यू अति उच्च फ्रीक्वेंसी (वीएचएफ) वॉकी-टॉकी सेट की खरीद को मानकीकृत किया गया है।

सुरंग संचार प्रणाली

लंबी सुरंगों वाले रेल खंडों में सुरंग संचार प्रणाली लागू की गई है, जिसमें उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना विशेष रूप से शामिल है। ये प्रणालियाँ ट्रेनों और परिचालन नियंत्रण केंद्रों के बीच निर्बाध रेडियो संचार सुनिश्चित करती हैं, जिससे सुरंगों के भीतर परिचालन सुरक्षा और आपातकालीन स्थिति को सँभालने की क्षमता बढ़ती है।

ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) नेटवर्क

आधुनिक सिग्नलिंग, दूरसंचार और डेटा संचार को सुचारू बनाने के लिए ओएफसी नेटवर्क का व्यापक विस्तार किया गया है। अक्टूबर 2025 तक, 619 रूट किलोमीटर नई ओएफसी बिछाई गई, जिससे अब कुल कवरेज लगभग 67,233 रूट किलोमीटर तक पहुँच गया है।

मुख्य बिंदु

- कवच, स्वदेश में विकसित स्वचालित ट्रेन रक्षा प्रणाली है। यह ट्रेनों को सुरक्षा के साथ ही टक्कर रोकने की क्षमता भी मुहैया कराती है।
- कवच को 2200 रूट किलोमीटर से ज्यादा रेल मार्गों पर क्रियान्वित किया जा चुका है।
- कवच 4.0 के दायरे में अब पांच भारतीय रेल जोन में 1300 रूट किलोमीटर से ज्यादा रेल मार्ग आते हैं।
- वंदे भारत 4.0 में इसके उन्नत सुरक्षा और प्रौद्योगिकी फ्रेमवर्क के हिस्से के रूप में कवच 5.0 को शामिल करने की योजना है।

यात्री सूचना और मार्गदर्शन प्रणाली

यात्रियों को अपने कोच (डिब्बे) की स्थिति का पता लगाने में मदद करने के लिए 1,064 स्टेशनों पर कोच गाइडेंस सिस्टम स्थापित किए गए हैं। यह प्रणाली प्लेटफार्म पर कोच की सटीक स्थिति बताती है। 1,449 स्टेशनों पर ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड (टीआईबी) लगाए गए हैं, जो ट्रेन नंबर, नाम, समय और प्लेटफार्म नंबर सहित ट्रेन के आगमन/प्रस्थान का विवरण प्रदर्शित करते हैं।

इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग

दिसंबर 2025 तक, 6,660 स्टेशनों पर पॉइंट और सिग्नल के केंद्रीकृत संचालन के साथ इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम प्रदान किए गए हैं। ये प्रणालियाँ मानवीय चूक के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम करती हैं।

सतर्कता नियंत्रण उपकरण (वीसीडी)

ट्रेन चालकों की सतर्कता को बेहतर बनाने के लिए सभी ट्रेनों को सतर्कता नियंत्रण उपकरणों से लैस किया गया है।

कोहरे के दौरान सुरक्षा उपाय

- विद्युतीकृत क्षेत्रों में, कोहरे के कारण दृश्यता कम होने पर क्रू को आगे आने वाले सिग्नल के प्रति सचेत करने के लिए सिग्नल से दो 'ओएचई मास्ट' पहले, सिग्नल मास्ट पर, रेट्रो-रिफ्लेक्टिव सिग्मा बोर्ड लगाए गए हैं।
- कोहरे से प्रभावित क्षेत्रों में लोको पायलटों को जीपीएस-आधारित फॉग सेफ्टी डिवाइस (एफएसडी) प्रदान किए गए हैं। यह उपकरण उन्हें सिग्नल और लेवल क्रॉसिंग गेट आने पर उनकी दूरी का अंदाजा लगाने में सक्षम बनाता है।

ट्रैक और रेल की स्थिति की निगरानी

- रेल की पटरियों के आंतरिक खराबी का पता लगाने और खराब रेल को समय पर हटाने के लिए नियमित रूप से अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन (यूएसएफडी) परीक्षण किया जाता है।
- ट्रैक के दोषों की पहचान करने, यात्रा गुणवत्ता का आकलन करने और रखरखाव की आवश्यकताओं का पूवार्नुमान लगाने के लिए ऑसिलेशन मॉनिटरिंग सिस्टम (ओएमएस) और ट्रैक रिकॉर्डिंग कार (टीआरसी) का उपयोग करके ट्रैक की निरंतर निगरानी की जाती है।

डिजिटल ट्रैक परिसंपत्ति प्रबंधन

तर्कसंगत रखरखाव योजना को सक्षम करने और संसाधन तैनाती को अनुकूलित करने के लिए ट्रैक डेटाबेस और निर्णय लेने में सहायता करने वाली प्रणाली सहित ट्रैक परिसंपत्तियों की एक वेब-आधारित ऑनलाइन निगरानी प्रणाली को अपनाया गया है।

निष्कर्ष

कवच 4.0, आगामी कवच 5.0 और एआई-संचालित निगरानी प्रणालियों को संयुक्त रूप से इस्तेमाल करके, भारतीय रेलवे सक्रिय रूप से एक आधुनिक, एकीकृत और भविष्योन्मुखी सुरक्षा ढांचे का निर्माण कर रही है। इन प्रौद्योगिकियां की मदद से परिचालन विश्वसनीयता को मजबूती मिल रही है, यात्रियों और रेल कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है, साथ ही ये प्रौद्योगिकियां बुनियादी ढांचे की रक्षा कर रही हैं, उपनगरीय नेटवर्क की क्षमता बढ़ा रही हैं और वन्यजीवों की सुरक्षा में भी सुधार कर रही हैं।

2016 के पहले क्षेत्रीय परीक्षणों से लेकर बड़े पैमाने पर राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन तक, यह यात्रा सुरक्षा, स्वदेशी नवाचार और निरंतर सुधार के प्रति एक अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जैसे-जैसे इसका कार्यान्वयन आगे बढ़ रहा है, भारतीय रेलवे निरंतर दुनिया के सबसे सुरक्षित, तकनीकी रूप से उन्नत और भविष्य के लिए तैयार रेल नेटवर्कों में से एक बनने की ओर अग्रसर है।

2047 तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए गुणवत्ता ही कुंजी: गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि गुणवत्ता भारत के विनिर्माण और निर्यात तंत्र का मूलमंत्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2047 तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए गुणवत्ता ही कुंजी है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय गुणवत्ता सम्मेलन 2026 को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'शून्य दोष, शून्य प्रभाव' के विजन को भारत के विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने का मूल आधार बताया। गोयल ने इस पहल को प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़ते हुए कहा कि 2047 तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की भारत की महत्वाकांक्षा तीन स्तंभों पर टिकी है, जिसमें शून्य दोष (गुणवत्ता), शून्य प्रभाव (स्थिरता) और समान अवसर (समावेशिता) है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का श्शून्य दोष, शून्य प्रभावश् का विजन अमृत काल में भारत के विकास की आधारशिला बनेगा।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के सहयोग से आयोजित पहले राष्ट्रीय गुणवत्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी देश केवल उपभोक्ता बनकर प्रगति नहीं कर सकता। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि उसे उच्च गुणवत्ता वाले सामान और सेवाओं के विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त उत्पादक के रूप में अपनी पहचान स्थापित करनी होगी।

गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि ब्रांड इंडिया गुणवत्ता, विश्वसनीयता और भरोसे का प्रतीक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत पिछले चार वर्षों से विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था रहा है और अगले दो से ढाई वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी वाला देश बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश का 2 ट्रिलियन डॉलर का निर्यात लक्ष्य, जिसमें अगले छह से सात वर्षों के भीतर एक ट्रिलियन डॉलर का सामान और 1 ट्रिलियन डॉलर की सेवाएं शामिल हैं, केवल उच्च गुणवत्ता मानकों के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है।

वाणिज्य मंत्री ने उद्योग जगत से उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ बाजार पहुंच का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 38 विकसित देशों के साथ नौ मुक्त व्यापार समझौते एफटीए वैश्विक व्यापार के दो-तिहाई हिस्से को कवर करते हैं। गोयल ने अपने संबोधन में विनिर्माण इको सिस्टम में गुणवत्ता को संस्थागत रूप देने के लिए पांच स्तंभ रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की। गुणवत्ता सम्मेलन में क्षेत्र-विशिष्ट परामर्श और गुणवत्ता मंथन संवादों के जरिए 20 से अधिक शहरों, 14 समूहों और 50 से अधिक नियामकीय निकायों को शामिल किया गया।

सिमडेगा नगर परिषद : मतदान शांतिपूर्ण, भयमुक्त एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न

बिभा संवाददाता

सिमडेगा: नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के अंतर्गत सिमडेगा नगर परिषदझ्16 (वर्ग-ख) क्षेत्र में मतदान शांतिपूर्ण, भयमुक्त एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह के दिशा-निर्देशन में पूरी निर्वाचन प्रक्रिया पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ आयोजित की गई। प्रशासनिक तत्परता, सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था और समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप जिले के सभी 37 मतदान केंद्रों पर मतदाताओं में उत्साह का वातावरण देखा गया। मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

जिले में कुल 67.83 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इनमें पुरुष मतदाताओं की भागीदारी 69.01 प्रतिशत तथा महिला मतदाताओं की भागीदारी 66.74 प्रतिशत रही, जो लोकतांत्रिक जागरूकता और सहभागिता का सकारात्मक संकेत रहा

मतदान समाप्ति के उपरांत सभी पोलिंग पार्टियों, सेक्टर पदाधिकारियों, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारियों ने सिमडेगा कॉलेज परिसर स्थित रिसीविंग सेंटर में विभिन्न प्रपत्र एवं मतपत्र पेटिकाएं विधिवत जमा कीं। निर्वाचन कार्य में संलग्न सभी कर्मियों के लिए सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सकी।

जिले के सभी मतदान केंद्रों को विशेष थीम के साथ ह्लआदर्श मतदान केंद्रह्व के रूप में विकसित किया गया था। इन केंद्रों पर आधुनिक कृषि को बढ़ावा, रागी खेती की बढ़ावा, नशा मुक्ति अभियान, बाल विवाह उन्मूलन, मानव तस्करी की रोकथाम, जल संरक्षण, शिक्षा का महत्व, फलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव एवं प्रत्येक नागरिक के लोकतांत्रिक मूल्यों से संबंधित संदेश प्रदर्शित किए गए। इन प्रयासों से मतदाताओं में जागरूकता के साथ-साथ विशेष उत्साह भी देखा गया।

मतदान प्रक्रिया की सतत निगरानी हेतु उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री श्रीकांत एस. खोटरे ने विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शांतिपूर्ण निर्वाचन के उपलक्ष्य में आयोजित डिब्रीफिंग बैठक में उपायुक्त ने सभी कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि टीम भावना, कर्तव्यनिष्ठा और निष्पक्षता के कारण यह चुनाव सफल रहा। उन्होंने कर्मियों से उनके अनुभव साझा करने का आग्रह किया, ताकि भविष्य में और बेहतर एवं त्रुटिरहित व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

पुलिस अधीक्षक ने भी सभी मतदान कमीयों को सफल चुनाव संपन्न कराने के लिए बधाई दी। मतदानकर्मियों ने भी उपलब्ध कराई गई सुविधा को बेहतर एवं

संक्षिप्त खबरें

रेलवन ऐप: आसनसोल मंडल में एकीकृत डिजिटल टिकटिंग के नए युग की शुरूआत

आसनसोल: पूर्व रेलवे का आसनसोल मंडल एकीकृत रेलवन ऐप की शुरूआत के साथ आधुनिक और यात्री-केंद्रित रेल प्रणाली की दिशा में निरंतर अग्रसर है। भारतीय रेलवे के डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम के अंतर्गत यूटीएस ऑन मोबाइल एप्लिकेशन सेवा 01 मार्च 2026 से स्थायी रूप से बंद कर दी जाएगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे रेलवन ऐप को अपनाएं, जो एकल लॉगिन आईडी और पासवर्ड के माध्यम से अनेक यात्री सेवाएं उपलब्ध कराता है। यह ऐप यूटीएस ऑन मोबाइल और रेल कनेक्ट की सुविधाओं को एक ही मंच पर एकीकृत करता है। इसके माध्यम से यात्री अनारक्षित (जनरल), आरक्षित तथा प्लेटफॉर्म टिकट बुक कर सकते हैं। साथ ही लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, पीएनआर पूछताछ, कोच एवं प्लेटफॉर्म स्थिति की जानकारी, टिकट रद्दीकरण, रिफंड ट्रैकिंग तथा यात्री फीडबैक जैसी सेवाएं भी उपलब्ध हैं। यात्रियों को सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट बुक करने पर 3 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इसके अतिरिक्त आर-वॉलेट के माध्यम से टिकट भुगतान करने पर 3 प्रतिशत अतिरिक्त कैशबैक भी प्रदान किया जाएगा। यह विशेष ऑफर 14 जुलाई 2026 तक मान्य रहेगा। सुचारु संक्रमण एवं व्यापक जागरूकता सुनिश्चित करने हेतु आसनसोल मंडल द्वारा ईस्टर्न रेलवे एचएस स्कूल, आसनसोल; ईस्टर्न रेलवे एचएस स्कूल (अंग्रेजी माध्यम), आसनसोल; तथा आसनसोल गर्ल्स कॉलेज में प्रचार अभियान आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को रेलवन ऐप की विशेषताओं, लाभों एवं उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई तथा डिजिटल एवं कैशलेस टिकटिंग को बढ़ावा देने पर बल दिया गया। आसनसोल मंडल सभी यात्रियों से अपील करता है कि वे 01 मार्च 2026 से पूर्व रेलवन ऐप डाउनलोड कर उसका उपयोग प्रारंभ करें, ताकि एकीकृत डिजिटल टिकटिंग प्रणाली में परिवर्तन सुगमता से हो सके। मंडल क्षेत्र में सुरक्षित, कुशल एवं तकनीक-आधारित रेल सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राँची मण्डल कि टीओपीबी टीम तथा आरपीएफ ने एक चोर को पकड़ा

रांची : राँची मण्डल मे मण्डल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर बनाई गई डिवीजनल टीओपीबी टीम तथा आरपीएफ पोस्ट राँची बहुत बेहतरीन कार्य कर रहे है। 21 फरवरी को ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत आरपीएफ पोस्ट रांची एवं डिवीजनल टीओपीबी टीम, रांची राँची स्टेशन पर सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान रात्रि प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में तेज गति से जाते हुए दिखाई दिया। संदेह होने पर आरपीएफ टीम द्वारा उसे घेरकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना नाम रमीज राजा उर्फ राजू, उम्र लगभग 31 वर्ष, पिता लतीफुर रहमान उर्फ बिलातु, निवासी पाथलकुडवा चर्च लाइन, रांची बताया। संदेह के आधार पर उसकी व्यक्तिगत तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछे जाने पर वह दोनों मोबाइल फोन अनलॉक करने में असमर्थ रहा तथा संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। कड़ी पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि उसने उक्त दोनों मोबाइल फोन रांची रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की जेब से चोरी किए थे। तत्पश्चात उपनिरीक्षक सोहन लाल द्वारा बरामद मोबाइल फोन को जब्त कर 22.02.2026 को जीआरपी रांची को सुपुर्द कर दिया गया। इस संबंध में जीआरपीएस रांची द्वारा कांड अंतर्गत धारा 303(2)/317(5) बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। इस सफल कार्रवाई में आरपीएफ पोस्ट रांची के निरीक्षक प्रभारी शिशुपाल कुमार, उपनिरीक्षक सूरज पांडेय एवं सोहल लाल, स्टाफ एस. पी. राय तथा डिवीजनल टीओपीबी टीम रांची के सहायक उपनिरीक्षक बलराम कुमार एवं स्टाफ प्रकाश कुमार की सराहनीय भूमिका रही।

धनबाद नगर निगम में 46.98 और चिरकुंडा नगर परिषद में 61.40 प्रतिशत मतदान

बिभा संवाददाता

धनबाद। नगर निकाय चुनाव संपन्न होने के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगर पालिका) सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि शाम 05 बजे तक धनबाद नगर निगम में 46.98 और चिरकुंडा नगर परिषद में 61.40 प्रतिशत मतदान हुआ है।

यह जानकारी उपायुक्त ने प्रेस वार्ता में सोमवार को दी। उन्होंने कहा कि कई मतदान केंद्रों पर अभी भी टोकन लेकर वोटर लाइन में लगे हैं। सभी मतदान केंद्रों पर वोटिंग समाप्त होने के बाद मतदान प्रतिशत जारी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि शाम 05 बजे तक धनबाद नगर निगम में चार लाख 22 हजार 790 और चिरकुंडा नगर परिषद में 22704 वोटरों ने मतदान किया।

उपायुक्त ने बताया कि हालांकि मतदान के दौरान कुछ मतदान केंद्रों पर छिटपुट घटनाएं हुईं। इसका सेक्टर मजिस्ट्रेट और संबंधित निवार्ची पदाधिकारी के स्तर से निराकरण किया गया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान जिला कंट्रोल रूम सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ लगातार संपर्क में रहा। जहां हर समस्या का त्वरित समाधान किया गया।

मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि सभी 1019 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न हुआ है। कहीं से भी कोई भी बड़ी घटना सामने नहीं आई है।

इधर, उपायुक्त ने बताया कि अब 27 फरवरी को राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में मतगणना होगी। यहां 11 हॉल में धनबाद नगर निगम और 4 हॉल में चिरकुंडा नगर परिषद के लिए मतों की गिनती की जाएगी। प्रत्येक मतगणना हॉल में 8 से 12 टेबल लगाए जाएंगे। सभी मतपेटिका के स्ट्रांग रूम पहुंचने के बाद स्ट्रांग रूम को सील कर दिया जाएगा।

वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि स्ट्रांग रूम में थ्री लेयर सिक्योरिटी रहेगी। सबसे इनर लेयर में झारखंड आर्म्ड पुलिस की टीम रहेगी। इसके बाद दो लेयर में जिला पुलिस की टीम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा करेगी।

नगर निकाय चुनाव : डीआईजी, डीसी व एसपी ने विभिन्न बूथों का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में जारी नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत मतदान प्रक्रिया का जायजा लेने के लिए डीआईजी कौशल किशोर, उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी समीरा एस एवं पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।तीनों पदाधिकारियों ने वार्ड संख्या 6 अंतर्गत राजकीय नव प्राथमिक विद्यालय कचरवा स्थित बूथ संख्या 3 एवं 4,वार्ड 5 के बूथ संख्या 2 एवं 3 (राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय,बहलोलवा)तथा वार्ड 5 के ही बूथ संख्या 1(राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पोखरखुर्द)पहुंचकर मतदान व्यवस्था का जायजा लिया।इस दौरान मतदान प्रक्रिया,सुरक्षा व्यवस्था एवं मतदाताओं की सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गयी।निरीक्षण के क्रम में वार्ड 31 के मतदान केंद्र संख्या 3 पर अनावश्यक रूप से जमा भीड़ को पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल हटवाया गया तथा शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराया गया।

वहीं कुछ मतदान केंद्रों पर वोटिंग कंपार्टमेंट के अंदर दो व्यक्तियों द्वारा एक साथ मतदान किए जाने की शिकायत मिली,जिससे गोपनीय मतदान प्रभावित हो रहा था।इस पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को कड़ी हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि प्रत्येक मतदाता अलग-अलग एवं गोपनीय तरीके से मतदान करें।इसके अतिरिक्त वार्ड 27 में डीसी ने मतदान प्रक्रिया को और अधिक सुचारू एवं तीव्र गति से संचालित करने का निर्देश दिया।

गुमला में 44 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सम्पन्न, 59.79% मतदान प्रतिशत दर्ज

बिभा संवाददाता

गुमला: नगरपालिका आम चुनाव 2026 के अंतर्गत जिले के 44 मतदान केंद्रों पर आज प्रातः 7 बजे से सायं 5 बजे तक मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगर परिषद) सह उपायुक्त गुमला, प्रेरणा दीक्षित के दिशा-निदेर्शों के आलोक में प्रशासनिक अधिकारियों एवं मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी से पूरे मतदान दिवस का वातावरण उत्साहपूर्ण एवं सकारात्मक रहा।

सायं 5 बजे तक प्राप्त आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार गुमला जिले में कुल 59.79% मतदान दर्ज किया गया। सभी मतदान कर्मी अपने-अपने मतदान केंद्रों से सुरक्षित रूप से वापस लौटकर रिसीविंग सेंटर, कार्तिक उरांव कॉलेज परिसर पहुँच चुके हैं तथा मतदान सामग्री एवं अभिलेखों को निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत विधिवत जमा किया जा रहा है।

रिसीविंग के दौरान उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने रिसीविंग सेंटर का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं तथा मतदान सामग्री जमा करने की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी मतदान कर्मियों एवं संबंधित अधिकारियों की समर्पित सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की समन्वित एवं सजग प्रशासनिक कार्यवाही लोकतंत्र के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रशासन द्वारा आगामी मतगणना की तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। मतगणना 27 फरवरी को आयोजित की जाएगी, जिसकी तैयारी अंतिम चरण में है तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

धनबाद-भोपाल तथा चोपन -भोपाल के बीच एक जोड़ी नई ट्रेन का परिचालन 27 से

हाजीपुर: यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर बोकारो थर्मल-रांची रोड-टोरी-डालटनगंज- गढ़वा-चोपन-सिंगरौली के रास्ते धनबाद और भोपाल के मध्य एक जोड़ी नई ट्रेन (सप्ताह में तीन दिन) का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है । इसके साथ ही चोपन और भोपाल के मध्य भी एक जोड़ी नई ट्रेन (साप्ताहिक) का परिचालन किया जाएगा । इन दोनों नई ट्रेनों में वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 04 कोच सहित कुल 22 एलएचबी कोच होंगे ।इन दोनों नई ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है -

1. गाड़ी सं. 11631/11632 भोपाल-धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन) - गाड़ी सं. 11631/11632 भोपाल-धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस का नियमित परिचालन भोपाल से 27.02.2026 से सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार, सोमवार एवं गुरूवार को तथा धनबाद से 01.03.2026 से सप्ताह के प्रत्येक रविवार, बुधवार एवं शनिवार को किया जाएगा ।

गाड़ी सं. 11631 भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस भोपाल से 20.55 बजे खुलकर बीना-दमोह -कटनी मुरवाड़ा के रास्ते अगले दिन 08.45 बजे सिंगरौली, 10.20 बजे चोपन, 11.20 बजे रेणुकूट 12.35 बजे गढ़वा, 13.20 बजे डालटनगंज, 14.52 बजे टोरी, 17.05 बजे रांची रोड सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 20.20 बजे धनबाद पहुंचेगी ।

गाड़ी सं. 11632 धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस धनबाद से 07.20 बजे खुलकर 09.45 बजे रांची रोड, 11.20 बजे टोरी, 12.46 बजे डालटनगंज, 13.35 बजे गढ़वा, 15.08 बजे रेणुकूट, 16.05 बजे चोपन, 18.50 बजे सिंगरौली सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 07.00 बजे भोपाल पहुंचेगी ।

2. गाड़ी सं. 11633/11634 भोपाल-चोपन-भोपाल एक्सप्रेस (साप्ताहिक) - गाड़ी सं. 11633/11634 भोपाल-चोपन-भोपाल एक्सप्रेस का नियमित परिचालन भोपाल से 01.03.2026 से सप्ताह के प्रत्येक रविवार को तथा चोपन से 02.03.2026 से सप्ताह के प्रत्येक सोमवार को किया जाएगा ।

गाड़ी सं. 11633 भोपाल-चोपन एक्सप्रेस भोपाल से 20.55 बजे खुलकर बीना-दमोह- कटनी मुरवाड़ा के रास्ते अगले दिन 08.45 बजे सिंगरौली, 09.03 बजे करैला रोड सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 10.50 बजे चोपन पहुंचेगी । गाड़ी सं. 11634 चोपन-भोपाल एक्सप्रेस चोपन से 17.10 बजे खुलकर 18.20 बजे करैला रोड एवं 18.50 बजे सिंगरौली सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 07.00 बजे भोपाल पहुंचेगी ।

पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मुकुल रॉय का निधन, 71 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राजनीति में चाणक्य कहे जाने वाले वरिष्ठ राजनेता मुकुल रॉय का रविवार देरात निधन हो गया। उन्होंने 71 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। लंबे समय से किडनी सहित कई गंभीर शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे मुकुल रॉय न्यू टाउन स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन से राज्य की राजनीति में शोक की लहर दौड़ गई।

उनके आवास के बाहर समर्थकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। अस्पताल से पार्थिव शरीर को घर लाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

मुकुल रॉय ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस से की। बाद में वह राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। वह तृणमूल के संस्थापक सदस्यों में हैं। संगठन को खड़ा करने में उनकी रणनीतिक भूमिका के कारण उन्हें बंगाल की राजनीति का चाणक्य भी कहा जाता था। एक समय उन्हें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की छाया कहा जाता था। उन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में भी दायित्व निभाया और केंद्र सरकार में जहाजरानी तथा रेल मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली।

बाद में वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में कृष्णनगर उत्तर सीट से भाजपा के टिकट पर जीत दर्ज की। हालांकि बाद में उन्होंने पुनः तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया, लेकिन विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया। इस कारण वह औपचारिक रूप से भाजपा विधायक ही बने रहे।

उन्हें विधानसभा की लोक लेखा समिति का अध्यक्ष भी बनाया गया। उनके विधायक पद को लेकर विवाद अदालत तक पहुंचा। कलकत्ता हाई कोर्ट ने सदस्यता खारिज करने का आदेश दिया था, लेकिन इस फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम स्थगन दे दिया। राजनीतिक उतार-चढ़ाव से भरे लंबे सार्वजनिक जीवन के बाद मुकुल रॉय ने अंततः एक विधायक के रूप में अपनी अंतिम यात्रा पूरी की। उनके निधन से पश्चिम बंगाल की राजनीति ने एक प्रभावशाली रणनीतिकार को खो दिया है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com